आज का मौसम
30.0⁰ अधिकतम तापमान
18.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.18
सूर्यास्त 05.26

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष एकादशी 07:31 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 2 नवंबर 2025, वर्ष 35, अंक 273, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

- भारत-रूस संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाले आदेश पारित नहीं करना चाहते : सुप्रीम कोर्ट- 12

- त्योहारी सीजन व जीएसटी में राहत से यात्री वाहनों की बंपर बिक्री - 12

- एशिया प्रशांत क्षेत्र के विकास के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण - 13

- तीसरा टी20 मैच आज : हेजलवुड की अनुपस्थिति में भारतीय बल्लेबाजों को मिलेगी राहत - 14

महिला विश्व कप: इतिहास रचने की दहलीज पर भारत और दक्षिण अफ्रीका

विश्वकप ट्रॉफी के साथ भारत और साउथ अफ्रीका टीम की कप्तान।

नवी मुंबई। आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में रविवार को यहां जब मैदान पर उतरेगी तो उसे पिछले सात में से छह मैच जीत कर पहली बार इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंची दक्षिण अफ्रीका की कड़ी चुनौती से पार पाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाना होगा। यह मुकाबला सिर्फ एक खिताब के लिए जंग नहीं है, बल्कि महिला क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय लिखने जा रहा है, क्योंकि इस फाइनल से नया विश्व चैंपियन मिलने वाला है। भारतीय टीम तीसरी बार (2005 और 2017 के बाद) इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है, जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार खिताबी मुकाबले में पहुंची है।

सरकार हर संकट में साथ, राहत पहुंचाने को प्रतिबद्ध : धामी

- प्रभावित परिवारों से मिले, 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी, घोषणाएं भी कीं

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: देवभूमि उत्तराखंड की समृद्ध संस्कृति के प्रतीक लोकपर्व इगास (बूढ़ी दीपावली) पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शनिवार को रुद्रप्रयाग के तहसील वसुकेदार क्षेत्रान्तर्गत ग्राम भौंर पहुंचे, जहां उन्होंने हाल ही में आई आपदा से प्रभावित परिवारों से भेंटवार्ता की तथा राहत एवं पुनर्निर्माण कार्यों की स्थलीय समीक्षा की। साथ ही कई घोषणाएं भी कीं।

मुख्यमंत्री ने आपदा प्रभावित इस क्षेत्र में आपातकालीन परिस्थितियों पर त्वरित कार्रवाई करने हेतु इस क्षेत्र में स्थायी हेलीपैड बनाने, ग्रामीणों की मांग पर ग्राम भौंर में आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण कराने, इस गांव तक मोटर सड़क निर्माण कराने, जिससे क्षेत्र में दोपहिया वाहन की आवाजाही हो सके, इस हेतु एक करोड़ रुपये की धनराशि देने की घोषणा की।

रुद्रप्रयाग में आपदा प्रभावितों के साथ भोजन करते मुख्यमंत्री धामी।

साथ में किया भोजन

मुख्यमंत्री धामी ने आपदा प्रभावित परिवारों के साथ मध्यान्ह भोजन भी किया और उनके साथ समय व्यतीत करते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार उनके साथ खड़ी है। कहा कि उत्तराखंड एक आपदा-संवेदनशील राज्य है, और इसी कारण आपदा प्रबंधन को सशक्त और प्रभावी बनाने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि राहत कार्यों में पारदर्शिता, तत्परता बरती जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, छेनागाड़ बाजार को पुनर्जीवित करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनेगी। छेनागाड़ में आपदा के दौरान जिन लोगों ने अपने आवास खोए है, उनके विस्थापन करने की योजना बनाने हेतु मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए तथा जिन लोगों के वाहन आपदा के दौरान क्षतिग्रस्त हुए है उनको भी मुआवजा देने की बात कही। मुख्यमंत्री ने आपदा के दौरान जान-माल की क्षति उठाने वाले परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए मृतक कुलदीप सिंह नेगी वन श्रमिक एवं सते सिंह के परिवार को आर्थिक सहायता के रूप में पांच-पांच लाख रुपये के चेक प्रदान किए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रभावित परिवारों के पुनर्वास एवं राहत कार्यों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उनके लिए हर एक पीड़ित खास है और किसी भी पीड़ित को अकेला महसूस नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने ग्राम भौंर में आपदा प्रभावितों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनके अनुभवों और समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रभावित परिवारों को समयबद्ध राहत सहायता प्रदान की जाए।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, बच्चों में बढ़ता जा रहा सिक्स पॉकेट सिंड्रोम व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

आंध्र के वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़ आठ महिलाओं समेत नौ की मौत

भीड़ उमड़ने के कारण सीढ़ियों के पास लगी लोहे की ग्रिल टूटने से हुआ हादसा

- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया दुख, पुलिस बंदोबस्त के लिए नहीं किया गया था आवेदन

काशीबुग्गा (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा में एक मंदिर में भगदड़ मचने से आठ महिलाओं और एक लड़के समेत कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। शनिवार को एकादशी और कार्तिक मास का अवसर होने के कारण मंदिर में भारी भीड़ उमड़ने से यह घटना हुई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इससे पहले श्रीकाकुलम जिला कलेक्टर ने मृतकों की संख्या 10 बताई थी।

श्रीकाकुलम के पुलिस अधीक्षक केवी महेश्वर रेड्डी ने बताया, नौ लोगों की मौत हुई है। एक व्यक्ति की हालत गंभीर है। उसकी मौत नहीं हुई है। 12 साल के एक लड़के की मौत हुई है। बाकी सभी मृतक महिलाएं हैं। यह एक निजी मंदिर है। यह कोई सरकारी मंदिर नहीं है। इसका निर्माण हाल ही में हुआ है। काशीबुग्गा उपमंडल प्रभारी डीएसपी लक्ष्मण राव ने बताया कि भगदड़ पूर्वाह्न करीब 11:30 बजे काशीबुग्गा शहर के वेंकटेश्वर मंदिर में हुई। रेड्डी ने कहा कि हादसा सीढ़ियों के पास लगी लोहे की ग्रिल के गिरने से हुआ, जिसके बाद लोग डर गए और उन्हें लगा कि कुछ गिर रहा है। उन्होंने कहा, घबराहट के कारण वे लगभग छह फुट की ऊंचाई से गिर गए। चूंकि यह छह फुट की ऊंचाई से गिरा था, इसलिए एक व्यक्ति दूसरे पर गिर गया और इसी वजह से यह हादसा हुआ। यह पूरी तरह से एक दुर्घटना है और मालिक की गलती के कारण ऐसा हुआ है। उन्होंने पुलिस बंदोबस्त के लिए आवेदन नहीं किया था, इसके लिए कोई अनुमति भी नहीं ली गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस घटना पर दुख जताया और मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये और घायलों को 2,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। साथ ही घायलों के स्वस्थ होने की कामना की। वहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी घटना पर दुख जताया।

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर मंदिर में मची भगदड़। दाएं : टूटी पड़ी रेलिंग जो हादसे का कारण बनी।

हादसे के जिम्मेदार लोगों पर होगी कार्रवाई : नायडू

घटना पर दुख व्यक्त करते हुए, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा वेंकटेश्वर मंदिर में हुई भगदड़ से मुझे बहुत दुख हुआ है। नायडू ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों और स्थानीय नेताओं को भगदड़ स्थल पर राहत कार्यों की निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। हादसे के जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वी. अनीता ने कहा कि मृतकों में कम से कम सात की उम्र 35-40 वर्ष के बीच है। गृह मंत्री के अनुसार, मंदिर पहली मंजिल पर ऊंचाई पर स्थित है और जब श्रद्धालु चढ़ रहे थे, तो रेलिंग टूट गई, जिससे एक कोने में खड़े लोग गिर गए और कुछ लोग उनके ऊपर गिर पड़े।

दिल्ली में बीएस-4 से निचली श्रेणी के वाहनों की एंट्री बैन

नई दिल्ली, एजेंसी

- बाहरी वाणिज्यिक मालवाहक वाहन को प्रवेश नहीं, 23 टीमें गठित की गईं

राष्ट्रीय राजधानी में बीएस-3 या उससे कम उत्सर्जन मानकों वाले दिल्ली से बाहर पंजीकृत सभी वाणिज्यिक मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध शनिवार को लागू हो गया। परिवहन विभाग ने प्रतिबंध सुनिश्चित करने के लिए यातायात पुलिस के सहयोग से 23 टीम गठित की हैं।

जिन 23 स्थान पर इन टीम को तैनात किया गया है उनमें कुंडली बॉर्डर, रजोकरी बॉर्डर, टिकरी बॉर्डर, आया नगर बॉर्डर, कालिंदी कुंज बॉर्डर, औचंदी बॉर्डर, मंडोली, कापसहेड़ा और बजघेड़ा टोल/द्वारका एक्सप्रेसवे आदि शामिल हैं। अनुमानित 50 से 70 हजार वाहन बीएस-4 से कम उत्सर्जन मानकों वाले हैं। दिल्ली में पंजीकृत वाणिज्यिक मालवाहक वाहनों, बीएस-4 वाहनों, या सीएनजी, एलएनजी एवं बिजली से चलने वाले वाहनों के प्रवेश पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने 17 अक्टूबर को हुई बैठक में शहर में प्रदूषण की समस्या के मद्देनजर दिल्ली में प्रदूषण फैलाने वाले वाणिज्यिक वाहनों के प्रवेश पर एक नवंबर से व्यापक प्रतिबंध लगाने को मंजूरी दे दी थी।

वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में बरकरार

नई दिल्ली। दिल्ली की वायु गुणवत्ता शनिवार को भी 'खराब' श्रेणी में रही और समग्र एक्यूआई थोड़ा बढ़कर 251 हो गया जो एक दिन पहले 218 था। आठ केंद्रों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 'बेहद खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया। समीर ऐप के अनुसार, वजीरपुर में सबसे अधिक 333 एक्यूआई दर्ज किया गया।

ब्रीफ न्यूज

विमान ईंधन महंगा वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर सस्ता

नई दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने शनिवार से विमान ईंधन के दाम बढ़ा दिए हैं जबकि 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत में पांच रुपये की कटौती की गई है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में आज से विमान ईंधन की कीमत 777 रुपये (0.83 प्रतिशत) बढ़कर 94,543.02 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। इससे पहले, अक्टूबर में इसकी कीमत तीन प्रतिशत से ज्यादा बढ़ाकर 93,766.02 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई थी।

नक्सल और माओवादी आतंक को खत्म करने की ओर अग्रसर भारत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्मृति चिह्न देते छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष रमन सिंह।

- प्रधानमंत्री ने कहा- लाल झंडे की जगह शान से आज लहरा रहा तिरंगा
- छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में की शिरकत, 14,260 करोड़ के उद्घाटन शिलान्यास किए

नवा रायपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत नक्सलवादी और माओवादी आतंक को खत्म करने की ओर अग्रसर है और आतंकवाद के विनाश की प्रतिज्ञा करके आतंकियों की कमर तोड़ रहा है। लाल झंडे की जगह शान से आज तिरंगा लहरा रहा है। मोदी ने नवा रायपुर, अटल नगर में छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत आतंकवाद के विनाश की प्रतिज्ञा करके आतंकियों की कमर तोड़ रहा है। भारत आज नक्सलवाद, माओवादी आतंक को भी समाज से खत्म करने की दिशा में बढ़ रहा है। भारत अभूतपूर्व विजय के गर्व से भरा हुआ है और गर्व की यही भावना छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए परिसर में चारों तरफ दिख रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा केवल कानून बनाने का स्थान नहीं बल्कि राज्य के भाग्य निर्धारण का केंद्र है। सभी को सुनिश्चित करना होगा कि यहां से निकलने वाले हर विचार में जनसेवा की भावना हो, विकास का संकल्प हो तथा भारत को नयी ऊंचाइयों तक ले जाने का विश्वास हो। उन्होंने कहा, नई विधानसभा भवन के उद्घाटन का असली महत्व हमारे इस सामूहिक संकल्प में है कि हम अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाएं और लोकतंत्र की भावना को बनाए रखें। उन्होंने 14,260 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया।

नागरिक देवो भव: हमारे सुशासन का मंत्र : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना है, एक ऐसे छत्तीसगढ़ की नींव रखनी है जो विरासत से जुड़कर विकास के पथ पर आगे बढ़ सके। नागरिक देवो भव : हमारे सुशासन का मंत्र है, इसलिए विधानसभा के हर निर्णय में जनता के हित को ध्यान में रखकर काम करना होगा। मोदी ने कहा कि कानून ऐसे बनाए जाएं जो सुधारों को गति दें जिससे लोगों का जीवन आसान हो। प्रधानमंत्री ने इस दौरान आतंकवाद और वामपंथी उग्रवाद से निपटने में भारत की सफलता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, पिछले 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने जो परिवर्तन देखा है वह प्रेरणादायी है। कभी यह राज्य नक्सलवाद और पिछड़ेपन से पहचाना जाता था, आज वही राज्य समृद्धि, सुरक्षा और स्थायित्व का प्रतीक बन गया है। विकास की लहर और मुस्कान नक्सल प्रभावित इलाकों तक पहुंच गई है।

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के चीफ इंजीनियर निलंबित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के चेयरमैन आशीष गोयल ने सख्त कार्रवाई करते हुए मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के मुख्य अभियंता (चीफ इंजीनियर) हरिश्चंद्र वर्मा को निलंबित कर दिया है। वर्मा पर संविदा कर्मियों की नियुक्ति प्रक्रिया में गंभीर अनियमितता, वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना और कार्य निष्पादन में लापरवाही के आरोप हैं।

सूत्रों के मुताबिक, हाल के महीनों में निगम के विभिन्न मंडलों से संविदा कर्मियों की नियुक्ति में मनमानी और पारदर्शिता की कमी की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। जांच के दौरान यह पाया गया कि वर्मा ने न केवल नियुक्ति नियमों का पालन नहीं किया, बल्कि विभागीय आदेशों की अनदेखी भी की। साथ ही, कई मामलों में कार्यदायित्वों के प्रति लापरवाह रवैया अपनाया गया था। इन आरोपों की पुष्टि के बाद चेयरमैन ने शुक्रवार को आदेश जारी करते हुए वर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि के दौरान उन्हें पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम से संबद्ध किया गया है।

हमने कभी नमाज के वक्त हमला नहीं किया

रीवा (मप्र), एजेंसी

- सेना प्रमुख ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर सिद्धांतों और तकनीक की मिली-जुली ताकत से किया गया

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सिद्धांतों और तकनीक की मिली-जुली ताकत से लड़ाई लड़ी और पाकिस्तान में नागरिक या सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं ने यह सुनिश्चित किया कि जब प्रार्थना या नमाज अदा की जा रही हो तो कोई कार्रवाई न की जाए।

हमने उन जगहों पर हमला किया जहां आतंकवादी मौजूद थे। हमने ऑपरेशन सिंदूर में अपना लक्ष्य हासिल किया और पाकिस्तान को यह संदेश दिया कि हम उनके जैसे नहीं हैं। मध्यप्रदेश के रीवा जिले में जनरल द्विवेदी ने पत्रकारों से कहा कि भारत ने पड़ोसी देश में सिर्फ आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया। पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने छह और सात मई की दरम्यानी रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया। इन हमलों के कारण चार दिनों तक जबरदस्त झड़पें हुईं जो 10 मई को सैनिक कार्रवाई रोकने की सहमति के साथ खत्म हुईं। जनरल द्विवेदी ने अपने पुराने स्कूल, रीवा सैनिक स्कूल में एक सभा को भी संबोधित किया।

मार्गदर्शन | मुख्यमंत्री ने बच्चों को दीं पुस्तकें और की भावनात्मक अपील, गोरखपुर विश्वविद्यालय में शुरू हुआ नौ दिनी पुस्तक महोत्सव

युवाओं से योगी बोले- स्मार्टफोन की जगह पढ़ें अच्छी पुस्तकें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं से अपील की कि वे स्मार्टफोन पर समय व्यर्थ न करें और अपने समय का उपयोग पुस्तकों में करें। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन पर निर्भरता युवाओं में अवसाद और विचलन बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री मोदी की पुस्तक 'एग्जाम वारियर्स' छात्रों के लिए उपयोगी मार्गदर्शक है।

वे शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित गोरखपुर पुस्तक महोत्सव 2025 की शुरूआत करने के बाद बोल रहे थे। यह नौ दिनी मेला 1 से 9 नवंबर तक चलेगा। नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) और डीडीयू विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस आयोजन में 200 से अधिक स्टॉलों पर विभिन्न विषयों की पुस्तकें उपलब्ध हैं।

गोरखपुर में पुस्तक मेले की शुरुआत करने के बाद छात्राओं को किताबें भेंट करते सीएम योगी।

हर ग्राम पंचायत में पुस्तकालय स्थापित कर रही सरकार

योगी ने कहा कि पुस्तकें नई प्रेरणा देती हैं, इसलिए हर किसी को उनसे जुड़ना चाहिए। सरकार ग्राम पंचायत में पुस्तकालय स्थापित कर रही है। 57,600 पंचायतों में ग्राम सचिवालयों के साथ पुस्तकालय बने हैं और 1.36 लाख प्राथमिक विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी की व्यवस्था की गई है ताकि बच्चों में पढ़ने की संस्कृति विकसित हो।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों से संवाद किया और उन्हें पुस्तकें भेंट कीं। योगी ने कहा कि अच्छी पुस्तकें व्यक्ति की सच्ची साथी और सही मार्गदर्शक होती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों ने ज्ञान को लिपिबद्ध कर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की परंपरा विकसित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों का उल्लेख करते हुए सीएम ने कहा कि जब नागरिक पढ़ते हैं तभी देश आगे बढ़ता है। उन्होंने गीता प्रेस, फिराक गोरखपुरी, मुंशी प्रेमचंद और श्रीराम दरस मिश्र का स्मरण करते हुए कहा कि गोरखपुर की भूमि साहित्यिक चेतना से संपन्न है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देवोत्थान एकादशी का शुभ दिन है। भगवान विष्णु की कृपा से यह पुस्तक महोत्सव पूरे प्रदेश में ज्ञान और पढ़ने की संस्कृति के विस्तार का प्रतीक बनेगा।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 2 नवंबर 2025

बेमौसम बरसात से प्रभावित किसान, मुआवजे के लिए प्रमोद व मोना ने लिखा सीएम को पत्र

संवाददाता, प्रतापगढ़

अमृत विचार : विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना व राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने चक्रवाती तूफान मोंथा से फसलों को हुए नुकसान पर गहरी चिंता जतायी है। नेता ने शनिवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा।

मांग किया कि चक्रवाती तूफान के कारण प्रतापगढ़ समेत प्रयागराज, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर कौशाम्बी, जौनपुर, मीरजापुर समेत प्रदेश में तेज हवा के साथ कई दिनों से बेमौसम बरसात हुई है। इस बेमौसम बरसात के कारण किसानों की प्रमुख फसल धान लगभग पूरी तरह से बर्बाद हो गयी है। कहा कि आलू, मटर, सरसों आदि के भी उत्पादन में ओलावृष्टि और बारिश विपरीत प्रभाव अत्यन्त चिन्ताजनक है। वहीं इस आपदा से किसान परिवारों के सामने भरण-पोषण व बच्चों की शिक्षा पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में अनुरोध किया है कि फसल नुकसान की गंभीर समस्या को देखते हुए किसानों को प्रति एकड़ के हिसाब से अधिक से अधिक मुआवजा दिया जाय।उक्त जानकारी यहां मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश शुक्ल ने दी है।

आयुष्मान भारत योजना के पोर्टल में फिर साइबर सेंधमारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हेराफेरी कर अधिकारियों के आधार लिंक मोबाइल नंबर हटाए गए
- फर्जी नंबरों पर ओटीपी भेजकर पोर्टलों में अनधिकृत लॉगिन से वित्तीय गड़बड़ी की आशंका

अमृत विचार : राजधानी लखनऊ में आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान के संचालन से जुड़ी स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रेहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज) में एक बार फिर बड़ी साइबर जालसाजी उजागर हुई है। इस बार संबन्धित पोर्टल्स से अधिकारियों के मोबाइल नंबर बदलकर वित्तीय हानि पहुंचाने का खुलासा हुआ है। योजना के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सचिन वैश्य ने इस मामले में थाना हजरतगंज, कोतवाली लखनऊ में प्राथमिकी दर्ज करा दी है।

जानकारी के अनुसार, साइबर अपराधियों ने साचीज से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के आधार लिंक मोबाइल नंबरों को बिना अनुमति राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के पोर्टल पर बदल दिया और नए फर्जी नंबरों पर ओटीपी प्राप्त कर एनएचए के पोर्टलों में अनधिकृत लॉगिन कर कई संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों अंजाम दे डाला। इसकी भनक अधिकारियों को मोबाइल पर अपडेट रिक्वेस्ट मैसेज मिलने पर हुई, हालांकि अब तक वित्तीय नुकसान का आंकड़ा नहीं जुटाया जा सका है।

पूर्व में भी सामने आ चुकी गड़बड़ी : जून माह में तकनीकी गड़बड़ी के चलते 39 अस्पतालों को 9.94 करोड़ रुपये का गलत भुगतान हो गया था। इस राशि की वसूली कर ली गई और सभी संबंधित अस्पतालों को आयुष्मान योजना की सूची से बाहर कर दिया गया।

फर्जी ओटीपी से डेटा व सेवाओं पर खतरा

साचीज की मुख्य कार्यपालक अर्चना वर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि फर्जी मोबाइल नंबरों और आधार प्रमाणीकरण प्रणाली में फर्जी प्रवेश कर यह साइबर फ्रॉड किया गया। संभव है कि अस्पतालों के भुगतान कराने के लिए फर्जीवाड़ा किया गया हो, क्योंकि जांच के बाद अधिकारियों के मोबाइल नंबर पर अप्रूवल आता है। मगर इस फर्जीवाड़े से सरकारी सेवाओं, बैंकिंग लेनदेन और डिजिटल सिस्टम की सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने बताया कि साचीज द्वारा ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए पोर्टलों की सुरक्षा प्रणाली को और मजबूत किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सहयोग से आईपी एड्रेस मैपिंग पूरी कर ली गई है। साथ ही सख्त चेतावनी दी गई है कि यदि कोई व्यक्ति या संस्था फर्जी तरीके से आयुष्मान कार्ड बनाते या उपयोग करते पाए गए, तो उनके खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

दो माह बाद भी अधर में आउटसोर्स सेवा निगम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में दो सितंबर को स्वीकृत हुए उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के गठन की प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो सकी है। दो माह बीतने के बाद भी निगम का पंजीकरण न होने से प्रदेशभर के लाखों आउटसोर्स कर्मचारी मानदेय वृद्धि और अन्य सुविधाओं के लाभ से वंचित हैं। 20 सितंबर को शासनादेश जारी करते समय कहा गया था कि दो माह में निगम का गठन कर भर्तियां शुरू कर दी जाएंगी। प्रस्तावित योजना के तहत निगम को पब्लिक लिमिटेड, गैर-लाभकारी संस्था के रूप में संचालित किया जाएगा। इसमें कार्यरत कर्मचारियों को न्यूनतम 20 हजार रुपये मानदेय देने का प्रावधान किया गया है। विभाग के प्रमुख सचिव मनीष चौहान के अनुसार, रजिस्ट्रेशन से पूर्व की सभी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। पंजीकरण के बाद सबसे पहले महानिदेशक की नियुक्ति की जाएगी, इसके बाद निगम की अन्य व्यवस्थाएं लागू होंगी।

मुख्यमंत्री योगी ने अर्पित की श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोरखपुर में भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश सिंह के आवास पर पहुंचकर उनके दिवंगत पिता अयोध्या सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

लोहिया विधि विवि का दीक्षांत समारोह आज

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ का चतुर्थ दीक्षांत समारोह रविवार प्रातः 10 बजे विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया है। समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सूर्यकांत उपस्थित रहेंगे। साथ ही न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अरुण भंसाली की उपस्थिति रहेगी। समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध उपाधियां प्रदान की गईं।

बिहार में भाजपा की विदाई तय : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को बिहार के दरभंगा जिले के बहादुरपुर विधानसभा क्षेत्र में राजद प्रत्याशी भोला यादव को भारी मतों से विजयी बनाने और तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने की अपील की। कहा कि बिहार का चुनाव परिणाम दिल्ली की सत्ता का भविष्य तय करेगा, और जनता सामाजिक न्याय की ताकतों को फिर सत्ता में लाएगी। सपा प्रमुख ने जनसभा में कहा कि इस बार का चुनाव भाजपा की विदाई का चुनाव है।

भारत बना दुनिया की बड़ी ताकत : मुख्यमंत्री

सैमसंग इनोवेशन कैंपस में योगी आदित्यनाथ ने 1300 विद्यार्थियों को दिए प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

गोरखपुर में आयोजित समारोह में विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र सौंपते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में कंपनी के अधिकारी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कभी पहचान के संकट से जूझ रहा भारत आज दुनिया की बड़ी ताकत के रूप में अपना एहसास करा रहा है। यह परिवर्तन सक्षम और दूरदर्शी नेतृत्व की देन है, जिसने देश की वैश्विक पहचान को बदला है।

वे शनिवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह गोरखपुर में आयोजित सैमसंग इनोवेशन कैंपस प्रमाणपत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय सहित विभिन्न तकनीकी संस्थानों के 1300 विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले का भारत भ्रष्टाचार और अविश्वास की छाया में था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत वैश्विक मंच पर सम्मान और स्थिरता का प्रतीक बन चुका है। पीएम स्टार्टअप, स्टैंडअप इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने देश को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में अग्रसर किया है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व वही समर्थ होता है, जो देश के प्रति दुनिया की धारणा बदलने का सामर्थ्य रखता है।

योगी ने युवाओं से इमर्जिंग टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि ईज ऑफ लिविंग बढ़ाने में तकनीक अहम भूमिका निभा सकती है। योगी ने कहा कि समस्याओं को कोसने से कुछ नहीं होगा, उनके समाधान की दिशा में काम करना ही सफलता का मार्ग है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ट्रैफिक नियमों का पालन न करने की प्रवृत्ति ही जाम जैसी समस्या की जड़ है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यूपी सरकार ने युवाओं के स्वावलंबन के लिए 1000 करोड़ रुपये का स्टार्टअप फंड बनाया है और टाटा टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर 150 आईटीआई संस्थानों को आधुनिक प्रशिक्षण केंद्रों में बदला जा रहा है।

- योगी ने युवाओं से नवाचार तकनीकी और रिसर्च से जुड़ने का किया आह्वान

यूपी बोर्ड परीक्षा का केंद्र निर्धारण 10 से

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अंतिम परीक्षा केंद्र सूची 30 दिसंबर को जारी होगी

अमृत विचार : उप्र. माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं को नकलविहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए परीक्षा केंद्रों का निर्धारण इस बार पूरी तरह ऑनलाइन किया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा शनिवार को केंद्र निर्धारण की नीति और मानक तय कर दिए गए हैं। इस प्रक्रिया को 10 नवंबर से 30 दिसंबर तक पूरा किया जाएगा।

शासनादेश के अनुसार, 10 नवंबर तक विद्यालयों द्वारा भौतिक संसाधनों का विवरण अपलोड करना होगा। तहसील स्तरीय समिति द्वारा भौतिक सत्यापन 17 नवंबर, सत्यापित आख्या अपलोड करने की अंतिम तिथि 24 नवंबर, परिषद द्वारा 27 नवंबर को प्रारंभिक केंद्र सूची जारी करनी होगी। 28 नवंबर को डिबार एवं अनर्ह विद्यालयों की सूची जारी की जाएगी। जारी सूची के बाद 4 दिसंबर तक आपत्तियां-प्रत्यावेदन लिए जाएंगे। आपत्तियों का निस्तारण जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा 11 दिसंबर तक किया जाएगा। इसके बाद अनुमोदित केंद्र सूची 17 दिसंबर को अपलोड होगी। हालांकि इसके बाद भी 22 दिसम्बर तक पुनः आपत्तियां ली जाएंगी, जिनका निस्तारण कर अंतिम परीक्षा केंद्र सूची 30 दिसंबर को जारी होगी।

19 वर्ष से फरार घोटाले का आरोपी वीडीओ गिरफ्तार

बलिया में हुआ था 3.45 करोड़ का खाद्यान्न घोटाला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

राज कुमार दुबे

अमृत विचार : बलिया में 19 वर्ष पूर्व हुए 3.45 करोड़ के खाद्यान्न घोटाले में आरोपी ग्राम पंचायत विकास अधिकारी को ईओडब्ल्यू ने शुक्रवार देर रात को गिरफ्तार कर लिया। वह 19 वर्ष से फरार चल रहा था। बलिया खाद्यान्न घोटाले में कुल 43 मामले दर्ज हैं। आरोपियों ने मजदूरों को खाद्यान्न वितरित न कर कालाबाजारी कर गबन कर लिया गया। इस मामले में 11 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक, पकड़ा गया आरोपी राज कुमार दुबे बलिया के बांसडीह स्थित हुसैनाबाद का रहने वाला है। वह उस वक्त ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पद पर तैनात था। ईओडब्ल्यू वाराणसी यूनिट की टीम ने आरोपी को बरेली स्थित कचहरी ऑफिसर्स कालोनी से गिरफ्तार किया है। बलिया खाद्यान्न घोटाले में कुल 43 मामले अलग-अलग थानों में दर्ज हुए थे।

60.7 प्रतिशत ने छोड़ी कंप्यूटर ऑपरेटर परीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र पुलिस में कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए के 1129 पदों पर भर्ती के लिए ऑफलाइन लिखित परीक्षा (ओएमआर आधारित) में शनिवार को 39.3 प्रतिशत अभ्यर्थी ही परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे। जबकि 60.7 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। कंप्यूटर ऑपरेटर भर्ती के लिए आवेदन दिसंबर 2023 में किए गए थे। इसके बाद फरवरी 2024 में 60,244 पदों पर सिपाही भर्ती की परीक्षा का पेपर लीक हो गया था और सिपाही भर्ती की परीक्षा अगस्त 2024 में दोबारा सकुशल संपन्न कराई गई थी। सिपाही भर्ती परीक्षा के चलते कंप्यूटर आपरेटर की परीक्षा दो वर्ष विलंब से हुई।

बुखार से मासूम भाई-बहन की मौत

संवाददाता, कुंडा, प्रतापगढ़

- हादसे के बाद गांव पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम
- दवाओं का छिड़काव कर किया लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण

अमृत विचार : बाघराय थाना क्षेत्र में बुखार ने एक ही परिवार के दो मासूम बच्चों की जान ले ली। परिवार पर दुःखों का बज्रपात हो गया। इस दर्दनाक हादसे से गांव में मातम छा गया। चिकित्सकों की टीम गांव में पहुंच कर जांच पड़ताल कर रही है।

बाघराय थाना क्षेत्र के लच्छीपुर देवरपट्टी गांव में वीरेंद्र सरोज ईंट भट्ठे पर मजदूरी करते हैं। उनकी चार वर्षीय पुत्री तन्वी सरोज एवं दो वर्षीय पुत्र अतीक सरोज कुछ दिनों से तेज बुखार से पीड़ित थे। परिजनों ने स्थानीय स्तर पर दवा कराई लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। परिजन तन्वी को कुंडा स्थित एक अस्पताल लेकर आये। यहां उपचार के दौरान गुरुवार की शाम उसकी मौत हो गई। इसी बीच छोटे बेटे अतीक की हालत बिगड़ने लगी। परिजन उसे प्रयागराज के स्थित एक अस्पताल ले गए। चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद शुक्रवार की शाम उसकी भी सांसे थम गईं। दो दिनों में दो मासूम बच्चों की मौत से परिवार पर दुःखों का बज्रपात हो गया। दो बच्चों की मौत से मां कल्पना सरोज रोते-रोते बदहवास हो गई। पिता वीरेंद्र समेत परिजन रोते बिलखते रहे। गांव में हर ओर मातमी सन्नाटा है। हर कोई परिजनों को ढांढस बंधाता रहा। परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम के दोनों शवों का अंतिम संस्कार कर दिया है। इस सम्बन्ध में बाघराय सीएचसी अधीक्षक डा. दिनेश सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी है। चिकित्सकों की टीम गांव में है। उधर स्वास्थ्य कर्मियों ने गांव में दवाओं का छिड़काव करवाया। चिकित्सकों की टीम ने लोगों का ब्लड सैम्पल लेकर स्वास्थ्य परीक्षण किया।

> लच्छीपुर देवरपट्टी में हुई घटना से स्तब्ध हूँ। घटना अत्यंत ही दुःखद है। पीड़ित परिवार के साथ हमारी संवेदनाएं हैं, उनकी हरसंभव मदद की जाएगी। प्रभु परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। –रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया, कुंडा विधायक/ अध्यक्ष जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक)

> हृदय विदारक घटना ने पूरा जनसत्ता दल परिवार दुःखी है। ईश्वर परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें। –विनोद सरोज, विधायक बाबागंज/ प्रदेश अध्यक्ष जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक)

ओबीसी वर्ग को संगठित करें : मायावती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बसपा प्रमुख ने भाईचारा बैठक में पिछड़ा वर्ग पदाधिकारियों से मांगा आर्थिक व राजनीतिक सहयोग

अमृत विचार : सपा के 'पीडीए' को टारगेट करते हुए बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि ओबीसी समाज जितनी जल्दी बसपा के बैनर तले संगठित होगा, उतनी जल्दी उसके अच्छे दिन आएंगे। साथ ही कहा कि अपर कास्ट समाज राजनीतिक रूप से पहले से ही मजबूत और जागरूक है, इसलिए वह अपना हित देखकर खुद ही बसपा से जुड़ जाएगा।

बसपा प्रमुख शनिवार को मॉल एवन्यू स्थित पार्टी कार्यालय में पिछड़ा वर्ग समाज भाईचारा संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रही थी। साल 2007 की तरह सोशल इंजीनियरिंग फार्मूले पर उन्होंने संगठन की प्रगति की समीक्षा की और कहा कि ओबीसी समाज कई जातियों में बंटा हुआ है। इनमें से कुछ जातियों द्वारा अलग-अलग संगठन या दल बनाने से इनकी एकता प्रभावित होती है, जिसका लाभ जातिवादी पार्टियां हर चुनाव में उठाती हैं।

कांशीराम का असली बामसेफ पंजीकृत नहीं

बैठक में बामसेफ संगठन को लेकर फैलाई जा रही भ्रांतियों पर भी मायावती ने स्थिति स्पष्ट की, कहा कि बामसेफ कोई राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि शिक्षित कर्मचारियों का एक सामाजिक संगठन है, जिसका उद्देश्य बहुजन समाज में जागरूकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि कांशीराम द्वारा स्थापित मूल बामसेफ पंजीकृत नहीं है और वही असली संगठन है। बाकी बने हुए पंजीकृत बामसेफ "स्वार्थी और अवसरवादी लोगों" के संगठन हैं, जिनसे कांशीराम ने हमेशा सतर्क रहने की सलाह दी थी।

सम्पूर्ण समाधान दिवस 188 शिकायतों में महज 12 का निस्तारण

संवाददाता, रानीगंज, प्रतापगढ़

अमृत विचार : रानीगंज तहसील में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम शिव सहाय अवस्थी और एसपी दीपक भूकर ने जनता की शिकायतों को सुना। कुल 188 शिकायतें आई,जिसमें 12 का निस्तारण हुआ।

डीएम और एसपी 12 बजे के बाद आए और 1.37 बजे चले गए। डीएम और एसपी से शिकायत करने के लिए फरियादियों की लंबी कतार रही। सबसे जायदा राजस्व की 96 , पुलिस की 39, विकास 14, अन्य 39 शिकायतें रही। डीएम ने सभी विभागों को गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण करने का निर्देश दिया।

सम्मान से नवाजे गए भारत को जानो प्रतियोगिता प्रश्न मंच के प्रतिभागी

संवाददाता, प्रतापगढ़

छात्रा को सम्मानित करते भारत विकास परिषद विशाल शाखा के पदाधिकारी।

अमृत विचार : भारत विकास परिषद् विशाल शाखा द्वारा गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम शनिवार को आत्रेय एकेडमी फुलवारी में आयोजित किया गया। इसमें भारत को जानो प्रतियोगिता का प्रश्न मंच में हिस्सा लेने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत गीत एवं दीप प्रज्ज्वलित से हुई। बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों के साथ ही, शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रधानाचार्य अनिंद्य शंकर और प्रबंधक संदीप श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का सम्मान किया। कार्यक्रम में भारत को जानो गतिविधि में छात्रों ने भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल और स्वतंत्रता सेनानियों से संबंधित प्रश्नोत्तरी एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस मौके पर प्रांतीय उपाध्यक्ष गोविंद प्रसाद खंडेलवाल, प्रांतीय संयोजक उदय भानु सिंह, शाखा अध्यक्ष अश्विनी केशरवानी, सचिव शरद केसरवानी, डा. पीयूष कांत शर्मा, उमेश प्रताप सिंह, श्रीनारायण शुक्ला, अभय कुमार खंडेलवाल, डा. क्षितिज खरे आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ किया गया।

प्रतिक्रिया — यूनेस्को की सूची में शामिल होकर नवाबों की तहजीब, अदब और स्वाद का संगम अब विश्व मंच पर जगमगा रहा

लखनऊ की पहचान अब वैश्विक स्तर पर होगी और मजबूत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : नवाबों की तहज़ीब, अदब और स्वाद का संगम अब विश्व मंच पर जगमगा रहा है। यूनेस्को ने लखनऊ को "क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोमी" की सूची में शामिल कर भारत को गौरवान्वित किया है। यह सम्मान लखनऊ की समृद्ध अवधी पाककला, उसके स्वाद, परंपरा और विविधता को मिला है। शहर अब वैश्विक नक्शे पर अपनी तहजीब के साथ अपनी थाली के स्वाद से भी पहचाना जाएगा।

लखनऊ की पहचान हमेशा से शहर-ए-अदब और शहर-ए-तहज़ीब के रूप में रही है, मगर यहां का खाना इस तहज़ीब का सबसे स्वादिष्ट अध्याय है। टुंडे कबाब, गलौटी, सीक और बोटी कबाब, दुम पुख्त बिरयानी, टोकरी चाट, मक्खन मलाई, खस्ता कचौरी- इन व्यंजनों में सदियों का इतिहास, नवाबी रसोई की नज़ाकत और आम जनता की जुबान का स्वाद समाया है। यूनेस्को की विशेषज्ञ समिति ने लखनऊ की पाक विरासत, उसके कारीगर खानसामाओं, स्थानीय व्यंजन परंपराओं और खाद्य स्थिरता को उच्च मूल्यांकन में स्थान दिया।

प्रमुख सचिव, पर्यटन अमृत अभिजात ने इस उपलब्धि पर कहा कि यूनेस्को की इस मान्यता से लखनऊ के छोटे खाद्य उद्यमों और फूड टूरिज्म को बड़ा लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि लखनऊ की यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश के गौरव को बढ़ाने वाली है।

लखनऊ अपनी जीवंत संस्कृति और शानदार खानपान के लिए प्रसिद्ध है। खुशी है कि यूनेस्को ने इसकी इस विशेषता को मान्यता दी है। दुनिया के लोग लखनऊ आइए और इसकी अनोखी परंपरा को देखें।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

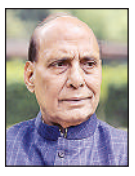

लखनऊ को यूनेस्को की क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी के रूप में चुना जाना इसकी सदीयों पुरानी पाक परंपरा, तहज़ीब और स्वाद की वैश्विक पहचान है। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत को और समृद्ध करेगा।

–राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

यूनेस्को की यह मान्यता लखनऊ की समृद्ध पाक-धरोहर और भारत की खाद्य परंपरा के योगदान की पुष्टि है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की संस्कृति को वैश्विक सम्मान मिल रहा है।

–गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय संस्कृति मंत्री

मुबारकबाद का सिलसिला बढ़ाइए, थोड़ा और मुस्कुराइए... क्योंकि अब विश्व के खानपान के मानचित्र पर अपने लखनऊ का नाम दर्ज हो गया है। हर लखनवी का मान बढ़ा है।

–अखिलेश यादव, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में यह गौरव संभव हुआ है। लखनऊ की पहचान अब वैश्विक स्तर पर और मजबूत होगी, जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

–जयवीर सिंह, पर्यटन मंत्री, उत्तर प्रदेश

बाहर की दवा लिखी तो होगी सख्त कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्वास्थ्य महानिदेशक ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों व प्रभारी चिकित्सकों को दिए निर्देश

अमृत विचार : प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में मरीजों से मिलने वाली शिकायतों और शासकीय अधिकारियों को निरीक्षण के दौरान मिलने वाली खामियों को लेकर स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.रतन पाल सिंह सुमन ने नाराजगी व्यक्त की है। चेतावनी देते हुए उन्होंने अस्पतालों में बेहतर इलाज और समुचित सुविधाएं मुहैया कराने के लिए सभी मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों और स्वास्थ्य इकाइयों के प्रभारी चिकित्सकों को सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

स्वास्थ्य महानिदेशक ने शनिवार को जारी निर्देश में कहा है कि शासन द्वारा पूर्व में भी कई बार निर्देश दिए जा चुके हैं कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और अन्य सरकारी चिकित्सा इकाइयों में आने वाले रोगियों को अस्पताल में उपलब्ध दवाओं से ही उपचार दिया जाए। बावजूद इसके, कुछ स्थानों पर इन निर्देशों का पालन नहीं हो रहा है। उन्होंने सभी प्रभारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी चिकित्सक द्वारा मरीज को बाहर की दवा न लिखी जाए।

न्यूज ब्रीफ

किसान कांग्रेस ने सौंपा मांगों का ज्ञापन

बाराबंकी, अमृत विचार : किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह मोनू ने जिलाधिकारी को ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया कि बेमौसम बरसात से जिले के किसानों की धान और आलू की फसल पूरी तरह से नष्ट हो गई है। ज्ञापन में किसानों को मुआवजा, कर्जमाफी और सभी क्रय केंद्रों पर तौलाई शुरू करने की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने के समय जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन, नगर अध्यक्ष राजेन्द्र वर्मा, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सरजू शर्मा आदि थे।

युवती को भगा ले गया भाई को दी धमकी

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : क्षेत्र के एक गांव में एक युवक युवती को भगा ले गया। युवती के भाई ने पुलिस को बताया कि उसकी 23 बहन को अरुण 20 अक्टूबर को भगा ले गया। बहन के मोबाइल नम्बर पर कॉल करने पर युवक ने धमकी देते हुए कहा कि बहन को भूल जाओ, नहीं तो अंजाम ठीक नहीं होगा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कोतवाल अंकित त्रिपाठी ने बताया कि युवती की तलाश और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई है।

दो दिवसीय फॉरेन्सिक कार्यशाला होगी आयोजित

बाराबंकी, अमृत विचार : टीआरसी लॉ कॉलेज के तत्वावधान में लेटेन्ट फॉरेन्सिक्स (झारखंड) के सहयोग से 3 व 4 नवम्बर को 'फॉरेन्सिक विज्ञान का परिचय, रिपोर्ट विश्लेषण और विशेषज्ञ राय विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जाएगी। प्रबंधक डॉ. सुजीत चतुर्वेदी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य विधि एवं न्याय क्षेत्र में फॉरेन्सिक विज्ञान की मूलभूत जानकारी प्रदान करना है। कार्यक्रम कॉलेज परिसर में प्रातः 10 बजे से आरंभ होगा।

छात्राओं ने पुनर्वास विवि का किया भ्रमण

बाराबंकी, अमृत विचार : पीएमश्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की 1598 छात्राओं ने 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को डॉक्टर शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ का शैक्षिक भ्रमण किया। यह कार्यक्रम प्रधानाचार्या नंदिता सिंह के नेतृत्व में आयोजित किया गया। यह भ्रमण छात्राओं को उनके भविष्य के लिए तैयार करने और इंटर के बाद विश्वविद्यालय स्तर पर अपनी रुचि के अनुसार पाठ्यक्रम चुनने में मदद करने के लिए भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षिकाओं मनोरमा चौरसिया, सपना चावला, मंजू श्रीवास्तव, पुनीता सिंह, अनीता, संध्या सिंह, संध्या मिश्रा, वंदना, वर्षा, मंजूलता, जया सिंह, शिरीन सबा, दुर्गावती सहित अन्य शिक्षिकाओं ने सक्रिय रूप से सहयोग प्रदान किया।

अवैध दुकानों पर चला बुलडोजर

महादेवा के तालाब की जमीन पर किया गया था निर्माण, मचा हड़कंप

संवाददाता, रामनगर, बाराबंकी

अमृत विचार : लोधेश्वर महादेवा के शिवाचंन तालाब की जमीन पर अवैध तरीके से बनाई गई दुकानों और भवनों को शनिवार को प्रशासन ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई न्यायालय द्वारा मुकदमा खारिज किए जाने के बाद धारा 133 के तहत की गई। लोधेश्वर महादेवा के तालाब पर रियाज, इसरार अहमद, दीन मोहम्मद सहित 13 लोगों ने अवैध कब्जा कर दुकानों और भवनों का निर्माण कर लिया था। तत्कालीन उप जिलाधिकारी पवन कुमार ने वाद संख्या 385/2023 के तहत अतिक्रमण हटाने का आदेश पारित किया था। आदेश में यह भी कहा गया था कि अतिक्रमण हटाने में होने वाला खर्च भी कब्जेदारों से वसूल किया जाएगा। कब्जेदारों ने इस आदेश के खिलाफ सिविल कोर्ट में अपील की थी, जिसे शुक्रवार को खारिज कर दिया गया। इसके बाद शनिवार को ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गुंजिता अग्रवाल, सीओ गरिमा पंत और तहसीलदार विपुल कुमार सिंह ने पांच जेसीबी मशीनों और भारी पुलिस बल की मदद से कार्रवाई शुरू की। सुरक्षा के लिए आसपास के एसडीएम फतेहपुर कार्तिकेय सिंह, सीओ फतेहपुर जगत कनौजिया सहित पांच थानों की पुलिस और पीएसी बल तैनात किया गया। इस दौरान पीडब्ल्यूडी के अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रशासन के अचानक मौके पर पहुंचने से दुकानदारों में अफरा-तफरी मच गई। वे अपने सामान निकालने में जुट गए, जबकि प्रशासन दुकान खाली कराने तक मौके पर मौजूद रहा। दुकानदारों का कहना है कि प्रशासन ने बिना पूर्व सूचना और पर्याप्त समय दिए यह कार्रवाई की। उप जिलाधिकारी गुंजिता अग्रवाल ने बताया कि यह कार्रवाई धारा 133 के तहत की जा गयी।

अवैध दुकानों को ध्वस्त करता बुलडोजर। ● अमृत विचार

दो घरों से लाखों के जेवर-नकदी चोरी

बाराबंकी, अमृत विचार : अलग अलग स्थानों पर हुई चोरी की घटनाओं में दो घरों से लाखों की कीमत के जेवरात व नकदी लेकर चोर चंपत हो गए। त्रिवेदीगंज प्रतिनिधि के अनुसार, लोनीकटरा क्षेत्र के सरैयां निवासी ब्रजेश कुमार सिंह ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार को रात्रि लगभग दो बजे चोर दीवार में नकब लगा कमरे में घुसे और आलमारी का ताला तोड़कर अंदर रखे लाखों के गहने व चार हजार रुपए लेकर चंपत हो गए। थानाध्यक्ष अभय कुमार मौर्य ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है। जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के ग्राम फैजुल्लागंज में बीती रात अज्ञात चोरों ने बंद घर का ताला तोड़कर लाखों के जेवरात चोरी कर लिए। पीड़िता ताहिरा बानो ने थाने में तहरीर दी है।

हादसों में तीन की मौत एक की हालत गंभीर

बाराबंकी, अमृत विचार : शुक्रवार देर शाम से शनिवार तक अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

फतेहपुर क्षेत्र में शनिवार को मदनपुर के पास कार ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में अटरिया, सीतापुर के अहेवा गांव निवासी सचिन (28) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सौरभ (17) गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों ने भाग रही कार को पकड़ लिया और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर पहुंचाया। दूसरी घटना शुक्रवार देर शाम कोठी थाना क्षेत्र के भानमऊ चौराहा के पास हुई, जहाँ मैकूपुरवा मजरे इब्राहिमाबाद निवासी सत्यनाम (50) सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर दशा में जिला अस्पताल लाया गया, जहां देर रात मौत हो गई। तीसरा हादसा सूरतगंज-महादेवा मार्ग पर कुरेलवा के पास हुआ।

मोहम्मदपुर खाला क्षेत्र के नारेपार मजरे छंगेपुर निवासी नेमकुमार (33) बोरिंग का काम कर लौट रहे थे। तभी कार ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। नेमकुमार की मौके पर ही मौत हो गई। उसे सीएचसी सूरतगंज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित किया। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बहाने से घर ले जाकर किशोरी से दुष्कर्म, अब शादी का दबाव

फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र में एक पखवारा पहले किशोरी को बहाने से युवक अपने घर ले गया और उसके साथ मुंह काला किया। घटना उजागर होने पर अब आरोपी परिवार पर किशोरी से शादी का दबाव बना रहा है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

एक गांव की रहने वाली महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीती 16 अक्टूबर की रात करीब 10 बजे माता प्रसाद उर्फ राजा उसकी 14 वर्षीया बेटी को बहाने से अपने साथ ले गया। देर रात तक जब किशोरी घर नहीं लौटी तो परिजन उसकी तलाश करते हुए आरोपी के घर पहुंच गए। वहां आरोपी पक्ष ने बालिका के घर में होने की जानकारी देते हुए उसे बुलाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। घर पहुंचने पर परिजनों को पीड़िता की हालत बिगड़ी मिली। किशोरी ने आरोपी राजा पर दुराचार करने का आरोप लगाया। जब परिवार ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने नाबालिग से शादी कराने का दबाव बनाया और धमकी दी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी माता प्रसाद उर्फ राजा पुत्र सियाराम व उसके अज्ञात परिजनों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है।

संदिग्ध दशा में दो किशोरियां लापता

बाराबंकी,, अमृत विचार : दो थाना क्षेत्रों में दो किशोरियां लापता हो गयीं। परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज कराई है। पहला मामला कोठी क्षेत्र का है, जहां 17 वर्षीया किशोरी 30 अक्टूबर की मध्यरात्रि घर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गयी। मां ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि बेटी जिस मोबाइल नंबर से बात करती थी, वह अमन यादव का है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। दूसरा मामला मसौली थाना क्षेत्र का है, जहां एक 15 वर्षीया किशोरी 30 अक्टूबर को तड़के तीन बजे घर से लापता हो गई। परिजनों ने तहरीर देकर मोहल्ले के युवक शाहे आलम पर लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया है।

गाजे-बाजे के साथ निकाली गई निशान यात्रा

बाराबंकी: अमृत विचार : मंजीठा स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में गर्भगृह नींव पूजन एवं श्री श्याम महोत्सव को लेकर शनिवार को फतहाबाद स्थित हनुमान मंदिर से दोपहर निशान यात्रा निकाली गई। निशान यात्रा शाम को मंजीठा स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर पहुंची। जहां भंडारे का आयोजन किया गया। शाम को भक्ति संगीत कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम आयोजक मनोज जायसवाल ने बताया कि रविवार को देवोत्थानी एकादशी वृहद स्तर पर मनाई जाएगी। कार्यक्रम 14 नवंबर तक संचालित होंगे। निशान यात्रा में रॉयल रिलाइट ग्रुप के एमडी विपुल सिंह, मनोज जायसवाल, सोनिया शर्मा, प्रदीप जायसवाल, राजेश अरोड़ा बब्बू, सुनील जायसवाल, राजेश वासू, अरुण गुप्ता, सुशील गुप्ता, विजय जायसवाल शामिल रहे।

निशान यात्रा में शामिल श्रद्धालु। ● अमृत विचार

शोभायात्रा में शामिल भक्त। ● अमृत विचार

धूमधाम से मनाया गया खाटू श्याम बाबा का जन्मोत्सव : फतेहपुर। एकादशी के मौके पर खाटू श्याम बाबा का जन्मोत्सव मनाया गया। श्रद्धालु खाटू श्याम मंदिरों की ओर बढ़ते नजर आए। सधईपुरवा स्थित खाटू श्याम मंदिर में शोभायात्रा निकालने से पहले शक्तिधाम महादेव तालाब पर पूजन किया गया। शोभायात्रा खाटू श्याम मंदिर में समाप्त हुई। इस अवसर पर संजय वर्मा, मुकेश अग्रवाल, रवि दीक्षित, रवि रस्तोगी और रामलखन यादव समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पंचकोसी परिक्रमा में शमिल हुए श्रद्धालु

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : देवोत्थानी एकादशी पर श्रीकोटवाधाम में बड़े बाबा जगजीवन दास साहब के मंदिर से शुरू हुई पंचकोसी यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। शुरुआत पश्चिमी फाटक से हुई और पीताम्बर दास कुटी, मदारपुर स्थित मोतीदास के मंदिर, कटेहरा देवी मंदिर और समर्थ साहेब जगजीवन दास के जन्मस्थल सरदहा गांव होते हुए साहेब शोभादास के समाधि स्थल और तराई क्षेत्र के साधना स्थल पुरवा से होकर वापस बड़े बाबा के मंदिर में समाप्त हुई। इस आयोजन में महंत कमलेश दास, महंत शेषनारायण तिवारी, हर्षित तिवारी, नागेंद्र वर्मा, रवि वर्मा, पूर्णमासी वर्मा और सत्यनाम दास सहित हजारों श्रद्धालु शामिल हुए।

छात्रा को पुरस्कृत करते थाना प्रभारी व प्रधानाध्यापिका। ● अमृत विचार

नए आपराधिक कानूनों पर कार्यशाला आयोजित

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : राजकीय विद्यालय मित्तई में शनिवार को नए आपराधिक कानूनों की जानकारी हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में थाना देवा प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार त्रिपाठी मुख्य अतिथि रहे, जबकि प्रधानाध्यापिका दीपमाला वर्मा ने अध्यक्षता की। प्रभारी निरीक्षक ने विद्यार्थियों को 1 जुलाई 2024 से लागू हुए तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जानकारी दी। कार्यक्रम में निबंध, चित्रकला, वाद-विवाद, नुक्कड़ नाटक और क्विज प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विजयी विद्यार्थियों को अजय कुमार त्रिपाठी व दीपमाला वर्मा ने पुरस्कृत किया।

कृष्ण जन्मोत्सव की सुनायी कथा

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : काशीपुर में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन अयोध्या से पधारे व्यास सत्यम महाराज ने भक्त प्रह्लाद की भक्ति, भगवान श्रीराम और श्री कृष्ण के जन्मोत्सव तथा रावण वध की कथा सुनाकर उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया।

महाराज ने कहा कि धर्म की रक्षा के लिए ईश्वर हर युग में अवतार लेते हैं और भक्त प्रह्लाद व भगवान श्रीराम के आदर्श से समाज सदैव प्रेरणा ले सकता है। कथा स्थल जय श्रीराम और हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा। बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे और वृद्धजन कथा सुनने के लिए मौजूद थे।

आग का गोला बनी कार, बाल-बाल बचे सवार

रामनगर बाराबंकी। गोंडा-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित बिन्दौरा डबल नहर के पुल पर बहराइच से वापस लौट रहे प्रदेश बार कौंसिल सदस्य पद के उम्मीदवार की कार में शार्ट सर्किट से आग लग गयी। गनीमत रही आग के आभास होने से सभी लोग कार से उतर गये थे।

उत्तर प्रदेश बार कौंसिल के सदस्य पद के उम्मीदवार लखनऊ निवासी वाहिद उज्जमा शफ़वी शनिवार को बहराइच से प्रचार कर साथी अजहर, फरदीन, अफरीदी के साथ कार से लौट रहे थे। डबल नहर पुल के निकट कार से धुआं निकलने का आभास होते ही कार सवार सभी लोग बाहर निकले ही थे कि अचानक देखते ही देखते कार आग का गोला बन गयी जिससे हाईवे पर अफरातफरी मच गयी और वाहनो के पहिये थम गये। मसौली पुलिस व अग्निशमन दल से आग को बुझाया गया लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल गयी थी।

शिक्षकों का प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

बाराबंकी, अमृत विचार : अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ, के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुशील पाण्डेय के आह्वान पर शुक्रवार को शिक्षकों ने गन्ना दफ्तर परिसर में धरना-प्रदर्शन किया।

प्राथमिक शिक्षक संघ के तत्वावधान में आयोजित इस आंदोलन का नेतृत्व जिलाध्यक्ष डॉ. राकेश सिंह ने किया। शिक्षकों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री व बेसिक शिक्षा मंत्री को सौंपा। डॉ. राकेश सिंह ने कहा कि विभागीय अधिकारी शिक्षकों पर छात्र-छात्राओं की ऑनलाइन हाजिरी अनिवार्य करने का अनुचित दबाव बना रहे हैं, जो अव्यावहारिक है। प्रदर्शन में जिला मंत्री उमानाथ मिश्र, जिला कोषाध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र द्विवेदी, महिला उपाध्यक्ष किरण विश्वकर्मा, जिला संयुक्त मंत्री सुनील त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष डॉ. आलोक शुक्ल, अनवार अहमद, श्याम किशोर बाजपेई, विवेक गुप्ता, चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव, ललित वर्मा, जिला संगठन मंत्री मो. आसिम, विश्वजीत सिंह, रवि भदौरिया, जिला मीडिया प्रभारी जय कुमार सहित सभी ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद प्रताप सिंह आदि थे।

नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते शिक्षक। ● अमृत विचार

जंगल में एआई से बना शेर का फोटो वायरल, छात्र हिरासत में

देवा, बाराबंकी: अमृत विचार : शाहपुर के जंगल में शेर दिखने का एआई जनरेटेड फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने से हड़कंप मच गया। फोटो में अफ्रीकी नस्ल का शेर घूमता हुआ नजर आ रहा था। सूचना पर वन विभाग की टीम हरकत में आ गई।

क्षेत्र में बब्बर शेर की मौजूदगी का फोटो वायरल होने की सूचना पर वन क्षेत्राधिकारी मयंक सिंह के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची और जंगल में सघन जांच की। जांच के दौरान किसी बड़े वन्यजीव के होने के प्रमाण नहीं मिले। सिर्फ डॉग फैमिली के कुछ निशान मिले। इसके बाद टीम ने फोटो की जांच की तो वह फर्जी निकला। इसी बीच जांच के दौरान पता चला कि गांव के ही अरुण कुमार पुत्र राम कैलाश, जो एक विश्वविद्यालय में स्नातक का छात्र है, ने एआई तकनीक से यह फोटो तैयार कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पूछताछ में छात्र ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। वन क्षेत्राधिकारी ने बताया कि छात्र को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले में पुलिस को तहरीर दी जाएगी ताकि इस तरह की अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं को फैलाने पर सख्त कार्रवाई हो सके।

सिटी डायरी

कथा सुनाते चंदन रामायणी महाराज।

वामन, राम और कृष्ण अवतार की झांकी देख भावविभोर हुए श्रद्धालु

बाराबंकी : अमृत विचार : नगर के मोहल्ला सत्य प्रेमी नगर स्थित श्री भूइहारे बाबा मंदिर परिसर में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा एवं ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन भक्तिमय माहौल में जारी है। कथा के चौथे दिन शनिवार को दिव्य कला कुंज, अयोध्या से पधारे कथावाचक चंदन रामायणी महाराज ने संगीतमय कथा के माध्यम से देवासुर संग्राम, वामन अवतार, श्रीराम अवतार एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की मनोहर झांकी प्रस्तुत की। उनकी मधुर वाणी और भावपूर्ण वर्णन से सैकड़ों श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। शनिवार को कथा उपरांत मंदिर परिसर में छप्पन भोग प्रसाद का आयोजन हुआ, जिसमें 101 भक्तों ने प्रसाद अर्पित कर छप्पन भोग का हिस्सा बनने का सौभाग्य प्राप्त किया।

बैठक को संबोधित करते जिला अध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद।

संगठन की मजबूती को सक्रिय हों सभी पदाधिकारी: हाफिज अयाज

बाराबंकी, अमृत विचार : सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के दिशा-निर्देश पर आयोजित मासिक बैठक में जिला अध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए सभी पदाधिकारियों, सेक्टर प्रभारियों, विधानसभा अध्यक्षों और फ्रंटल संगठनों के अध्यक्षों की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आगामी स्नातक चुनाव की तैयारियों के तहत मतदाता फॉर्म भरने, बूथ कमेटियों के गठन तथा पीडीए जन पंचायतों के आयोजन जैसे कार्य समय सीमा में पूरे किए जाएं। बैठक का संचालन जिला महासचिव हिमांशु यादव ने किया। इस अवसर पर प्रदेश सचिव, जिला उपाध्यक्ष आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान मौजूद मुख्य अतिथि।

पटेल ने समाज के सभी वर्गों को एक सूत्र में पिरोया : वर्मा

बाराबंकी, अमृत विचार : राष्ट्रीय एकता दिवस और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर श्री साईं इंटर कॉलेज जैदपुर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पद्मश्री रामसरन वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने भारत की एकता और अखंडता के लिए कई छोटी-बड़ी रियासतों का विलय कर समाज के सभी वर्गों को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया। प्रधानाचार्य रोहित कुमार वर्मा, प्रबंधक डीके वर्मा और कमलेश तिवारी ने पद्मश्री रामसरन वर्मा को सम्मानित किया।

निर्देश डीएम की अध्यक्षता में तहसील हैदरगढ़ में हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

शिकायत निस्तारण के बाद लें फीडबैक

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : तहसील हैदरगढ़ में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की संवेदनशीलता और तत्परता से चार पात्र परिवारों को लंबित अन्त्योदय कार्ड की प्रतियां मौके पर प्रदान की गईं।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे मामले जिनमें आवेदक को त्वरित लाभ दिया जा सकता है, उन्हें प्राथमिकता से निस्तारित किया जाए। इसके अलावा उन्होंने हर निस्तारित शिकायत के बाद फोन पर फीडबैक लेकर समाधान की संतुष्टि सुनिश्चित करने को कहा। तहसील दिवस में एसपी अर्पित विजयवर्गीय, जॉइंट मजिस्ट्रेट तेजस के., सहित जिला एवं तहसील अधिकारी मौजूद रहे। संपूर्ण समाधान दिवस में जनपद की सभी तहसीलों में कुल 506 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 157 प्रार्थनाओं में से 21 का हैदरगढ़ तहसील में, फतेहपुर में 48 में से 7, राम सनेहीघाट में 63 में से 5, रामनगर में 91 में से 6 और नवाबगंज में 128 में से 22 का मौके पर निस्तारण कराया गया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में मौजूद डीएम व एसपी। ● अमृत विचार

समस्याओं का किया समाधान : तहसील हैदरगढ़ में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने समस्याओं के तत्काल समाधान के निर्देश दिए। डीएम से भाजपा नेता पंकज दीक्षित ने बछरावां मार्ग पर तालाब की पटाई की शिकायत की, जिस पर कार्य रोकने और संबंधितों के खिलाफ नोटिस जारी करने का आदेश दिया गया। रायबरेली मार्ग पर जलनिकासी प्रभावित पुलिया, लखनऊ-सुल्तानपुर हाइवे पर खड़े भारी वाहन, नगर पंचायत के अलाव बिल और जर्जर इंटरलॉकिंग सड़क, भूमि विवाद सहित अन्य शिकायतों पर भी डीएम ने तुरंत जांच और समाधान के निर्देश दिए।

चोरी के दोषी को चार वर्ष की कैद

बाराबंकी: अमृत विचार : मोबाइल व बाइक चोरी के प्रकरण में न्यायालय ने अभियुक्त को 4 वर्ष कठोर कारावास व 15 सौ रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। थाना कोतवाली नगर पर चोरी के अपराध की घटना के सम्बन्ध में पंजीकृत मामले से सम्बन्धित रामू गौतम को विभिन्न धाराओं में न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-4 द्वारा अभियुक्त को 4 वर्ष का कठोर कारावास व अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। वादी उपनिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार आजाद थाना कोतवाली नगर ने अभियुक्त के विरुद्ध चोरी का माल बरामद होने के सम्बन्ध में तहरीर दी, तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था।

जागरुकता रैली संग यातायात माह शुरू

बाराबंकी, अमृत विचार : शनिवार से यातायात माह की शुरुआत हो गई। एएसपी उत्तरी ने पुलिस लाइन में यातायात जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखायी। एएसपी विकास चन्द्र त्रिपाठी रिजर्व पुलिस लाइन्स में जागरुकता रैली को हरी झण्डी दिखाई। सुरक्षा के दृष्टिगत लोगों को वाहन चलाते समय सदैव हेलमेट धारण करने, सीटबेल्ट का प्रयोग करने की अपील की।

रैली का शुभारंभ करते एएसपी नॉर्थ विकास चन्द्र त्रिपाठी।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार,2 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

नाटिका के सहारे याद किये गए सर सैय्यद

सीतापुर, अमृत विचार : रीजेन्सी पब्लिक स्कूल में सर सैय्यद सदन के तत्वावधान में ग्रीन हाउस कॉन्सर्ट का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय के अध्यक्ष एमएफ जैदी, निदेशक एआर जैदी एवं प्रधानाचार्या राशिदा जैदी का स्वागत सर सैय्यद सदनाध्यक्षों द्वारा पुष्पगुच्छ देकर किया गया। इस अवसर पर छात्रों द्वारा गीत प्रस्तुत किया गया। सदन की छात्रा वसुन्धरा सिह तोमर ने सर सैय्यद के जीवन पर प्रकाश डाला। लघु नाटिका की प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का संचालन अथर्व शर्मा एवं प्राण्वी श्रीवास्तव ने किया, तान्या सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुआ युवक

नैमिषारण्य, अमृत विचार : बिल्डिंग की सफाई करते समय युवक छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के लिए उसे भर्ती कराया गया है। नैमिषारण्य कोतवाली क्षेत्र स्थित ठाकुर नगर तिराहे पर लाइब्रेरी है। यहां पर साफ-सफाई का कार्य चल रहा था। आलोक खुली लाइब्रेरी की सफाई करते समय अचानक अनियंत्रित होकर नीचे गिर गया। ऊंचाई से गिरने के लिए युवक की हालत गंभीर है। घायल आलोक का उपचार चल रहा है। कोतवाली प्रभारी नैमिषारण्य पंकज तिवारी का कहना है कि जांच की जा रही है।

ट्रक-डीसीएम की टक्कर, 4 घायल

सीतापुर, अमृत विचार : सिधौली-महमूदाबाद मार्ग स्थित जाफरीपुरवा के नजदीक ट्रक और डीसीएम की भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद देर तक जाम रहा। बताते हैं कि ट्रक लकड़ी लादकर सिधौली की ओर जा रहा था। जाफरीपुरवा गांव से निकलकर वाहन पुलिया पर पहुंचा, तभी अनियंत्रित हो गया। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार डीसीएम भिड़ गया। सड़क हादसे के बाद कुछ देर तक जाम लगा रहा। सिधौली कोतवाली क्षेत्र में हुए हादसे में चार लोग घायल हुए हैं।

एमआईडीएच योजना में पंजीकरण शुरू

सीतापुर, अमृत विचार : उद्यान विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) के तहत कृषि विस्तार योजनाओं की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि जनपद को शंकर सब्जी क्षेत्र विस्तार के तहत 120 हेक्टेयर तथा मसाला क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम में प्याज 16 हेक्टेयर और लहसुन 14 हेक्टेयर का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इच्छुक किसान योजना का लाभ पाने के लिए विभागीय पोर्टल dbt.uphorticulture.in पर पंजीकरण करें। योजना का लाभ प्रथम आवक-प्रथम पावक के आधार पर दिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए किसान कार्य दिवसों में शहर के स्वरूपनगर स्थित उद्यान विभाग कार्यालय, राजकीय पौधशाला परिसर, में संपर्क कर सकते हैं।

ईवीएम भंडारण कक्ष का डीएम ने जाना हाल

सीतापुर, अमृत विचार : नवागत जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने शुक्रवार को ईवीएम और वीवीपैट भंडारण कक्ष का निरीक्षण किया। उन्होंने वेयरहाउस की बाहरी व आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था, तैनात पुलिस बल और रिकॉर्ड सिस्टम की जानकारी ली। डीएम ने भंडारण कक्ष में लगे सीसीटीवी कैमरों की लाइव फीड टीवी स्क्रीन पर देखकर जांची और साफ-सफाई व सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निर्वाचन सामग्री की सुरक्षा सर्वोपरि है। निरीक्षण के दौरान एडीएम वित्त एवं राजस्व नीतिश कुमार सिंह, निर्वाचन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

शिवाला में किया जाएगा रथयात्रा का स्वागत

संवाददाता, लहरपुर, सीतापुर

- मां पुरबिन देवी मंदिर में गायत्री परिवार के सदस्यों ने बैठक

अमृत विचार : नगर के मोहल्ला बेहटी स्थित मां पुरबिन देवी मंदिर में गायत्री परिवार के सदस्यों ने बैठक की। इसमें शांति कुंज हरिद्वार से आ रही ज्योति कलश, रथयात्रा के भव्य स्वागत की तैयारियों की रूपरेखा तय की गई।

बैठक के दौरान निर्णय लिया गया कि गायत्री ज्योति कलश रथ यात्रा विकासखंड क्षेत्र के ग्राम किशुनपुर बिलरिया में प्रवेश के उपरांत ग्राम नवीनगर स्थित रानी कुंवर पृथ्वीपाल सरस्वती विद्या मंदिर शिवाला में स्वागत किया जाएगा।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश्वर रस्तोगी ने बताया कि विकासखंड क्षेत्र के ग्राम अकबरपुर, कामापुर, ग्राम कल्याणपुर ग्राम शेरपुर जीतामऊ, ग्राम देवरिया कलां ढफरा व ग्राम न्यामूपुर में गायत्री शक्तिपीठ में स्वागत एवं दीप यज्ञ, तदोपरांत रात्रि विश्राम के उपरांत रथ यात्रा रवाना होगी।

गायत्री परिवार की बैठक में प्रमुख रूप से राजेश्वर रस्तोगी, शकुंतला रस्तोगी, रामा देवी, अनुराधा गौड़, ऊषा मेहरोत्रा सहित गायत्री परिवार की महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

आड़े-तिरछे खड़े रहे वाहन, मोबाइल में व्यस्त रहे साहब

यातायात माह

- बिना हेलमेट बाइकों में पेट्रोल भरवाते रहे लोग

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : यातायात माह के पहले दिन आंख अस्पताल चौराहे पर डीएम-एसपी आमजन को नियमों का ककहरा पढ़ा रहे थे। वहीं, दूसरी ओर अधीनस्थ मुख्य चौराहे पर लापरवाह दिखे। आलम ये रहा कि शहर के बस स्टाप स्थित चौराहे पर काफी देर तक जाम की स्थिति रही।

यातायात माह के पहले दिन सुबह का 11:30 बजा था। बस अड्डे के बाहर बस मुख्य मार्ग पर थी, इसलिए जाम लग गया, ऐसे में राहगीरों के बीच पहले निकलने की होड़ में नोक-झोक हुई। चंद कदम दूर, मुख्य मार्ग पर ओवरब्रिज के नीचे बड़ी संख्या में ई रिक्शा रास्ते को अवरुद्ध कर रहे थे। ऐसे में बस स्टैण्ड से निकलने वाली बस और लखनऊ से आ रहे यात्री वाहनों ने स्थिति बेपटरी रखी। कुछ राहगीरों की नजर सड़क किनारे कुर्सी पर बैठे दरोगा पर पड़ी तो टोक दिया। इस पर साहब नाराज होकर बोले- देखा नहीं, फोन से जरूरी बात कर रहा हूं। ट्रांसपोर्ट चौराहा स्थित पेट्रोल पंप पर नो हेल्मेट नो फ्यूल तस्वीर उलट नजर आई।

बस स्टाप चौराहे पर आड़े-तिरछे खड़े वाहन और मोबाइल पर व्यस्त उपनिरीक्षक।

डीएम की उपस्थिति में वाहन सवार को नि:शुल्क हेलमेट देकर जागरूक करते एसपी

डीएम-एसपी ने दिया जागरूकता का संदेश

यातायात माह का शुभारंभ जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. ने किया। डीएम ने जागरूकता वाहन को हरी झण्डी दिखाने से पहले आमजन को नियमों की जानकारी दी। एसपी अंकुर अग्रवाल ने वाहन चलाने वालों को सीट बेल्ट और हेल्मेट पहने की सलाह दी। इस दौरान बाइक सवारों को नि:शुल्क हेलमेट वितरित किये गए। इस अवसर पर सहायक पुलिस अधीक्षक विनायक गोपाल भोसले, एएसपी आलोक सिंह, महिला थाना प्रभारी इतुल चौधरी, यातायात निरीक्षक फरीद अहमद आदि थे।

कहीं मेड़बंदी तो कहीं नापजोख का पेच

संपूर्ण समाधान दिवस : डीएम और एसपी ने महोली तहसील में सुनीं समस्याएं

अमृत विचार टीम, सीतापुर

अमृत विचार : जिले की सभी तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक महोली तहसील में सम्मिलित हुए। इन्होंने कई शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया। छोटी-छोटी शिकायतों के लंबे समय तक लंबित होने को लेकर जिलाधिकारी ने कई जिम्मेदारों को आड़े हाथों लिया।

महमूदाबाद तहसील परिसर में लुधासा गांव से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे, शिकायकर्ता वीरेश कुमार भी थे। इनका दावा था कि वरासत के रिकार्डों में हेरफेर किया गया है।

शिकायतों के बाद भी समस्या जस की तस है। आरोप है कि ग्रामीण परिवार ने धरने की अनुमति मांगी, जिसको देने से इंकार कर दिया गया। ऐसे में बड़ी संख्या में ग्रामीण दिन भर जमा रहे। तहसील दिवस में पुलिस से संबंधित शिकायते भी प्रस्तुत की गईं।

महोली तहसील में समस्याओं का निस्तारण करते डीएम डॉ. राजा गणपति आर., एसपी अंकुर अग्रवाल व अन्य। ● अमृत विचार

लहरपुर में फरियादी बोले- न्यायालय के आदेशों का भी नहीं हो रहा अनुपालन : लहरपुर तहसील परिसर में महुवाल निवासी लल्लन पुत्र मुन्नालाल का कहना है कि खलिहान की जमीन को लेकर तहसीलदार न्यायालय से आदेश पारित हुआ। समय बीतने के बावजूद दबंगों का कब्जा बना हुआ है। इस मामले में शिकायतें भी की जा चुकी हैं।

महोली में डीएम ने दिए पुनर्जीवन प्रमाण पत्र : महोली में आयोजित तहसील दिवस के बाद जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. ने पुर्नजीवन प्रमाण पत्र वितरित किये। विधायक शशांक त्रिवेदी की उपस्थिति में ग्रामीणों से संवाद स्थापित किया। शासन की योजनाएं भी साझा की। मौके पर पांच शिकायतें भी निस्तारित की गईं। इस दौरान एसपी अंकुर अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अभिलेखागार का किया निरीक्षण

डीएम ने महोली स्थित संग्रह अनुभाग के अभिलेखागार का मुआयना किया। कहा कि उपस्थित पंजिका पर अभिलेखों का नियमित रूप से अद्यतन कराया जाए, ताकि समस्याएं न उत्पन्न हों। डीएम ने तालाब के पट्टों और उनके आवंटन के निरीक्षण के दौरान कब्जों को हटाने के निर्देश दिये।

हिस्ट्रीशीटरों ने ली अपराध न करने की शपथ

सकरन, सीतापुर, अमृत विचार: सकरन थाने से जुड़े हिस्ट्रीशीटर थाने में इकट्ठा हुए और अपराध से दूर रहने के लिए शपथ ली। ये भी कहा कि वे लोग अपराधिक गतिविधियों और उससे होने वाले नुकसान के बारे में बताकर लोगों को जागरूक भी करेंगे। थानाध्यक्ष नवनीत मिश्रा ने इस अवसर पर 50 हिस्ट्रीशीटरों की हाजिरी लगाई, उन्हें कानून के दायरे में रहकर बेहतर कार्य करने की हिदायत भी दी। उन्होंने हर 15 दिन में एक बार थाने आकर हाजिरी दर्ज कराने का भी निर्देश जारी किया।

मशीन खराब, बीज वितरण में आई बाधा

सीतापुर, अमृत विचार : पिसावां कृषि बीज भंडार मशीन गड़बड़ होने के कारण बीज वितरण में बाधा आ गयी। इस दौरान पिसावां, पकरिया, बहादुर नगर सहित अन्य स्थानों से आए किसानों ने दिक्कतें गिनाईं, इस कृषि बीज भंडार प्रभारी पवन कुमार ने बताया कि मशीन में खराबी आने के कारण बीज वितरण में कुछ दिक्कत हुई है।

प्रशिक्षु डॉक्टरों के इलाज में गयी किशोर की जान

आरोप लगाते परिजन, इनसेट में रेहान की फाइल फोटो। ● अमृत विचार

आरोप

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : जिला अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर उपचार कर रहे हैं। इसी के चलते किशोर की मौत हो गई। ये आरोप किशोर के परिजनों ने लगाते हुए हंगामा किया।, सीएमएस का कहना है कि मामले की जांच कराई जाएगी। सादिकपुरवा निवासी हनीफ के मुताबिक, उसके पुत्र रेहान (15) को एक दिन पूर्व बुखार आ गया। परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, आरोप है कि डॉक्टरों की उपस्थिति के बावजूद ट्रेनरों ने इलाज किया। इंजेक्शन लगते ही रेहान के पैर और शरीर के हिस्सों में सूजन आने लगी, फिर शरीर काला पड़ने लगा। बिगड़ी हालत देख चिकित्सकों ने हाथ खड़े कर दिए। फिर बिगड़ी हालत में लखनऊ ले जाते समय रेहान की मौत हो गई। हनीफ का कहना है कि चिकित्सकों की लापरवाही के कारण ही उसके बच्चे की जान चली गई। उन्होंने बताया है कि इस मामले में सीएमओ, सीएमएस से शिकायत की है, डीएम से भी मिलेंगे।

> किशोर बिगड़ी अवस्था में जिला अस्पताल लाया गया था, ऐसे में उसे लखनऊ रेफर किया गया, बाद में उसकी मौत हो गई। मामले में परिवार के लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है।
> -डॉ. इन्द्र सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला अस्पताल

उद्योग व्यापार मंडल की तंबौर इकाई गठित

तंबौर, सीतापुर, अमृत विचार : उप्र उद्योग व्यापार मण्डल (पंजी.) ने लहरपुर तहसील की तंबौर नगर इकाई गठित की गयी है। इसमें हाजी खुर्शीद गौरी नगर संरक्षक बनाए गए हैं। अजय पटेल को नगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। गिरधर गोपाल रस्तोगी नगर महासचिव, सैय्यद रेहान खान नगर महामंत्री, मो. उस्मान खान नगर महामंत्री, तोताराम नाग नगर कोषाध्यक्ष, साबिर अली नगर उपाध्यक्ष, विवेक जायसवाल नगर उपाध्यक्ष और समीर खान नगर उपाध्यक्ष मनोनीत किए गए हैं।

बाबा खाटूश्याम का जन्मोत्सव मनाया

सीतापुर, अमृत विचार : पिसावां स्थित भगवान शिव मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं ने केक काटकर बाबा खाटू श्याम का जन्मदिन आस्था और धूमधाम से मनाया। श्रद्धालुओं ने बाबा खाटू श्याम को विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया। बाबा के जन्मदिन के अवसर पर भक्तों द्वारा आतिशबाजी के साथ भजन-कीर्तन और नृत्य का आयोजन भी किया गया। बाद में श्रद्धालुओं ने दंडवत यात्रा की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से रितिक गुप्ता, अमित, दीपक, गोलू सहित बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु मौजूद थे।

चित्रकला प्रदर्शनी के दौरान उपस्थित छात्र व अभिभावक। ● अमृत विचार

चित्रकला प्रदर्शनी में छात्रों ने बिखेरे अपनी कल्पना के रंग

बिसवां, सीतापुर, अमृत विचार : एल्पिस ग्लोबल स्कूल में शिक्षक-अभिभावक संगोष्ठी के साथ चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में छात्रों ने अपनी सृजनशीलता और कलात्मक दृष्टि का प्रदर्शन करते हुए विविध विषयों और कला रूपों को प्रस्तुत किया, जिनमें रेखांकन, रंगीन चित्रकला, मंडला चित्रण, कच्छ की पारंपरिक लिप्पन कला, लघु चित्रकला, कैनवास पेंटिंग, बांस कला, अमूर्त ज्यामितीय कला तथा हस्तकला प्रमुख रूप से शामिल रहीं। प्रधानाचार्या दीपा चंद्रा ने चित्रकला की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित भी किया।

भागवत कथा सुनने उमड़े श्रद्धालु

महोली, सीतापुर, अमृत विचार : महोली क्षेत्र के ढपरापुर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में कथावाचिका से भगवान श्रीकृष्ण के विवाह प्रसंग का वर्णन सुन श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथावाचिका गीता शास्त्री ने कहा कि विदर्भ के राजा भीष्मक के घर रुक्मिणी का जन्म हुआ। वह बाल अवस्था से भगवान श्रीकृष्ण को पति रूप में चाहती थीं। लेकिन भाई उनका विवाह शिशुपाल से कराना चाहता था। रुक्मिणी ने अपनी इच्छा जताई। पिता ने रीति रिवाज के साथ दोनों का विवाह कर दिया। इस अवसर पर अरुण शुक्ला, जगदीश प्रसाद, योगेश, अखिलेश, नीरज, निखिल मिश्रा, राधेश्याम शर्मा, संतोष अर्कवंशी, ओमकार, हेमसिंह आदि मौजूद थे।

सिटी डायरी

एसडीएम को ज्ञापन सौंपते लेखपाल।

बिफरा लेखपाल संघ सौंपा ज्ञापन

लहरपुर, अमृत विचार : लेखपाल संघ द्वारा मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी आकांक्षा गौतम को सौंपा गया। लेखपाल संघ द्वारा अपनी 7 सूत्री मांगों में प्रारंभिक वेतनमान उच्चीकरण, एसीपी विसंगति, मृतक आश्रित लेखपालों को पुरानी पेंशन तथा अन्य सभी लेखपालों को पुरानी पेंशन की मांग की। इस मौके पर जिला मंत्री अवध यादव, तहसील अध्यक्ष शिष्य कुमार, तहसील मंत्री बलराम सिंह तथा कार्यकारिणी सदस्य पवन यादव ,सचिन श्रीवास्तव, अरविंद मिश्रा, धीरज सिंह, महेंद्र गुप्ता, संतोष यादव आदि मौजूद रहे।

अग्निवीर का सम्मान करते ग्रामीण और परिजन।

बेटा बना अग्निवीर, जगह-जगह स्वागत

रामपुर मथुरा, अमृत विचार : विकास खण्ड रामपुर मथुर के अल्हनापुर में अग्निवीर बनकर जब गांव का बेटा पहुंचा तो लोगों ने जगह-जगह स्वागत किया। ट्रेनिंग पूरी कर लौटे नौजवान ने हौसलों के अनुभव भी लोगों के बीच साझा किये। शुभम कुमार भारतीय सेना में अग्निवीर बनकर गांव लौटे। स्वागत के बीच माता-पिता और करीबी भी मौजूद थे। शुभम ने बताया कि छह माह की ट्रेनिंग में कठिन परिश्रम किया। किसान पिता रामस्वरूप बताते हैं कि मेरे पिता रामखेलावन का सपना था, जिसे मेरे बेटे ने पूरा किया। इसे अंतिम छोर तक ले जाने में मेरे पुत्र रवि कुमार और रोहित कुमार का भी सहयोग रहा है। स्वागत के दौरान भारत मां के जयकारे भी ग्रामीणों द्वारा लगाए गए।

बैठक को संबोधित करते अपर जिला जज।

परावैधिक स्वयं सेवकों की बैठक

सीतापुर, अमृत विचार : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में तथा जनपद न्यायाधीश कुलदीप सक्सेना के आदेश पर परावैधिक स्वयं सेवकों की एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अपर जिला जज नरेन्द्र नाथ त्रिपाठी द्वारा उपस्थित समस्त परावैधिक स्वयं सेवकों को निर्देशित किया गया कि वह अपने-अपने क्षेत्र में पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य करें। बैठक के दौरान उन्होंने निर्देश दिया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यों का आम नागरिकों के मध्य व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाये।

दिशा की बैठक | कलेक्ट्रेट सभागार में सांसद राकेश राठौर की अध्यक्षता में किया गया आयोजन

बिजली और स्वास्थ्य व्यवस्था के मुद्दे पर उठे सवाल

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : दिशा की बैठक में समस्याओं का दंश झलका। सत्ता और विपक्ष दोनों ने ही मिलकर सवाल खड़े किये। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में बिजली और स्वास्थ्य पर उठते सवालों को लेकर जिम्मेदारों को जिलाधिकारी की फटकार का भी सामना करना पड़ा।

बैठक की अध्यक्षता सांसद सीतापुर राकेश राठौर ने की। इनके साथ धौरहरा सांसद आनंद भदौरिया, मोहनलालगंज सांसद आरके चौधरी थे। कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही, विधायक ज्ञान तिवारी, आशा मौर्य, निर्मल वर्मा, शशांक त्रिवेदी, रामकृष्ण भार्गव भी थे। कटान प्रभावित क्षेत्रों में बिजली का मुद्दा सांसद राकेश राठौर ने उठाया। विधायक ज्ञान तिवारी ने भी ध्यान आकृष्ट कराया। प्राथमिक शिक्षकों की उपस्थिति और एमडीएम को लेकर भी सवाल उठे। सीडीओ प्रणता एश्वर्य, एडीएम नीतीश कुमार सिंह, सीएमओ डॉ. सुरेश कुमार, बीएसए, डीआईओएस और विद्युत विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे। सांसद राकेश राठौर ने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हो या फिर जिला अस्पताल। हर स्थान पर मेडिकल कराने के नाम पर आमजन का शोषण होता है। इसके लिए आवश्यक है कि परीक्षण सीसीटीवी की निगरानी में हो। सांसद आनंद भदौरिया ने कहा कि सीएचसी-पीएचसी पर चिकित्सकों की कमी है। दवाओं की उपलब्धता भी कम है। महमूदाबाद विधायक आशा मौर्य ने कहा कि पिछले दो वर्षों से शिकायत के बावजूद महमूदाबाद अस्पताल में लिफ्ट नहीं चल रही है। जिससे खासकर गर्भवती महिलाओं को परेशानी हो रही है।

बैठक की अध्यक्षता करते सांसद सीतापुर राकेश राठौर व अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी। ● अमृत विचार

सरदार पटेल और इंदिरा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण करते कांग्रेस के कार्यकर्ता।

लौह पुरुष व इंदिराजी को किया याद

बिसवां, अमृत विचार : कर्म सेवा समिति के तत्वाधान में कैंप कार्यालय पत्थर शिवाला मार्केट पर सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती व पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यक्रम में कांग्रेस नगर अध्यक्ष अमर मेहरोत्रा, महासचिव प्रदेश कांग्रेस आरटीआई रजनीश मिश्रा, रमेश चंद्र,, नरेश गौड, विनय सिंह, अरुण सिंह, आरपी सिंह, मुजीब, करीम अंसारी, हरिशंकर आदि थे।

न्यूज ब्रीफ

पुराना वीडियो वायरल, शांतिभंग की हुई थी कार्रवाई

सलोन : एक युवक को विद्युत पोल से बांधकर बंधक बनाने का वीडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस की नींद उड़ गई। जांच में वीडियो चार महीने पुराना मिला। जिसपर पुलिस ने शांतिभंग की कार्यवाही की थी। घटना सलोन कोतवाली अंतर्गत करहिया चौकी क्षेत्र का है। छेड़छाड़ के मामले में बीते 21 जून को ग्रामीणों ने एक युवक को पकड़कर खंभे से बांध दिया था। बाद में पुलिस मौके पर पहुंची थी। इसके बाद खम्बे में बांधे युवक को हिरासत में लेकर विधिक कार्रवाई की थी। वहीं प्रभारी कोतवाल राघवन कुमार सिंह ने बताया कि एक ही प्रकरण का बार-बार वीडियो प्रसारित करना गलत है।

विद्यार्थियों को दी नए कानून की जानकारी

लालगंज : प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह के निर्देशन में उप निरीक्षक अमरेश द्विवेदी ने बराती लाल गंगाराम सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों को केंद्र सरकार के द्वारा लागू किए गए भारतीय न्याय संहिता 2023 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने लोगों को अपराध से बचने की भी सलाह दी और कहा कि छोटे-मोटे मामलों को आपसी बातचीत से भी सुलझाया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य सत्येंद्र कुमार शुक्ला ने किया। इस मौके पर कांस्टेबल राहुल, उप प्रधानाचार्य चंद्र प्रकाश पांडे आदि मौजूद रहे।

किया गया जागरूक

महराजगंज : प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति सजग एवं जागरूक बनाने के उद्देश्य से महराजगंज क्षेत्र पीएम श्री विद्यालय टीसाखानपुर एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय अनदूपुर में मीना मंच सुगमकर्ता रिचा चक्रवर्ती एवं मंजरी तथा अनीता देवी द्वारा सुरक्षा संबंधी कार्यशाला का आयोजन कराया गया। इस दौरान काजल, राम सुमिरन, सूर्यमणि दुबे, अजय कुमार आदि रहे।

दहेज हत्या के मामले में पति ससुर को 8-8 वर्ष की कैद

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। कोर्ट ने बछरावाँ थाना क्षेत्र से जुड़े दहेज हत्या के एक मामले में दोषसिद्ध होने पर आरोपी पति व ससुर को आठ-आठ वर्ष के साधारण कारावास की सजा सुनाई। साथ ही छह-छह हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया है। यह फैसला जिला एवं सत्र न्यायालय की अपर सत्र न्यायाधीश प्रतिमा ने सुनाया।

अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी करने वाले एडीजीसी (क्रिमिनल) उमानाथ सिंह के मुताबिक मामले की रिपोर्ट मिलएरिया थाना क्षेत्र के राघनपुर, पोस्ट- राही निवासी गणेश कुमार ने दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार वादी ने बहन रामावती की शादी बछरावां के पठानगांव मजरे कन्नावा निवासी देवी प्रसाद के साथ की थी। दहेज की मांग पूरी न होने पर पति देवी प्रसाद व ससुर रामफेर ने 1 मई 2014 की सुबह बहन रामावती व भांजी साक्षी (10 माह) की जलाकर हत्या कर दी। कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद दोषी पाए जाने पर आरोपी पति व ससुर को कैद व अर्थदंड की सजा सुनाई।

डिजिटल युग में पढ़ने की संस्कृति को जीवित रखना समाज की जिम्मेदारी

संवाददाता, रायबरेली

आयोजन

- आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी पुस्तक मेला 2025 के शुभारंभ के दौरान बोलीं एम्स निदेशक

अमृत विचार। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी स्मृति न्यास के तत्वावधान में आयोजित 'पुस्तक मेला – 2025' का शुभारंभ किया गया। फ़िरोज़ गांधी डिग्री कॉलेज के मैदान में मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि एम्स मुंशीगंज की निदेशक प्रो. डॉ. अमिता जैन ने मेले का फीता काटकर शुभारंभ किया। एम्स निदेशक ने कहा कि पुस्तकें मानवता की सबसे बड़ी शिक्षक हैं। डिजिटल युग में भी पढ़ने की संस्कृति को जीवित रखना समाज की जिम्मेदारी है। दुनिया की 50 भाषण हम पढ़े या जानें लेकिन मातृभाषा का अलग ही महत्व है। मातृभाषा हमें दिलों से जोड़ती है।

नगर पालिका अध्यक्ष शत्रोहन सोनकर ने कहा कि रायबरेली की सांस्कृतिक धरोहर को पुस्तक मेले जैसी पहल नया जीवन देती है। राकेश तिवारी ने कहा कि आचार्य जी के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। डॉ मनीष चौहान ने कहा कि पुस्तकें पढ़कर ही हम जीवन को सफल और सार्थक बना सकते हैं। पुस्तक मेले में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, शिक्षकों, साहित्यकारों और नागरिकों ने हिस्सा लिया। स्मृति न्यास के पदाधिकारियों ने बताया कि मेला 9 नवम्बर तक चलेगा, जिसमें प्रतिदिन अलग-अलग साहित्यिक, सांस्कृतिक और जनजागरण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित होंगे। आगामी दिनों में कवि सम्मेलन, नाट्य प्रस्तुति, हेल्थ कैम्प और लोक गीतों की संध्या और बच्चों की निबंध-लेखन प्रतियोगिता जैसे आयोजन होंगे।

पुस्तक मेला का शुभारंभ करतीं एम्स निदेशक प्रो. डॉ. अमिता जैन। अमृत विचार

कार्यक्रम का संचालन महावीर प्रसाद द्विवेदी स्मृति न्यास के संयोजक गौरव अवस्थी एवं स्वागत कार्यक्रम प्रभारी राजीव भार्गव ने किया। इस मौके पर प्रमोद त्रिपाठी, विनय द्विवेदी, सभासद परमजीत सिंह गांधी, धर्मेंद्र द्विवेदी, युगल किशोर तिवारी गिरजा शंकर मिश्रा केके मिश्रा, अनुराग त्रिपाठी, लक्ष्मीकांत शुक्ला, अतुल गुप्ता, महेंद्र अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

राजस्व निरीक्षक व एक्सईएन विद्युत को फटकार

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर डीएम और एसपी ने सुनीं समस्याएं, कुल 21 मामलों में से 2 का किया निस्तारण

संपूर्ण समाधान दिवस में समस्याओं को सुनतीं डीएम हर्षिता माथुर। अमृत विचार

संवाददाता, डलमऊ (रायबरेली)

अमृत विचार। तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी हर्षिता माथुर और पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने आए हुए फरियादियों की समस्याएं सुनीं। साथ ही निस्तारण के लिए संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिया। इस दौरान लापरवाही बरतने पर राजस्व निरीक्षक और एक्सईएन विद्युत को जमकर फटकार लगाई। 21 मामले आए, जिसमें से दो का निस्तारण मौके पर कर दिया गया।

सूरजपुर बनापार निवासी बृजेश कुमार, सहदेव मौर्य ने रास्ते की मरम्मत कराने की मांग की। बताया कि लगभग 20 वर्ष पुराना खड़ंजा लगा है, जो जर्जर हो गया है। जल भराव की समस्या बनी रहती है। मुर्शिदाबाद के राजन लाल ने बताया कि मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए दो महीने से तहसील एवं ब्लाक के चक्कर काट रहे हैं। अभी तक जारी नहीं किया गया। जिस पर डीएम ने जल्द कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं एक महिला ने नाबालिग पुत्री के साथ हुई घटना के संदर्भ में दर्ज मुकदमे में डलमऊ पुलिस द्वारा चार्ज सीट न दाखिल किए जाने की शिकायत की।

व्यापार मंडल अध्यक्ष रामगोपाल वैश्य ने व्यापारियों के साथ जाम की समस्या को लेकर शिकायती पत्र दिया। व्यापारियों ने नाथ खेड़ा से लेकर मुराई बाग में अलग बाईपास बनाने की मांग की। जमीनी विवाद के मामले में राजस्व निरीक्षक बृजेश सिंह को भी डीएम ने फटकार लगाई। बिजली विभाग की शिकायत पर डीएम के सामने एक्सईएन के न आने और एसडीओ की उपस्थिति होने पर फटकार लगाई। यहां एसडीएम डलमऊ सत्येंद्र सिंह, तहसीलदार मंजरी सिंह, गिरजा शंकर त्रिपाठी, सीएमओ डॉ. नवीन चंद्रा आदि रहे।

एसडीएम ने लापरवाही पर कार्यवाही की दी चेतावनी

महराजगंज, रायबरेली, अमृत विचार। उपजिलाधिकारी गौतम सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। उपजिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के कर्मचारियों को शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर कार्यवाही की चेतावनी दी। इस दौरान 35 शिकायतें आई, जिसमें राजस्व की 18, विकास विभाग की 7, पुलिस विभाग की 6 व 4 अन्य विभागों की शिकायतें रही। इसमें से मात्र चार शिकायतों का निस्तारण हो पाया। लंबित शिकायतों को उप जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को समय से निस्तारण करने के निर्देश दिए। लेखपाल संघ के पदाधिकारियों ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि विगत 09 वर्ष से लेखपाल पद की शैक्षणिक योग्यता एवं पदनाम परिवर्तित करने प्रारंभिक वेतनमान उच्चीकरण एसीपी विसंगति मृतक आश्रित लेखपालों की पुरानी पेंशन विसंगति राजस्व निरीक्षक एवं नायब तहसीलदार के अतिरिक्त पद सृजन स्टेशनरी भत्ता 100 से बढ़ाकर 1000 करने और नियत यात्रा भत्ता के स्थान पर मोटरसाइकिल भत्ता/वाहन भत्ता अनुमन्य करने, विशेष वेतन भत्ता 100 से बढ़ाकर 2500 प्रति माह करने आदि की मांग की। तहसीलदार मंजुला मिश्रा, प्रभारी क्षेत्राधिकारी रितिक कुमार, खंड विकास अधिकारी वर्षा सिंह, नायब तहसीलदार उमेश चंद्र त्रिपाठी, सत्याराज, कानूनगो आबिद अली, मो .अहमद, एसआई रोहित कुमार, इंस्पेक्टर अरविंद सिंह, एसआई चंद्रपाल सिंह, खाद्य आपूर्ति निरीक्षक मुकेश पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

लोगों की समस्याओं को सुनते उपजिलाधिकारी गौतम सिंह।

कोलकाता और दिल्ली के फूलों से बाबा का होगा श्रृंगार

- एकादशी को 2 नवंबर की शाम से बाबा श्याम की विशाल भजन संध्या का होगा आयोजन

श्याम के भजन-कीर्तन की जानकारी देते श्री श्री मां शीतला शनि सरकार एवं खाटू श्याम सेवा समिति के उमेश सिकरिया।

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। श्री श्री मां शीतला शनि सरकार एवं खाटू श्याम सेवा समिति अहियारायपुर के तत्वावधान में प्रथम खाटू श्याम मंदिर की स्थापना 17 फरवरी 2025 में हुई थी, जिसमें अनवरत हर माह की शुक्ल पक्ष एकादशी को बाबा श्याम का गुणगान बाहर से आए हुए कलाकारों द्वारा हो रहा है। समिति के अध्यक्ष अमिय शुक्ला ने बताया कि इस माह बाबा के प्रकटोत्सव के उपलक्ष में बाबा श्याम की विशाल भजन संध्या का कार्यक्रम 2 नवंबर की शाम को होगा।

समिति के प्रबंधक दिनेश खेतान ने बताया कि बरेली से भजन गायक कुक्की अरोड़ा और फरीदाबाद से भजन गायिका संध्या तोमर अपने भजनों से बाबा श्याम और उनके भक्तों को रिझाएंगे। समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी महेश नारायण अग्रवाल ने बताया कि बाबा के प्रकटोत्सव के उपलक्ष में बाबा का भव्य श्रृंगार दिल्ली से आए हुए कलाकारों द्वारा किया जाएगा, जिसमें बाबा के श्रृंगार के लिए पुष्प कोलकाता और दिल्ली से मंगाए गए हैं। साथ ही उमेश सिकरिया ने बताया कि बाबा के जन्मोत्सव के उपलक्ष में 11 किलो खोये से निर्मित केक काट कर बाबा का जन्मदिन मनाया जाएगा। वहीं कोषाध्यक्ष भवेश अग्रवाल ने बताया कि बाबा के प्रकटोत्सव पर प्रतीक अग्रवाल के नेतृत्व में बाबा की निशान यात्रा का भी आयोजन किया गया है। इस दौरान अशोक श्रीवास्तव जी ने बताया कि कीर्तन उपरांत मंदिर पर आतिशबाजी की व्यवस्था भी की गई है। अशोक मिश्रा ने बताया कि भजन संध्या का समापन होकर बाबा श्याम की विशाल आरती का आयोजन होगा। इस मौके पर गांगुली शुक्ला, पीयूष अग्रवाल, अभिषेक गोयल आदि उपस्थित रहे।

देह व्यापार की सूचना पर पहुंची पीआरवी कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई से किया इन्कार

सलोन, (रायबरेली) अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के राग्घूपुर स्थित एक होटल में देह व्यापार की सूचना पर पीआरवी पुलिस पहुंच गई। इससे हड़कंप मच गया। कमरे के अंदर पुलिस को मास्क लगाए युवक और युवतियों के मिलने का वीडियो भी बना लिया गया। इसके बाद स्थानीय पुलिस को सूचना दे दी। वही कोतवाली पुलिस ने मामले से किनारा कर लिया। यह कहा कि ये हिंदुस्तान का कानून है। बालिग सहमति से कुछ भी कर सकते हैं। नेशनल हाइवे राग्घूपुर स्थित एक मकान में होटल संचालित है। शनिवार को अज्ञात कॉल की सूचना पर पीआरवी 5954 जांच करने पहुंची थी, जिसकी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो हड़कंप मच गया। प्रसारित वीडियो में पीआरवी पुलिस कर्मी होटल के रूम को खुलवाते हैं, जिसमें से कुछ युवक और युवतियां मुंह पर मास्क लगाए बाहर निकलती दिखाई दे रही हैं। वीडियो वायरल करने वाले युवक का आरोप है कि होटल की आड़ में देह व्यापार का धंधा संचालित है। वहीं वायरल वीडियो के संबंध में कोतवाल राघवन कुमार सिंह से पूछा गया तो उन्होंने किनारा करते हुए कहा कि हिंदुस्तान में कानूनी प्रक्रिया के तहत कोई भी बालिग व्यक्ति या महिला अपने दोस्त के साथ आ-जा सकते हैं। कानूनी प्रक्रिया में भी ये नियम कि बालिग महिला और पुरुष दोस्तों के साथ घूम फिर सकते है। सहमति से कुछ भी कर सकते है।

कोतवाल का धमकी भरा लहजा, एक मुकदमा है, आज फिर तहरीर मिली : पुलिस अधीक्षक के तेवर शायद इतने सख्त नहीं होंगे जितने स्थानीय कोतवाल के हैं। इस बाबत स्थानीय पत्रकारों ने पूछा तो बड़े ही धमकी भरे लहते में कहते है कि कोई पत्रकार बंधु है, जिन्होंने डायल 112 को सूचना दी थी। कोई छापेमारी नहीं हुई है। कोई अनियमितता नहीं पाई गई है। पत्रकार बंधु के खिलाफ पहले से एक मुकदमा है। आज फिर तहरीर प्राप्त हुई है।

एसपी के पीआरओ रह चुके कोतवाल : स्थानीय कोतवाल यहां से पहले काफी समय तक एसपी के पीआरओ रह चुके हैं। ऐसे में पुलिस अधीक्षक की नजदीकी के चलते उनके तेवर के चर्चे खूब हो रहे हैं। उनके आने के बाद से बढ़े अपराध के ग्राफ और बिगड़े बोल को लेकर आम जनमानस में ही नहीं बल्कि विभाग में भी खूब बाते हो रही हैं।

युवक ने थाने के अंदर बनाई रील

जगतपुर, रायबरेली। युवाओं में रील का नशा चढ़ रहा है। यहां तक युवक थानों के अंदर भी रील बनाने लगे हैं। एक युवक का जगतपुर थाने के अंदर रील बनाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई। वीडियो कब का है। इसकी जानकारी नहीं। वीडियो वायरल होते ही पुलिस महके में हड़कंप मच गया। वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस युवक की पहचान में जुट गई। थाना प्रभारी पंकज कुमार त्यागी ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर युवक की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास किया जा रहे हैं।

नदी में डूबने से युवक की मौत

रायबरेली, अमृत विचार। मछली पकड़ने गए युवक का शव सई नदी में मिला है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। डीह थाना क्षेत्र के ग्राम अहल निवासी संदीप (35) सई नदी में मछली पकड़ने गया था। बताते हैं कि पैर फिसलने से वो गहरे पानी में डूब गया जिससे उसकी मौत हो गई। उसका शव थोड़ी दूर गोयरा गांव के पास बरामद हुआ है। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष जितेंद्र मोहन सरोज ने बताया कि पानी में डूबने से मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

फंदे से लटका मिला महिला का शव, लालगंज : लालगंज क्षेत्र के जगन्नाथ का पुरवा मजरे ऐहार गांव में गोमती कुशवाहा पत्नी स्व. राजकिशोर का शव घर के अंदर फंदे पर लटकता मिलने से हड़कंप मच गया।

छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम प्रस्तुत कर मोहा मन

सरदार वल्लभभाई पटेल महाविद्यालय सेहगों तमनपुर में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित लोग। अमृत विचार

पटेल जी की जयंती पर प्रभात फेरी निकालतीं छात्राएं।

संवाददाता, रायबरेली

आयोजन

अमृत विचार। सरदार वल्लभभाई पटेल महाविद्यालय सेहगों तमनपुर में भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयन्ती हर्षोल्लास मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय के संस्थापक एवं प्रबन्धक अमर सिंह चौधरी द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण से किया गया। छात्र-छात्राओं ने नाटक, गीत, एकांकी, ग्रुप डांस एवं जीवन्त झांकियों के माध्यम से अद्भुत प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया।

मुख्य अतिथि क्षेत्रीय सपा विधायक श्याम सुन्दर भारती, विशिष्ट अतिथि पूर्व ब्लॉक प्रमुख अनुराग वर्मा, विद्यालय के प्राचार्य डॉ.अभय सिंह ने पटेल जी के जीवन पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला और उनके सिद्धांतों एवं पदचिन्हों पर चलने की बात कही। प्रबंधक अमर सिंह चौधरी ने कहा कि पटेल जी ने देश की 562 रियासतों का एकीकरण कर अखण्ड भारत की नींव रखी। वहीं लखनऊ विश्वविद्यालय से एमए अंग्रेजी में गोल्ड मेडल अर्जित करने वाली आस्था पटेल, संस्कृत में गोल्ड मेडल अर्जित करने वाली स्वाती पटेल को सम्मानित किया गया। इस मौके पर वंशराज सिंह, सहदेव प्रसाद पटेल, डा.मारुति मिश्रा, डॉ.प्रदीप कुमार सिंह, आलोक कुमार तिवारी, प्रदीप कुमार, दीपक वर्मा, देवतादीन पासवान, हेमन्त कुशवाहा, ओम प्रकाश रावत रहे।

छात्राओं ने निकाली प्रभात फेरी, महराजगंज: सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में राजकीय बालिका इंटर कालेज महराजगंज में छात्राओं द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई। साथ ही सत्यनिष्ठा की शपथ और सरदार वल्लभ पटेल की संविधान निर्माण की भूमिका पर संवाद व काव्य गोष्ठी द्वारा राष्ट्र निर्माण मे उनके कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर विद्यालय की प्रधानाचार्या डा. अनीता सिंह व समस्त विद्यालय परिवार ने भी भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जीवन वृत्त के बारे में विस्तृत रूप से संवाद किया गया। इस मौके पर रामानुज सिंह, किश्वरजहां, प्राची शुक्ला, रुपा रानी गुप्ता, प्रिया भट्टाचार्य, दुर्गेश कुमार आदि मौजूद रहे।

सिटी डायरी

खेलकूद प्रतियोगिता में विजेता को पुरस्कृत करते मुख्य अतिथि।

खेलकूद प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़कर किया प्रतिभाग

सरेनी (रायबरेली) अमृत विचार : सांसद खेल स्पर्धा के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय लखनापुर में न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि बीडीओ प्रमोद कुमार यादव एवं सब इंस्पेक्टर सत्येंद्र मिश्रा द्वारा किया गया। उच्च प्राथमिक विद्यालय हथनासा की बालिकाओं ने कबड्डी प्रतियोगिता में प्रथम, प्राथमिक विद्यालय ठगैचावीर की छात्राओं ने खो-खो व प्राथमिक विद्यालय लखनापुर की छात्रा जाह्नवी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में नागेंद्र सिंह, राघवेंद्र सिंह, सूरज सिंह, अमित सिंह, किरना देवी ने निर्णायक की भूमिका निभाई। खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा नामित शिवम सिंह, खेल अनुदेशक, उच्च प्राथमिक विद्यालय सरेनी एवं सर्वेश कुमार (प्रधान प्रतिनिधि) के नेतृत्व में प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में हरिशंकर दीक्षित, दीपक सिंह, शिवम, पुष्पेंद्र तिवारी, बबिता आदि रहीं।

सीएचसी जगतपुर में हड़ताल पर बैठी आशा बहूएं।

हड़ताल कर आक्रोशित आशा बहुओं ने मांगा वेतन भुगतान

जगतपुर (रायबरेली) : वेतन न मिलने से आक्रोशित आशाओं ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जगतपुर में हड़ताल कर जमकर नारेबाजी की। आशाओं ने हाथों में तख्तियां लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए लंबित वेतन भुगतान दिलाने की मांग की। आशाओं ने बताया कि महीनों से उन्हें मानदेय नहीं मिला है। जबकि उनसे लगातार स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न कार्यों में सेवा ली जा रही है। टीकाकरण, जनगणना, गर्भवती महिलाओं की देखभाल से लेकर मिशन शक्ति तक हर अभियान में वे सक्रिय रहती हैं, फिर भी समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा है। इस मौके पर सरिता, पूनम, सुनीता, रेखा, अंजू देवी, लक्ष्मी देवी, शीला, कांति देवी, विद्या देवी, गीता, मालती आदि शामिल रहीं।

कैबिनेट मंत्री का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता शिवम गुप्ता।

कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी का रामनामी से स्वागत

लालगंज (रायबरेली) : लालगंज से होकर प्रयागराज जाते समय उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के नगर महामंत्री और भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता शिवम गुप्ता उर्फ गोलू ने कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी का रामनामी से स्वागत किया। यहां कैबिनेट मंत्री ने कहा कि बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनने जा रही है। मोदी जी के सबका साथ सबका विकास जैसे लक्ष्य के आगे कोई भी दल टिक नहीं पा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सरदार पटेल जी की बड़ी मूर्ति स्थापित कराकर उनका नाम रोशन करने का काम किया है।

खाटू श्याम बाबा जन्मोत्सव पर शोभायात्रा निकालते श्रद्धालु। अमृत विचार

खाटू श्याम के दीवानों ने निकाली शोभायात्रा

जगतपुर (रायबरेली) : कस्बे में शनिवार को खाटू श्याम बाबा का जन्मोत्सव मनाया गया। पूरे कस्बा "जय श्री श्याम" के जयकारों से भक्तिमय हो उठा। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भव्य शोभायात्रा निकाली, जो जगतपुर कस्बे से होते हुए रायबरेली तक पहुंची। शोभायात्रा में डीजे की धुनों पर नाचते गाते भक्तों ने बाबा खाटू श्याम का गुणगान किया। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य राकेश सिंह राना, सचिन कुमार सैनी, आशीष यादव, अनुराग अग्रहरी, पंकज यादव, सर्वेश पटवा, संतोष गुप्ता, प्रमोद सैनी आदि लोग रहे।

घाटों का किया निरीक्षण

जिलाधिकारी ने प्रांतीय मेले की बैठक में अधूरे कार्यों को जल्द पूरा करने के दिए निर्देश

कार्तिक पूर्णिमा मेला की तैयारियों पर संतुष्ट नहीं दिखे डीएम-एसपी

संवाददादाता, डलमऊ (रायबरेली)

अमृत विचार। पौराणिक नगरी में लगने वाले प्रांतीय कार्तिक पूर्णिमा मेला की तैयारियों से जिले के अफसर संतुष्ट रहे। शनिवार को बैठक में डीएम और एसपी ने सभी विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधूरे कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिएद्ध लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, पंचायती राज एवं नगर पंचायत द्वारा काम में लापरवाही जताने पर नाराजगी भी जताई गई।

जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह, एसडीएम डलमऊ सत्येंद्र सिंह एवं मेला प्रभारी अभिषेक वर्मा ने कार्तिक पूर्णिमा मेला की तैयारी की समीक्षा की। लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़कों की मरम्मत मे लापरवाही बरतने तो सिंचाई विभाग के अंतर्गत आने वाले नहर की पटरी एवं रास्तों की साफ सफाई समय से ना पूरे होने पर नाराजगी जताते हुए मुराई बाग में बने लोक निर्माण विभाग की गेस्ट हाउस एवं डलमऊ के किले पर स्थित सिंचाई विभाग के गेस्ट हाउस को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। मकनपुर घाट को जाने वाले मार्ग की हालत सही न होने पर लोग निर्माण विभाग को कार्रवाई के निर्देश दिए। मेला प्रभारी अभिषेक वर्मा ने बताया कि सबसे अधिक मेला मकनपुर रोड से ही गुजरता है, लेकिन अभी भी इस सड़क की हालत ठीक नहीं है। जिसे समय से पूरा किया जाए। रायबरेली से डलमऊ आने वाले सड़क के पटरियो की भी मरम्मत एवं साफ सफाई के निर्देश दिए गए।

घाट का निरीक्षण करतीं डीएम हर्षिता माथुर और एसपी डॉ. यशवीर सिंह।

वीआईपी घाट व तराई घाट तक निरीक्षण रहा सीमित

जिलाधिकारी ने एसपी और सीडीओ के साथ केवल वीआईपी घाट एवं तराई घाट का ही निरीक्षण किया गया, जबकि बड़ा मठ, छोटा मठ सहित अन्य घाटों पर अभी भी अव्यवस्थाएं व्याप्त हैं। साफ-सफाई का कार्य चल रहा है लेकिन अभी भी कई जगह ऐसी है जहां पर गंदगी का अंबार लगा हुआ है गौशाला के पीछे जहां अधिकतर स्नानार्थी आकर रात में रुकते हैं। वहां भी सफाई की अभी उचित व्यवस्था नहीं है। श्मशान घाट पर अभी भी गंदगी का अंबार लगा हुआ है।

डलमऊ में कार्तिक पूर्णिमा मेला पर कुल 16 घाटों पर स्नान की तैयारी चल रही है, जिसमें से आठ पक्के एवं आठ कच्चे घाट हैं। संपूर्ण मेला को प्लास्टिक मुक्त करने के निर्देश जारी किए गए जगह-जगह पर पानी के टैंकर एवं आरो प्लांट लगाए जाने की तैयारी है। इस बार गंगा आरती की जिम्मेदारी वन विभाग को सौपा गया है।

4 जोन एवं 7 सेक्टर में बांटा गया मेला: मेले को 4 जोन एवं 7 सेक्टर में बांटा गया है, जहां पर 16 पार्किंग स्थल पांच वॉच टावर एवं 80 नाव एवं गोताखोरों की व्यवस्था की गई है। तराई घाट पर आने वाली समस्या को देखते हुए पुलिस ने घाटों को सील करने की भी मांग की है। डलमऊ महोत्सव के अंतर्गत चार से 11 नवंबर तक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। 200 अस्थाई शौचालय बनेंगे जिन्हें साफ सुथरा करने के निर्देश भी दिए गए।

न्यूज ब्रीफ

अधिवक्ताओं ने विरोध जताकर की नारेबाजी

मुसाफिरखाना (अमेठी) : बार एसोसिएशन मुसाफिरखाना के अध्यक्ष वेद प्रकाश शुक्ला के नेतृत्व में मुसाफिरखाना तहसील में एसडीएम न्यायिक से नाराज अधिवक्ताओं का कार्य बहिष्कार एवं नारेबाजी शनिवार को भी जारी रहा। अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्यों से दूरी बनाए रखी और कोर्ट परिसर में एकजुट होकर विरोध जताया। बार एसोसिएशन मुसाफिरखाना के पदाधिकारियों की शुक्रवार को बैठक हुई, जिसमें एसडीएम न्यायिक की अदालत के बहिष्कार का निर्णय पूर्ववत रखने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। इस मौके पर वेदप्रकाश शुक्ला, केके सिंह, जगत राम, राजन सिंह, संजय मिश्रा, रमाशंकर तिवारी सोनू, सुग्रीव मिश्रा, पवन तिवारी, सतीश सिंह, संजय शुक्ला, विनय श्रीवास्तव, जय हिंद शर्मा, रमेश वर्मा, अश्वनी चौबे तथा हनुमान राव सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

बैठक में चुनावी रणनीति पर मंथन

अमेठी : आगामी पंचायत और विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के मद्देनजर, सपा जिला कार्यालय गौरीगंज में शनिवार मासिक बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राम उदित यादव ने की। हाल ही में सपा में शामिल हुए पूर्व मंत्री नदीम अशरफ जायसी ने पार्टी में आने के बाद पहली बार इस बैठक में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु आगामी पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव 2027 रहा। जिलाध्यक्ष राम उदित यादव ने कार्यकर्ताओं से वोटों को किसी भी हाल में न बंटने देने की पुरजोर अपील की। जिलाध्यक्ष राम उदित यादव ने कहा कि हमें जागरूक रहना है, संघर्ष करना है और 2027 में समाजवादी सरकार बनानी है। वहीं प्रवक्ता राजेश मिश्र ने बताया कि आज की बैठक में पंचायत से लेकर विधानसभा चुनाव तक की रणनीति पर चर्चा हुई।

एसपी ने जागरूकता रैली को किया रवाना

अमेठी : शनिवार से यातायात माह की शुरुआत हो गई। एसपी ऑफिस से एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता रैली में अलग-अलग स्कूलों के बच्चे शामिल हुए, जिन्होंने हाथों में यातायात संबंधी पंपलेट लेकर लोगों को जागरूक किया। दरअसल आज से पूरे प्रदेश में यातायात माह की शुरुआत हो रही है। यातायात माह के दौरान पुलिस के यातायात विभाग द्वारा यातायात जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।आज इसकी शुरुआत अमेठी के एसपी ऑफिस से हुई ।जहां एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने यातायात जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता रैली में अलग-अलग स्कूलों के बच्चे शामिल हुए जिन्होंने हाथों में यातायात संबंधी स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर लोगों को जागरूक किया। यातायात रैली एसपी ऑफिस से निकलकर पूरे गौरीगंज कस्बे का भ्रमण कर लोगों को जागरूक करेगी।

बाल जन्मोत्सव का हुआ आयोजन

लालगंज (रायबरेली) : चंद्रशेखर मेमोरियल पब्लिक इंटर कॉलेज में शांतिकुंज हरिद्वार की ओर से बाल जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. तहसीलदार सिंह पूर्व आईपीएस के द्वारा दीप प्रज्वलन एवं गायत्री मंत्र के सामूहिक उच्चारण के साथ हुआ। शांतिकुंज प्रतिनिधि दल ने बच्चों को जीवन में सदाचार, अनुशासन और संस्कारों के महत्व पर प्रेरक उद्बोधन दिया। प्रधानाचार्य ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होते हैं।कार्यक्रम में ओम प्रकाश शुक्ला ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रबंध निदेशक दीप प्रकाश शुक्ला ने भी बच्चों को आशीर्वाद दिया।

विवाद में युवक को पीट-पीटकर मार डाला

रामगंज क्षेत्र के त्रिशुंडी गांव में घर के बाहर कीचड़ में मिट्टी डालने पर हुआ खूनी विवाद, जांच जारी

संवाददाता, अमेठी

अमृत विचार। पड़ोसियों के बीच मामूली विवाद ने एक व्यक्ति की जान ले ली। घर के बाहर जमा बरसात के पानी और कीचड़ में मिट्टी डालने को लेकर हुए विवाद में दबंगों ने एक युवक को लाठी-डंडों से पीट-पीटकर मार डाला। घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। थाना रामगंज क्षेत्र के त्रिशुंडी गांव का है।

मृतक के भाई संजय यादव ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि शनिवार की सुबह लगभग 9:30 बजे उनके भाई मुकेश यादव (39) अपने दरवाजे के बगल से मिट्टी ले जाकर बरसात के पानी से बने कीचड़ में डाल रहे थे। आरोप है कि मिट्टी डालने को लेकर पड़ोसी सुकई यादव, राजेश और बृजेश ने गाली-गलौज शुरू कर दी। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि तीनों पड़ोसी जान से मारने की नियत से आए और मुकेश यादव को लात-घूसों और लाठी-डंडों से बुरी तरह पीटना शुरू कर दिया। इस हमले में मुकेश यादव को गंभीर चोटें आईं और वह घायल हो गए। गंभीर हालत में घायल मुकेश यादव को परिजन तुरंत अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद जहां पीड़ित परिवार सदमे में है, वहीं घटना को लेकर गांव में तनाव का माहौल है।

वहीं घटना की सूचना ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को दी सूचना मिलते ही रामगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

हत्या के आरोप पर ग्रामीणों ने थाना घेरा, मौत को बताया साजिश

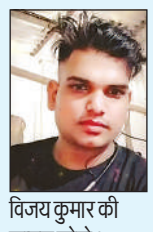

विजय कुमार की फाइल फोटो।

फुरसतगंज थाने का घेराव करते परिजन और ग्रामीण।

संवाददाता, फुरसतगंज (अमेठी), अमृत विचार। थाना क्षेत्र के फतेहपुर मवैया गांव में बीते गुरुवार की रात हुई विजय कुमार की मौत को लेकर शनिवार सुबह नया मोड़ आ गया। मृतक की पत्नी और सैकड़ों ग्रामीणों ने इसे दुर्घटना मानने से इनकार करते हुए हत्या का आरोप लगाया और तत्काल मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर फुरसतगंज थाने का घेराव किया। मृतक विजय कुमार की पत्नी प्रीति का कहना है कि उनके पति की हत्या की गई है। उन्होंने पुलिस को दिए बयान में बताया कि गुरुवार सुबह लगभग 9 बजे पड़ोसी गांव पूरे गुरु मजरे तेंदुआ निवासी लवलेश पुत्र दिनेश पासी उनके पति को दवा लाने के बहाने अपने साथ बाइक से ले गया था। लवलेश ने विजय कुमार को अपना मोबाइल भी घर पर रखने को कहा था। प्रीति ने बताया कि बाद में विजय की बुआ के लड़के ने मेरे पति को शाम करीब 6 बजे नसीराबाद स्थित शराब की दुकान पर देखा था। उस समय विजय कुमार के साथ एक व्यक्ति था, जिसने अपने मुंह पर अंगोछा बांध रखा था। पत्नी का आरोप है कि नसीराबाद से फतेहपुर मवैया आने का सीधा रास्ता मऊ होकर है, लेकिन दुर्घटना सोनार गांव के पास फुरसतगंज थाना क्षेत्र में दिखाई गई है। सबसे बड़ी बात यह है कि दुर्घटनास्थल पर लवलेश कहीं घायल नहीं हुआ और उसने मृतक के घर तक सूचना भी नहीं दी। इसके आधार पर प्रीति ने साफ कहा कि उनके पति की दुर्घटना नहीं, बल्कि हत्या की गई है और इस पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही की जाए। इन्हीं गंभीर आरोपों को लेकर सैकड़ों ग्रामीण महिला एवं पुरुष एकत्र होकर फुरसतगंज थाना पहुंचे थे। वहीं कोतवाल जायस अमरेंद्र सिंह ने प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों को मशक्कत करके शांत करा दिया गया है। उन्होंने मृतक की पत्नी की मांग को सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि तीन से चार दिन में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार हत्या का मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी। कोतवाल के इस आश्वासन पर सभी ग्रामीण सहमत होकर वापस लौट गए। इस दौरान प्रधान फतेहपुर मवैया मोहम्मद ईशा, पोठाई गांव के पूर्व प्रधान रामू मिश्रा, शिव मोहन पासी, सूरज, अजय सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

मारपीट में घायल युवक की हुई मौत से गुस्साए परिजनों का प्रदर्शन

हंगामे के बीच परिजनों से बातचीत करते एसडीएम व सीओ। अमृत विचार

संवाददाता, फुरसतगंज (अमेठी)

- चक दहिरा मऊ मजरे केसरिया सालिमपुर के आक्रोशित ग्रामीणों ने कार्रवाई व मुआवजे की मांग की

अमृत विचार। फुरसतगंज थाना क्षेत्र में छह दिन पहले हुई मारपीट की घटना में घायल युवक की मौत के बाद शुक्रवार को गांव में हंगामा खड़ा हो गया। परिजनों और ग्रामीणों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। साथ ही उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की।

यह मामला फुरसतगंज थाना क्षेत्र के चक दहिरा मऊ मजरे केसरिया सालिमपुर का है। बीते 26 अक्टूबर को शुभम सिंह पुत्र जगरूप सिंह निवासी रामबारी मजरे सराय महेशा थाना जायस, हौसला प्रसाद पुत्र रमल को अपने ट्रैक्टर पर काम कराने के लिए ले गया था। मजदूरी मांगने पर दोनों के बीच विवाद हुआ और शुभम ने हौसला प्रसाद की लात-घूंसों से पिटाई कर दी। आरोप है कि इसके बाद शुभम ने उसे शराब पिलाकर रात में बेहोशी की हालत में घर छोड़ दिया था। घटना के बाद परिजनों ने पुलिस को तहरीर दी थी, लेकिन पुलिस ने मामूली धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। वहीं घायल हौसला प्रसाद की मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों में भारी नाराजगी फैल गई। उन्होंने गांव में एकत्र होकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। ग्रामीणों ने आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करने और पीड़ित परिवार को मुआवजा दिए जाने की मांग की। ग्रामीणों के हंगामे की सूचना मिलते ही फुरसतगंज, मोहनगंज और जायस कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद सीओ तिलोई दिनेश मिश्रा और एसडीएम तिलोई अमित कुमार सिंह भी गांव पहुंचे। अधिकारियों ने पीड़ित परिवार से बातचीत कर उन्हें शासन की ओर से मुआवजा और धाराओं में बदलाव का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने बताया कि मुख्य आरोपी शुभम सिंह को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

वहीं ग्राम प्रधान अब्दुल वहाब ने बताया कि हौसला प्रसाद मजदूरी करता था। उसके परिवार में पत्नी कीर्ति, बेटा करन और तीन बेटियां माधुरी, मधु और दीपका हैं। मौत से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

गाजे-बाजे के साथ निकली कलश यात्रा

संवाददाता, अमेठी

भव्य कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु।

अमृत विचार। सात दिनों तक चलने वाले सात दिवसीय श्रीराम कथा की कलश यात्रा के साथ शुरुआत हो गई। कलश यात्रा कथा स्थल से निकलकर श्रद्धालुओं व कथावाचक स्वामी पूरी महाराज के नेतृत्व में गाजे-बाजे के साथ पूरे कस्बे का भ्रमण करने के बाद कथा स्थल पर जाकर समाप्त हुई।

दरअसल अमेठी के जिला मुख्यालय गौरीगंज स्थित कलेक्ट्रेट के सामने पूरे नेमधर पंडित गांव में शनिवार से श्रीराम कथा की शुरुआत हो गई। श्रीराम कथा का आयोजन प्रेस क्लब अध्यक्ष शीतला प्रसाद मिश्र द्वारा करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि महामृत्युंजय मठ महाकाल उज्जैन के कथा वाचक स्वामी पूरी महाराज के द्वारा श्रीराम कथा का श्रवण भक्तों को करवाया जाएगा। ये कथा शनिवार यानी 1 नवम्बर से शुरू होकर 7 नवंबर तक चलेगी। इसके बाद आठ नवंबर को भंडारे के बाद समापन होगा।

लौकापुर ग्राम में 30 बेड के पुराने अस्पताल को जल्द चालू करने की तैयारी

संवाददाता, अमेठी

लौकापुर में बंद पड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण करते डीएम व सीएमओ।

- जिलाधिकारी और सीएमओ ने अस्पताल का किया निरीक्षण
- ग्रामीण स्वास्थ्य को मिलेगी नई गति

अमृत विचार। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अमेठी के भेंटुआ ब्लॉक स्थित लौकापुर ग्राम सभा की पुरानी अस्पताल इमारत का संयुक्त टीम ने गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी संजय चौहान और मुख्य चिकित्सा अधिकारी अंशुमान सिंह मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने पुरानी अस्पताल इमारत की मौजूदा स्थिती का बारीकी से जायजा लिया और इसे जल्द से जल्द क्रियाशील बनाने की संभावनाओं पर विचार किया। निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी संजय चौहान ने कहा कि इस पुरानी इमारत में 30 बेड का अस्पताल स्थापित किया जाएगा, जिसे जल्द से जल्द चालू किया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस पहल से दूर-दराज से आने वाले मरीजों को बेहतर इलाज की सुविधा मिल सकेगी। स्थानीय प्रशासन इस अस्पताल को पूर्ण रूप से सक्रिय करने के लिए कार्यरत है। जिलाधिकारी ने इस पहल को ग्रामीण क्षेत्र के स्वास्थ्य विकास में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आगे भी ऐसे कदम उठाए जाएंगे, जिससे क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार मिल सके और उन्हें बेहतर इलाज के लिए दूर न जाना पड़े।

राजकीय बालिका हाई स्कूल से एलईडी टीवी चोरी

महराजगंज (रायबरेली)। चंदापुर थाना क्षेत्र के मऊ गर्वी स्थित राजकीय बालिका हाई स्कूल से शुक्रवार की रात ताला तोड़ कर अज्ञात चोरों ने एलईडी टीवी को पार कर दिया। सुबह प्रधानाध्यापक पूजा सिंह विद्यालय पहुंचीं तो उन्होंने स्टाफ रूम के दरवाजे का ताला टूटा पाया। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि वहां लगी एलईडी टीवी गायब है। प्रधानाध्यापक ने घटना की लिखित सूचना स्थानीय पुलिस को दी है।

बैसवारा महाविद्यालय में एनसीसी कैडेट्स को दिया गया प्रशिक्षण

लालगंज, (रायबरेली)। बैसवारा महाविद्यालय में एनसीसी के संयुक्त वार्षिक अधिवेशन में फायर फाइटिंग एवं फर्स्ट एड का प्रशिक्षण दिया गया। मीडिया प्रभारी डॉ .रमेश चंद्र यादव ने बताया कि जिले के विभिन्न कॉलेजों के 518 एनसीसी कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम यूनिट के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल बीएस पाल की उपस्थिति में संपन्न हुआ। लालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की डॉ. नीतू सिंह ने कैडेट्स को फर्स्ट एड में सीपीआर और सफाई के बारे में प्रशिक्षित किया। लालगंज फायर पुलिस द्वारा कैडेट्स को फायर फाइटिंग के विभिन्न आयामों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। प्रशिक्षण में एएनओ, कैप्टन अमित कुमार भारती, लेफ्टिनेंट सतेन्द्र कुमार सिंह, लेफ्टिनेंट संजीत सिंह चौहान, लेफ्टिनेंट अरुण कुमार, लेफ्टिनेंट अखंड प्रताप सिंह, लेफ्टिनेंट राजेंद्र कुमार, सीनियर जेसीओ संजय तथा जगमोहन सिंह उपस्थित रहे। प्राचार्य डॉ. निरंजन राय एवं प्रबंधक लाल देवेंद्र बहादुर सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 6 नवंबर तक चलता रहेगा।

जिलाधिकारी व एसपी ने सुनीं लोगों की समस्याएं

संवाददाता, अमेठी, अमृत विचार। अमेठी की चारों तहसीलों-अमेठी, तिलोई, गौरीगंज और मुसाफिरखाना में 'संपूर्ण समाधान दिवस' का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी संजय चौहान ने स्वयं तहसील अमेठी में उपस्थित होकर लोगों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान डीएम ने अधीनस्थ अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण करने के निर्देश दिए। चारों तहसीलों में आईं कुल 146 शिकायतों में से मात्र 16 का ही निस्तारण किया जा सका। समाधान दिवस के मौके पर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों को लंबित न रखा जाए और उनका प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जन सामान्य की शिकायतों का निस्तारण मुख्यमंत्री की प्राथमिकता है। वहीं अमेठी तहसील में कुल 36 शिकायतों में से केवल एक, तिलोई में 34 शिकायतों में से 4 व गौरीगंज में आईं 47 शिकायतों में से केवल 6 का ही निस्तारण किया जा सका। इसके अलावा मुसाफिरखाना में आईं कुल 29 शिकायतों में से मात्र 5 का निदान हो सका।

सर्विलांस टीम ने 75 मोबाइल किए बरामद

अमेठी, अमृत विचार। जिले की एसओजी और सर्विलांस टीम ने गायब हुए 75 कीमती मोबाइल को बरामद किया है। बरामद मोबाइल फोन की कीमत करीब 11 लाख रुपए है। आज एसपी ऑफिस सभागार में एएसपी ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने सभी मोबाइल स्वामियों को उनके मोबाइल को सौंपा। अपने खोये मोबाइल पाकर लोगों ने अमेठी पुलिस को धन्यवाद दिया। दरअसल अमेठी में लोगों के बड़ी संख्या में अलग-अलग माध्यमों से मोबाइल फोन गायब हो गए थे, जिसकी शिकायत इन लोगों के द्वारा थाने या फिर एसपी ऑफिस में की गई थी। लोगों की शिकायत के बाद सर्विलांस टीम द्वारा इसकी तलाश शुरू की गई जिसके बाद जिले की सर्विलांस टीम और स्वाट टीम में लोगों के गायए हुए 75 कीमती मोबाइल को देश के अलग-अलग राज्यों से बरामद किया। यह सभी मोबाइल लखनऊ, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, बाराबंकी, रायबरेली, गोरखपुर, राजस्थान, हरियाणा व पंजाब आदि राज्यों से बरामद किए गए। बरामद सभी मोबाइल की कीमत करीब 11 लाख रुपए है। शनिवार को एसपी सभागार में एएसपी ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने सभी मोबाइल स्वामियों को उनके गायब मोबाइल फोन को सौंप दिया। अपने गायब हुए मोबाइल फोन को पाकर मोबाइल स्वामियों के चेहरे पर मुस्कान आ गई और उन्होंने अमेठी पुलिस को धन्यवाद दिया। मोबाइल बरामद करने वाली टीम में सर्विलांस प्रभारी दयाशंकर मिश्र, स्वाट टीम प्रभारी अनूप सिंह, हेड कांस्टेबल पवनेश कुमार यादव, आलोक कुमार सिंह आशीष सिंह, चौहान बृजेश सिंह, कपिल सिंह, शिवराम, कांस्टेबल मनीष कुमार, जय हिंद यादव, सिकंदर अली और शिव प्रकाश मौर्य आदि शामिल रहे।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी सरेनी-रायबरेली

पत्रांक 3268/आंकिक/रा.वि./15 वॉ.वि.यो./2025-26 दिनांक- 01.11.2025

निविदा सूचना

राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त योजना के अन्तर्गत वर्ष 2025-26 में क्षेत्र पंचायत-सरेनी रायबरेली द्वारा प्रस्तावित निम्नलिखित निर्माण कार्य कराये जाने हेतु निर्माण कार्यदायी संस्थाओं में पंजीकृत ठेकेदारों / कार्यदायी संस्थाओं से मुहरबन्द निविदाये आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से दिनांक 03.11.2025 से 17.11.2025 अपरान्ह 2:00 बजे तक किसी भी कार्य दिवस में निर्धारित शुल्क नकद जमा कर खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय से प्राप्त किये जा सके है। निविदा दाताओं द्वारा अपनी मुहरबन्द निविदा दिनांक 18.11.2025 को अपरान्ह 3:00 बजे खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से अथवा रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से जमा की जा सकती है। निर्धारित तिथि एवं समय के उपरान्त प्राप्त होने वाली निविदाओं पर कोई भी विचार नहीं किया जायेगा। प्राप्त समस्त निविदायें दिनांक 18.11.2025 को ही अपरान्ह 4:00 बजे निविदा दाताओं / उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में निविदा समिति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र के साथ निविदा दाता के पैनकार्ड, जी0एस0टी0 पंजीकरण प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, हैसियत प्रमाण पत्र एवं सौ रू0 के स्टॉम्प पेपर पर फोटो सहित स्वघोषणा पत्र, जो नोटरी द्वारा प्रमाणित हो, भी संलग्न करना होगा। निविदा प्रपत्र पर कोई कटिंग अथवा उपरिलेखन मान्य नहीं होगा। निविदा को किसी भी समय बिना कारण बताए निरस्त / स्थगित करने का अधिकार खण्ड विकास अधिकारी सरेनी रायबरेली में निहित होगा। किसी भी विवाद की स्थिति में विवाद का निर्णय द्विपक्षीय वार्ता द्वारा किया जायेगा तथा अधोहस्ताक्षरी का निर्णय अन्तिम रूप से मान्य होगा।

क्र0 सं0	योजना का नाम	ग्राम पंचायत	कार्य का विवरण	धनू (लाख में अनु)	जमा0 2 प्रति की धनु0	निविदा फार्म मूल्य
1	2	3	4	5	6	7
1	राज्य वित्त	हरीपुर	पियूष सिहं के घर से धीरेन्द्र सिहं खते तक इ0ला0 मरम्मत	5.25	0.105	1050
2	राज्य वित्त	मथुरपुर	पूरे चित्ता में सुबोध सिहं मास्टर के घर से रमेश सिहं के घर तक इ0ला0	5.25	0.105	1050
3	राज्य वित्त	पहुरी (कुशलखेडा)	कुशलखेडा पक्की सडक से मन्दिर तक इ0ला0	6.50	0.130	1300
4	अनटाइड	नीबी	पूसू के घर के पास से लाला भुजवा के घर तक इ0ला0	2.50	0.050	500
5	अनटाइड	रानीखेडा	गुरुदीन पाल के दरवाजे से महिपाल के दरवाजे तक इण्टरलाकिंग निर्माण	8.50	0,170	1400
6	अनटाइड	पाठकखेडा	राजापुर के ऊचगांव रोड से (शीतला मन्दिर) गुड्डू के घर तक इण्टरलाकिंग निर्माण	8,50	0.170	1400
7	टाइब	दरियापुर	अमरेश सिंह के घर के पास से शिवसेवक के घर के पास तक 200 मी0 नाला नि0 (2024-25)	9.00	0.180	1400
8	राज्य वित्त	उमरापुर	गौशाला में हाई मास्क लाइट स्थापना	6.00	0.120	1200
9	राज्य वित्त	कोडरा	गौशाला में हाई मास्क लाइट स्थापना	6.00	0.120	1200
10	राज्य विता	चकचोरहिया	गौशाला में हाई मास्क लाइट स्थापना	6.00	0.120	1200
11	राज्य वित्त	सिधौरतारा	गौशाला में हाई मास्क लाइट स्थापना	6.00	0.120	1200
12	राज्य वित्त	रानीखेडा	डा0 पवन अग्निहोत्री के घर से धर्मेन्द्र गौड के घर तक इ0ला0 100 मी0	6.00	0.120	1200
13	राज्य वित्त	हमीरगांव	मुख्य मार्ग से गगेश्वर मन्दिर तक इ0ला0 150 मी0	6.00	0.120	1200
14	राज्य वित्त	नीबी	भोलापाल के घर से अमृत लाल गुप्ता तक इ0ला0 50 मी0	2.50	0.050	500
15	राज्य वित्त	रसूलपुर	सोहन बैरागी के दरवाजे से सी0सी0 रोड तक इ0ला0	8.00	0.16	1400

कार्यो के आगणित कुल मूल्य की 2 प्रतिशत अर्नेस्ट मनी की धनराशि का राष्ट्रीय बचत पत्र, आर0डी0 पासबुक अथवा एफ0डी0आर0 जो अधोहस्ताक्षरी के पदनाम से बन्धक होगा निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न किया जायेगा तथा जिस ठेकेदार की निविदा स्वीकृत की जायेगी उसे अवशेष 8 प्रतिशत धनराशि (धरोहर राशि) का राष्ट्रीय बचत पत्र, आर0डी0 पासबुक अथवा एफ0बी0आर0 जो अधोहस्ताक्षरी के पदनाम से बनाक होगा, के जमा करने के उपरान्त ही कार्यादेश निर्गत किया जायेगा। भुगतान से पूर्व रायल्टी का एम0एम0-11 जमा करना अनिवार्य होग

खण्ड विकास अधिकारी
सरेनी-रायबरेली

आस्था | भोजपुर स्थित दशा रानी मंदिर में सुबह से लगने लगे माता के जयकारे

देवोत्थान एकादशी में पूजा-अर्चना के लिए उमड़े श्रद्धालु

संवाददाता, सरेनी (रायबरेली)

भोजपुर स्थित दशा रानी मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए लगी भक्तों की भीड़। अमृत विचार

अमृत विचार। क्षेत्र के भोजपुर स्थित दशा रानी मंदिर में लाखों श्रद्धालु देवोत्थान एकादशी में पूजा-अर्चना के लिए उमड़े रहे। तड़के से ही माता के जयकारे लगना शुरू हो गया। देर शाम तक लोगों का जमावड़ा लगा रहा। यहां पर श्रद्धालुओं में लूटकर प्रसाद ग्रहण किया जाता है।

गौरतलब है कि यहां बाजार के दक्षिण पश्चिम में मां दशारानी का मंदिर है, जहां हर वर्ष देवोत्थान एकादशी को श्रद्धालु एकत्र होते हैं। मान्यता है कि यहां पर मनोकामना पूरी हो जाने पर खोए का मिठाई प्रसाद के तौर पर चढ़ाने की प्रथा है। बाद में प्रसाद पाने के लिए श्रद्धालुओं में होड़ मच जाती है। यहां तक कि मां दशा रानी मंदिर में पूजा अर्चना के लिए श्रद्धालु प्रसाद छीन कर खाते हैं, जिसे कोई बुरा भी नहीं मानता है। सैकड़ों वर्षों से चली आ रही यह परंपरा आज भी बरकरार है।

सुबह चार बजे से ही यहां मेला जैसा नजारा रहता है। भोजपुर पुलिस चौकी और सरेनी थाने की पुलिस भी एहतियात के तौर पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा में लगा दी जाती है। हालात इस तरह हो जाते हैं कि सरेनी, भोजपुर सहित आसपास की मंडियों की मिठाई खत्म हो जाती है, लेकिन श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं होता। यहां का नजारा देखने से लगता है कि श्रद्धालुओं की आस्था ने आज सारी सीमाएं तोड़ दी है। क्षेत्र की रत्ना मिश्रा और शशि श्रीवास्तव कहती है कि यहां पर मइया से सच्चे मन से मांगी हर मन्नत पूरी होती है। दिव्या मिश्रा का कहना है कि हर साल यहां पर पुजा करने के लिए आती हूं। मां की कृपा से ही हमारा परिवार खुशहाल है। सरोज देवी (प्रधान), अनीता पांडेय का कहना है कि मइया की महिमा अपरम्पार है। आज तक यहां पर कभी कोई निराश नहीं लौटा है। दीक्षा श्रीवास्तव ने बताया कि माताजी में अद्भुत शक्ति है।

न्यूज ब्रीफ

कथा में समुद्र मंथन का सुनाया प्रसंग

सांडी, हरदोई। कस्बे के प्राचीन एवं ऐतिहासिक बाबा कमलेश्वर नाथ महादेव मंदिर सतमठिया में चल रहे रुद्र महायज्ञ महोत्सव के 46वें वर्ष का आयोजन भक्ति और आस्था के बीच जारी है। महोत्सव के पांचवें दिन भगवताचार्य बालकृष्ण शुक्ल जी महाराज ने श्रीमद्भागवत कथा के माध्यम से भक्तों को आध्यात्मिक ज्ञान का अमृतपान कराया। आचार्य ने अत्यंत मार्मिक ढंग से समुद्र मंथन प्रसंग का वर्णन किया। बताया कि जब देवता और दैत्य, अमृत प्राप्ति के लिए एक साथ हुए तो भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण कर देवताओं को अमृतपान कराया और दैत्यों को वंचित रखा। यह कथा जीवन में सद्भाव, धैर्य और परिश्रम बनाए रखने के महत्व का संदेश देती है।

जंगली सुअर के हमले में सभासद की पत्नी घायल

मल्लावां, हरदोई, अमृत विचार। कस्बे में जंगली सुअर के हमले से सभासद की पत्नी घायल हो गईं। घायल का उपचार प्राइवेट अस्पताल में कराया जा रहा है। मिर्जापुर काजीटोला निवासी दिलीप सभासद की 55 वर्षीय पत्नी आशा जो शाम 4 बजे हीरो एजेंसी के पीछे थे, तभी अचानक एक जंगली सुअर ने उन पर हमला कर दिया। जिसमें घायल हो गईं। सभासद दिलीप ने बताया कि इससे पूर्व भी जंगली सुअर ने कई लोगों पर हमला किया है। वन विभाग जंगली सुअर के हमले से अंजान बना हुआ है।

मन्नत मांगकर जलाये गौसे पाक के चिरागे

संडीला, हरदोई। क्षेत्र के अंतर्गत चल रहे। 34वें वार्षिक उर्स व मेले में रात गौस पाक का चरागा और वंही दूसरी तरफ चोकरा का आयोजन किया गया। जिसमें दस दिवसीय झाड़ी शाह उर्स मेले के अध्यक्ष व उनके परिवार के द्वारा उनके आवास से उठाया गया और दरगाह शरीफ पर पेश किया गया। दरगाह हजरत रब्बानी शाह कादरी और झाड़ी शाह बाबा की मजार पर सभी ने गौसपाक का चिरागा जलाते हुए अपनी मुरादे मांगी और अमन शांति की दुआ की। सज्जादा नशीन हारून इदरीशी ने कव्वाली सुनी।

तीन क्रय केंद्रों पर खरीद शून्य, डीएम नाराज

धान खरीद की समीक्षा बैठक में खुली पोल, ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित क्रय केन्द्रों पर कम खरीद

संवाददाता, हरदोई

अनुनय झा, जिलाधिकारी।

अमृत विचार। जनपद में छह क्रय एजेंसियों (खाद्य विभाग, पीसीएफ, पीसीयू, यूपीएसएस, मण्डी एवं भा.खा.नि.) के क्रय केन्द्रों पर अब तक 1166 किसानों से 7843.00 मी. टन धान की खरीद की गई। तीन क्रय केन्द्रों पर खरीद शून्य पाई गई। वहीं मण्डियों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित क्रय केन्द्रों पर कम धान खरीद की गई है। जिलाधिकारी ने इस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को चेतावनी दी है। जिलाधिकारी ने समस्त जिला प्रबन्धकों को चेतावनी दी है कि ग्रामीण क्षेत्रों के क्रय केन्द्रों पर अगले तीन दिवसों में खरीद में सुधार लाना सुनिश्चित करें अन्यथा सम्बन्धित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने शनिवार को विवेकानन्द सभागार, कलेक्ट्रेट परिसर में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत धान खरीद की समीक्षा बैठक की। जिसमें अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), जिला खाद्य विपणन अधिकारी, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता, जिला प्रबन्धक, पीसीयू, पीसीएफ, यूपीएसएस, भा.खा.नि. एवं समस्त मण्डी सचिव उपस्थित रहे, साथ ही वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से समस्त उपजिलाधिकारी एवं सहायक चकबन्दी अधिकारी जुड़े थे। डीएम ने समस्त उप जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि तीन दिवस के अन्दर कृषक का सत्यापन सुनिश्चित करायें। खरीद में प्रगति लाएं एवं क्रय केन्द्रों का निरीक्षण कर भौतिक सत्यापन करें। इसके अतिरिक्त डीएम ने समस्त जिला प्रबन्धकों को निर्देशित किया कि क्रय केन्द्रों पर नियमानुसार खरीद सुनिश्चित की जाए। अकारण किसी किसान को परेशान न किया जाये। नियमानुसार टोकन वितरित करते हुए मानक अनुरूप खरीद की जाए।

पीड़ित को समय पर न्याय दिलाने के साथ अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए

हरदोई, अमृत विचार। जिलाधिकारी अनुनय झा ने शनिवार को तहसील बिलग्राम में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की समस्याएं सुनीं। अधिकारियों को निर्देश दिए कि समस्त निर्माण कार्यों को गुणवत्तापरक ढंग से पूर्ण करायें। केंद्र व प्रदेश की योजनाओं को समस्त पात्र लोगों तक पहुंचाएं। हर पीड़ित को समय पर न्याय दिलाने के साथ अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। राजस्व विभाग के कानूनगों एवं लेखपालों को निर्देश दिये कि सभी ग्राम पंचायतों एवं ग्रामों का निरीक्षण करें। सरकारी एवं गरीबों की अवैध रूप से की गई भूमि को चिन्हित करें और भूमाफि पर कड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस बल के सहयोग से सभी भूमि कब्जा मुक्त करायें। जिला पूर्ति को निर्देश दिये कि राशन वितरण में अनियमितता करने वाले दुकानों को निरस्त करें। विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि क्षेत्र में निर्धारित रोस्टर के अनुसार उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति करें। उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करने का प्रयास करें। कहा कि जिन पेंशनरों की पेंशन किसी कारण बंद हो गई है उनका सत्यापन कराकर पेंशन पुनः बहाल करायें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में अन्य विभागों की प्राप्त शिकायतों के संबंध में जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्राप्त शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा में करायें। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. भावनाथ पांडे, जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार, उप जिलाधिकारी बिलग्राम, सीओ बिलग्राम अन्य जिलास्तरीय अधिकारी आदि मौजूद रहें।

जिले की बैंकों में छह लाख से अधिक निष्क्रिय खातों में 150 करोड़ से अधिक धनराशि : डीएम

हरदोई, अमृत विचार। बैंकों में ऐसे खाताधारकों जिनके खाते में 10 वर्ष से अधिक समय से लेन-देन नहीं होता है, उनके खाते में पड़ी धनराशि केन्द्रीय बैंक को स्थानांतरित कर दी जाती है। जनपद में ऐसे छह लाख से अधिक निष्क्रिय खाते हैं जिनमें 150 करोड़ से अधिक धनराशि अकारण ही पड़ी है अगर यह धन वापस आ जाए तो जन-कल्याण के कार्य में उपयोग किया जा सकेगा। यह जानकारी जिलाधिकारी अनुनय झा ने शनिवार को उप कृषि निदेशक सभागार, बिलग्राम चुंगी में 'आपकी पूंजी, आपका अधिकार' जागरूकता अभियान के तहत आयोजित वित्तीय जागरूकता शिविर में दी। जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में बैंक आफ इंडिया अंचल के आंचलिक प्रबंधक किरन पाठक, आरबीआई के सहायक महाप्रबंधक अमित गुप्ता, अग्रणी जिला प्रबंधक अरविंद रंजन, सभी बैंक के जिला समन्वयक, आरसेटी कर्मचारी, बीमा कंपनी के प्रतिनिधि, सीएफएल कार्यकर्ता, बैंक बीसी आदि मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने बताया कि इस प्रकार के ग्राहकों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से लोगों को आमंत्रित किया गया। उपरोक्त शिविर का आयोजन समस्त शाखाओं में 31 दिसम्बर तक जारी रहेगा।

उत्साह के साथ मनाई गई देवोत्थानी एकादशी, मां गंगा की हुई भव्य आरती

हरदोई, अमृत विचार। देवोत्थानी एकादशी पूरे जिले में श्रद्धा व आस्था के साथ मनाया गया। चौक मनाकर गन्ने व आंवले का पूजन किया गया। बताते चले कि धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान विष्णु आषाढ़ माह की शुक्ल पक्ष एकादशी को योग निद्रा में चले जाते हैं। चार महीने बाद कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष को जब वह निद्रा से जागते हैं उसी दिन देवोत्थान एकादशी मनाई जाती है। इस दिन से मांगलिक कार्य होना शुरू हो जाते हैं। शनिवार को श्री हरि का पूजन पूरे श्रद्धा व आस्था के साथ किया गया। आंगन में चौक बनाकर गन्ने, आंवले, सिंघाड़े का भोग लगाते हुए पूरे विधि विधान से भगवान श्री हरि का पूजन किया गया। देवोत्थानी से संबंधित कथाएं श्रवण की गईं। देवोत्थानी एकादशी पर गन्ने का पूजन किया जाता है। शुक्रवार रात से ही नगर में विभिन्न स्थानों पर गन्ने की बिक्री की जाने लगी। गन्ना 20 से 30 रुपये तक का बिका।

देवोत्थानी एकादशी पर गन्ने की पूजा करते श्रद्धालु।

वहीं देवोत्थानी एकादशी पर बिलग्राम के बेरियाघाट पर शनिवार की शाम भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। आरती के दौरान गंगा तट पर दीपों की अद्भुत आभा बिखरी और हर हर गंगे के जयघोष से पूरा वातावरण गूंज उठा। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने आरती कर मां गंगा से लोक कल्याण की कामना की। इस अवसर पर एडीएम, उप जिलाधिकारी बिलग्राम, सीओ बिलग्राम रवि प्रकाश सिंह, एवं नगर पालिका परिषद बिलग्राम के अध्यक्ष अनिल राठौर भी मौजूद रहे।

भ्रूण हत्या पर अंकुश लगाने को सीएमओ को सौंपा शिकायती पत्र

संवाददाता, हरपालपुर, हरदोई

अमृत विचार। मानवाधिकार सुरक्षा संगठन के जिला अध्यक्ष सुनीत पाण्डेय द्वारा शनिवार को सीएमओ से मिलकर ह कस्बे सहित आसपास इलाके में चल रहे निजी अस्पतालों में हो रही भ्रूण हत्याओं पर रोक लगाने के लिए लिखित शिकायती पत्र देकर जांच कराए जाने की मांग की गयी।

संगठन के पदाधिकारियों ने शिकायती पत्र में कहा है कि हरपालपुर ब्लॉक के निजी अस्पतालों में काफी समय से भ्रूण हत्यायो का सिलसिला खुलेआम जारी है। जिसमे सीएचसी पर तैनात आशा बहुओं की पूर्ण भागेदारी रहती है। निजी अस्पताल संचालक व आशा बहुएँ चंद पैसों के लालच में अवैध गर्भपात करवाते है। इस बात को लेकर कई बार संगठन ने सीएचसी हरपालपुर में भी अवगत कराया, लेकिन इस अबैध कारोबार पर अभी तक कोई अंकुश नही लग सका और न ही कोई कानूनी कार्रवाई की गई। संगठन ने गैरकानूनी कार्य कर रहे लोगो पर कार्यवाही कर इन निर्मम हत्यायों को रोकने के लिए सीएमओ भवनाथ पांडेय से मिलकर जांचोपरांत कार्यवाई की मांग की।

चिकित्सक ने पेश की मानवता की मिसाल

पाली, हरदोई, अमृत विचार। चिकित्सक को ऐसे ही नहीं धरती का भगवान कहा जाता है। समय समय पर ऐसे उदाहरण पेश किए जाते रहे हैं। ऐस ही एक उदाहरण पेश किया है 100 सैया अस्पताल हरदोई में तैनात डा. सुरजीत कुमार ने। पाली क्षेत्र में खौलते पानी में गिरकर बुरी तरह जले बच्चे को बाजार की दवा भिजवाई और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। पाली क्षेत्र के गुटकामऊ गांव निवासी सुनील शर्मा का पुत्र गर्म पानी से जल गया था, उसके पास इलाज के पैसे नहीं थे। इसकी जानकारी मिलने पर 100 शैय्या अस्पताल में तैनात डा. सुरजीत कुमार ने अपने पास से उसको दवाइयां भिजवाई।

मिलकर झूमो नाचो, आया जन्मदिन बाबा का

- परि भक्तों ने धूमधाम से मनाया बाबा खाटू श्याम का जन्मोत्सव

संवाददाता, हरदोई/माधौगंज

अमृत विचार। कार्तिक एकादशी तिथि बाबा श्याम के जन्मदिन के रूप में मनाई जाती है। इस अवसर पर स्थानीय श्री खाटू श्याम मंदिर में विशेष आयोजन व पूजन अर्चन कार्यक्रम आयोजित किए गए। बाबा श्याम के जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्याम भक्तों की लंबी लाइने सुबह से लग गई जो पूरे दिन से लेकर देर रात्रि तक चलती रही। बाबा श्याम के जन्मदिन के उपलक्ष्य में कोई बाबा श्याम के लिए केक लेकर आ रहा था। कोई छप्पन भोग कोई इत्र की बौछार कर रहा था। इस अवसर पर श्याम प्रेमी गौरव अग्रवाल व संगीतकार संकेत तिवारी ने निर्मित हरदोई बाबा श्याम मंदिर के भजन का लोकार्पण किया।

श्री खाटू श्याम मंदिर में दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालु। ● अमृत विचार

इसके अलावा माधौगंज कस्बे में खाटू श्याम के जन्मदिन पर भण्डारे का आयोजन किया गया। कस्बे में स्थित कटरा-बिल्हौर हाईवे पर एक हास्पिटल के डायरेक्टर प्रभात सिंह शिवा ने भगवान खाटू श्याम के जन्मदिन पर विशाल भण्डारे का आयोजन किया। डा. रोहित पाल, डा रवि यादव, सुधीर कुमार गुरु सहित भक्तों ने खाटूश्याम की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित के साथ हलुआ का भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया।

डंपर की टक्कर से मोपेड सवार व्यवसायी की मौत

संवाददाता, हरदोई, मल्लावां

नन्हे की फाइल फोटो।

● बिल्हौर-कटरा हाई-वे पर फरहत नगर रेलवे क्रासिंग के पास हुआ हादसा

अमृत विचार। बेटी को उसकी ससुराल छोड़ कर घर रहे मोपेड सवार किराना व्यवसायी को डंपर ने टक्कर मार दी, उसे मेडिकल कालेज पहुंचाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। घर वाले उसका शव उठा ले गए, अगले दिन मल्लावां पुलिस ने शव को अपने कब्ज़े में लेते हुए उसका पोस्टमार्टम कराया है।

मल्लावां कोतवाली के तेजीपुर निवासी नन्हे (51) गांव में परचून का व्यवसाय करता था। शुक्रवार को नन्हे अपनी बेटी रोशनी को छोड़ने उसकी ससुराल तकिया मजरा सौतेरा माधौगंज गया हुआ था, जहां से देर शाम को अपनी मोपेड से वापस लौट रहा था, उसी बीच बिल्हौर-कटरा हाई-वे पर फरहत नगर रेलवे क्रासिंग के मल्लावां की तरफ पहुंचते ही तेज़ रफ्तार डंपर ने उसे टक्कर मार दी, जिससे नन्हे बुरी तरह से घायल हो गया, उसे मेडिकल कालेज पहुंचाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। घर वाले शव गांव उठा ले गए, जहां अगले दिन शनिवार को पुलिस ने शव को कब्ज़े में लेते हुए उसका पोस्टमार्टम कराया है। नन्हे के परिवार में तीन बेटे ओम हरि, रघुवीर व देवराज के अलावा उसकी तीन बेटियां है, तीनों बेटियों की शादी हो चुकी है।

नवीन गल्ला मण्डी में सड़क पर पड़ा मिला पल्लेदार का शव

हरदोई, अमृत विचार। नवीन गल्ला मण्डी माधौगंज में आढ़त पर पल्लेदारी करने वाले युवक का शव वहीं सड़क पर पड़ा देखा गया। जहां एक तरफ हादसा, वहीं दूसरी तरफ हत्या किए जाने की अटकलें लगाई जा रहीं हैं। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। साण्डी कस्बे के मोहल्ला नवाबगंज निवासी 24 वर्षीय मोहन पुत्र कल्लू नवीन गल्ला मण्डी माधौगंज में महावीर गुप्ता की आढ़त पर पल्लेदारी करता था। उसके छोटे भाई शानू ने बताया कि शुक्रवार की रात में मोहन की मां सरला से फोन पर बात हुई थी, उसने सुबह घर आने की बात कही थी। उसी बीच आधी रात में पता चला कि मोहन का शव मण्डी में महावीर गुप्ता की आढ़त के सामने पड़ा था। इसका पता होते ही वहां पहुंची पुलिस ने शव कब्ज़े में लेते हुए पूछताछ शुरु की। मोहन की मौत की गुत्थी हादसा और हत्या के बीच उलझी हुई है, पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सहकारी समिति के अध्यक्ष के इकलौते बेटे और उसके दोस्त की हादसे में मौत

संवाददाता, हरदोई

अभय व मोहित की फाइल फोटो।

● कैंटीन बंद कर लौटते समय हुए हादसे का शिकार

अमृत विचार। साधन सहकारी समिति के अध्यक्ष का इकलौते बेटे व उसके दोस्त की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब अध्यक्ष का बेटा कैंटीन बंद करने के बाद अपने दोस्त के साथ बाइक से वापस लौट रहा था। बीच रास्ते में तेज़ रफ्तार गाड़ी ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे दोनों के सिर में गहरी चोट पहुंची और मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया है।

कोतवाली शहर के मोहल्ला सुभाष नगर निवासी छोटे भइया के पुत्र मोहित (20) की सैतियापुर शराब ठेके के बगल में कैंटीन थी। साण्डी थाने के खेरवा अमजदपुर मजरा सदुल्लापुर निवासी और शहर में बावन चुंगी पर रह रहे साधन सहकारी समिति सैतियापुर के अध्यक्ष व शक्ति केन्द्र संगैचामऊ के संयोजक का पुत्र अभय (18) उसकी गहरी दोस्ती थी। अभय तीन बहनों में अकेला भाई था। शुक्रवार को मोहित अपनी कैंटीन पर था, अभय भी वहीं पहुंच गया था। देर शाम कैंटीन बंद कर दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। रास्ते में बावन रोड पर समुदा और बिस्कुला के बीच तेज़ रफ्तार गाड़ी ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, दोनों को मेडिकल कालेज पहुंचाया गया, जहां अभय की मौत हो गई। मोहित को हायर सेंटर लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया। उसे लखनऊ ले जाया जा रहा था, उसी दौरान रास्ते में उसकी भी मौत हो गई। कोतवाली शहर पुलिस ने अभय और कोतवाली देहात पुलिस ने मोहित के शव को कब्ज़े में लेते पोस्टमार्टम कराया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से डाला ड्राइवर का हाथ कटा

बिलग्राम, हरदोई, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के पुसेड़ा गांव के पास शुक्रवार रात हुई सड़क दुर्घटना में डाला ड्राइवर राजकुमार (55) का हाथ कट गया। कानपुर निवासी राजकुमार के डाला को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। अज्ञात वाहन राजकुमार के डाला को रगड़ते मारते हुए तेजी से निकला, जिसकी चपेट में आकर राजकुमार का एक हाथ उसके धड़ से कटकर अलग हो गया। ग्रामीणों की मदद से घायल चालक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां से चिकित्सकों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

बुजुर्ग की मौत, बेटे ने चाचा-चाची पर लगाया आरोप

हरदोई, अमृत विचार। पैर टूटने से चारपाई पर पड़े बुजुर्ग की मौत हो गई। उसके बेटे ने चाचा और चाची पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने शव के पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई करने की बात कही है। सुरसा थाने के जरुआ अंटवा निवासी श्रीपाल (85) की शुक्रवार को मौत हो गई थी। करीब चार महीने पहले गिरने से उसके दोनों पैर टूट गए थे, तब से चारपाई पर ही पड़ा था। बड़े बेटे रमेश का आरोप है कि उसके चाचा देशराज व चाची रामकली ने ज़मीन के लालच में उसके पिता की हत्या की। रमेश का छोटा भाई जदुनाथ है, उनकी मां शिव रानी की करीब तीन महीने पहले मौत हो चुकी थी। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

हादसे में घायल अधेड़ की इलाज के दौरान मौत

हरदोई, अमृत विचार। साइकिल से खेत पर जा रहे अधेड़ को आटो ने टक्कर मार दी, उसी बीच आटो ड्राइवर को पकड़ लिया गया, अधेड़ को मेडिकल कालेज से लखनऊ के लिए रिफर कर दिया गया, शुक्रवार को उसे घर वाले घर उठा लाए, जहां देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस हादसे की जांच कर रही है। सवायजपुर कोतवाली के सदुल्लीपुर निवासी 54 वर्षीय दिनेश प्रताप सिंह 16 अक्टूबर को साइकिल से खेत पर जा रहा था, उसी बीच बिल्हौर-कटरा हाई-वे पर आटो ने टक्कर मार दी, जिससे दिनेश प्रताप ज़ख्मी हो गया, उसे मेडिकल कालेज से लखनऊ रिफर कर दिया गया। बड़े बेटे पवन कुमार ने बताया कि हालत में कोई सुधार होता न देख वह अपने पिता को शुक्रवार को घर ले आया, जहां देर रात उसकी मौत हो गई।

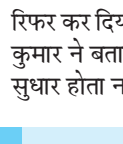

वाहन की टक्कर से घायल बुजुर्ग महिला की मौत

हरपालपुर, हरदोई, अमृत विचार। कटरा- बिल्हौर हाइवे पर हरपालपुर थाना क्षेत्र के इकनौरा गांव में तेज रफ्तार वाहन ने वृद्धा को टक्कर मार दी। परिजन उसे इलाज के लिए सीएचसी ले गए जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, लेकिन हालत गम्भीर होने पर लखनऊ मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया था। जहां इलाज के दौरान शुक्रवार की देर रात वृद्धा की मौत हो गयी। हरपालपुर थाना क्षेत्र के इकनौरा गांव निवासी लगभग कलावती (65) पत्नी स्व. गंगाशरण मंगलवार की सुबह घर से शौच के लिए गयी थी। जहां से वापस घर लौटते समय कटरा बिल्हौर हाइवे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनको टक्कर मार दी।

पति के साथ शनिदेव के दर्शन को जा रही महिला की बाइक से गिरकर मौत

हरदोई, अमृत विचार। पत्नी और उसका पति शनिदेव का दर्शन करने जा रहे थे। उसी बीच अचानक से किशोरी सामने आ गई, जिसे बचाने के प्रयास में बाइक बेकाबू हो गई और पीछे बैठी पत्नी नीचे गिर पड़ी। उसे सीएचसी पहुंचाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। मझिला थाने के सलेमपुर निवासी अमित कुमार सिंह शनिवार को अपनी पत्नी नीलम सिंह (45) के साथ बाइक से शनिदेव के दर्शन करने जा रहे थे। रास्तें में कुम्हरआ मोड़ पर पहुंचते ही सामने अचानक एक किशोरी आ गई, उसे बचा वें में अमित की बाइक बहक गई और पीछे बैठी उसकी पत्नी नीलम सिंह नीचे गिर पड़ी, जिससे उसके सिर में चोंट पहुंची, उसे सीएचसी शाहाबाद पहुंचाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। नीलम के दो बच्चों में एक बड़ी बेटी श्वेता और छोटा बेटा देवांश है।

वरदान ट्रस्ट का सामूहिक विवाह कार्यक्रम 30 को

संवाददाता, हरदोई, अमृत विचार। वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी तथा सहयोगियों की एक बैठक शनिवार को गांधी भवन में हुई। वरिष्ठ ट्रस्टी अरुणेश बाजपेई की अध्यक्षता में हुई बैठक में संस्थापक प्रबन्ध न्यासी एके चतुर्वेदी के जन्मोत्सव पर 14 नवम्बर को आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। ज्ञात हो कि स्व. चतुर्वेदी की स्मृति में 10 हजार की धनराशि किसी एक को हाईस्कूल में दिव्यांग छात्र/ छात्रा को उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले को दी जाती है तथा स्मृति चिन्ह दिया जाता है। इस वर्ष वेणी माधव की छात्रा वैष्णवी तिवारी को दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त शोभना चतुर्वेदी की स्मृति में विभिन्न क्षेत्रों में हरदोई का नाम रोशन करने वाली महिलाओं को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। 30 नवंबर को घण्टाघर प्रांगण में होने वाले सामूहिक विवाह एवं निकाह समारोह के लिए 16 नवम्बर को वर-वधुओं का साक्षात्कार गांधी भवन प्रांगण में होगा। ट्रस्ट के सचिव अतुल कांत द्विवेदी ने बताया कि 14 नवंबर को होने वाले कार्यक्रम में गुरु गोरखनाथ विद्यालय में बाल मेले का भी आयोजन किया जाएगा। बैठक में ट्रस्टी अतुल कपूर ट्रस्टी करुणा शंकर द्विवेदी, श्रवण मिश्रा 'राही', मनीष मिश्रा, जगिंदर सिंह 'गांधी', अनुराग मिश्रा मौजूद रहे।

दावा

भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री रामआसरे कुशवाहा ने कहा

बिहार में फिर से बनेगी एनडीए की ही सरकार

संवाददाता, मल्लावां, हरदोई

पूर्व मंत्री रामआसरे को स्मृति चिन्ह भेंट करते समर्थक। अमृत विचार

अमृत विचार। भाजपा के वरिष्ट नेता पूर्व मंत्री रामआसरे कुशवाहा ने बिहार में भाजपा गठबंधन की सरकार पुनः बनने का दावा किया। प्रदेश सरकार के विकास कार्यों से जनता खुश है। प्रदेश में योगी, देश में मोदी को जनता पसंद कर रही है।

शनिवार को प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री रामआसरे सिंह कुशवाहा ने डाक बंगले में पत्रकारों से बातचीत में कही। वह हरदोई में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। कहा कि मैं बिहार के दौरे पर दस दिन रहा हूं। वहां भाजपा गठबंधन की सरकार बन रही है। वहां की जनता ने पूर्व सरकार का शासन देखा है। जिसको जंगलराज की संज्ञा लोग देते हैं। नीतीश कुमार का शासन में विकास की गंगा बही है। इसलिए पुनः जीत पक्की है। एक सवाल के जवाब में कहा कि प्रदेश में भय भ्रष्टाचार का योगी सरकार ने खात्मा करने का कार्य किया है। प्रदेश में कानून का राज है, माफियाराज खत्म हो गया है। लोगों को रोजगार मिल रहा है। इस मौके पर गिरीश चंद्र कुशवाहा, राहुल गुप्ता, महेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, अवधेश कुशवाहा, अंकित, अजय कुमार राठौर मौजूद रहे। व्यापारी नेता राहुल गुप्ता ने साल व श्री राम भगवान का चित्र भेंट किया।

सक्सेस क्रिकेट अकादमी ने दर्ज की शानदार जीत

हरदोई, अमृत विचार। सीतापुर रोड स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रही 5 वें नागेंद्र प्रताप सिंह नागू दादा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का शनिवार को तीसरा मैच परफेक्ट मोबाइल्स-11 व सक्सेस क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। टॉस परफेक्ट मोबाइल्स-11 ने जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय किया। सक्सेस क्रिकेट अकादमी की पूरी टीम 32.3 ओवर में 184 रन ही बनाकर आल आउट हो गयी। रिषभ व अधर्व ने 26-26 रन व अक्षत ने 30 रनों का योगदान किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी परफेक्ट मोबाइल्स-11 की टीम 24.3 ओवर में 152 रन ही बना सकी।

सपा ने चुनावी मुद्दों पर की चर्चा

संवाददाता, हरदोई

बैठक को संबोधित करते सपा नेता। ● अमृत विचार

अमृत विचार। समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष शराफत अली की अध्यक्षता में शनिवार को पार्टी कार्यालय संपन्न हुई।

बैठक में मुख्य रूप से जनपद के 3328 बूथों पर बीएलए संगठन शिक्षक, स्नातक, चुनाव में वोटों को बढ़वाने वोटों को डलवाने और गलत वोटों को कटवाने जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। पूर्व एमएलसी डॉ. राजपाल कश्यप ने कहा कि पीडीए के लोग अब प्रहरी बनकर वोटर लिस्टों की रक्षा करेंगे अब बीजेपी एसआईआर लाई है अब लाठी डंडों से नहीं आंदोलन से नहीं अब कलम से मजबूत होकर अपनी इच्छा शक्ति व मन को मजबूत करना पड़ेगा। बीजेपी प्रशासन की दम पर चुनाव जीतना चाहती है इसलिए प्रशासन समाजवादी पार्टी के वोटो को कटवाने में मदद करने का काम करता है। बैठक में सपा जिला उपाध्यक्ष अजय सिंह पाल, अमित बाजपेई, राहुल गुप्ता, फूलचंद वर्मा, रहमत अली, अनिल यादव सहित कई सपा नेता मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

किशोर को मारपीट कर किया घायल

उन्नाव। आसीवन थानाक्षेत्र में रंजिश के चलते किशोर को मारपीट कर घायल कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे सीएचसी में भर्ती कराकर मेडिकल कराया है। रोलिया मुंडा गांव निवासी चंद्रपाल का बेटा संगीत (17) किसी काम से गांव के बाहर गया था। आरोप है कि शुक्रवार रात साढ़े आठ बजे वह लौट रहा था तभी चार लोग उसकी साइकिल रोककर गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर उसकी लाठी-डंडों से पिटाई की। पुलिस ने मेडिकल कराकर मामले की जांच शुरू की है।

व्यापारियों के हितों की सुरक्षा पर हुई चर्चा

हरदोई। उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री राजेंद्र गुप्ता ने नगर व जिला कमेटी की समीक्षा की। उन्होंने व्यापारियों के हितों से जुड़े तमाम मुद्दों पर प्रकाश डाला। व्यापार मंडल के प्रदेश महमंत्री राजेंद्र गुप्ता ने एक बैठक कर जिले की संगठन की गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने संगठन को और मजबूत बनाने को लेकर चर्चा की।

मुठभेड़ में बदमाश के पैर में लगी गोली, कांस्टेबल घायल

साण्डी के नवाबगंज में हुई चोरी के मामले में पुलिस कर रही थी तलाश

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। 60 हज़ार की नकदी और सोने-चांदी के जेवर चोरी मामले की छानबीन में जुटी पुलिस और शातिर बदमाश के बीच मुठभेड़ हुई। जिसमें पुलिस की गोली शातिर बदमाश के पैर लगी। साथ ही साण्डी पुलिस की टीम-9 में शामिल कांस्टेबल घायल हो गया। पुलिस की पकड़ में आए बदमाश के पास से चोरी का जेवर, नकदी के अलावा तमंचा व कारतूस बरामद किया गया है।

अरवल थाने के श्रीमऊ निवासी संजय राजपूत साण्डी कस्बे के मोहल्ला नवाबगंज में रह रहा है। संजय ने 24 अक्टूबर को साण्डी पुलिस को दी तहरीर में कहा था कि उसके घर से 60 हज़ार रुपये और ज़ेवर चोरी हो गया। पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी।

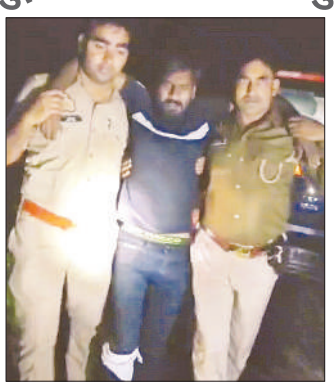

गोली लगने से घायल शातिर बदमाश।

एसएचओ साण्डी राकेश यादव ने बताया कि शुक्रवार की आधी रात पता चला कि चोरी में शामिल शातिर बदमाश कमरुल निवासी काज़ीपुरा बिलग्राम बघौली रोड पर भीतपुर ईंट-भट्ठे के पास मौजूद है और वह कहीं भागने की फिराक में है। एसएचओ की अगुवाई में साण्डी पुलिस की टीम-9 ने बताए गए ठिकाना पर घेराबंदी कर दी। उधर पुलिस से घिर चुके बदमाश ने पुलिस पर गोली चला दी, पुलिस टीम ने उसी अंदाज़ में उसका जवाब दिया, नतीजतन एक गोली बदमाश कमरुल के दाहिने पैर में जा लगी और वह गिर पड़ा। पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया। मुठभेड़ में एक कांस्टेबल विनय भी घायल हुआ।

कमरुल का है बड़ा क्रिमिनल रिकार्ड

शातिर बदमाश कमरुल के ऊपर चोरी, जानलेवा हमला, आर्म्स एक्ट के अलावा गैंगस्टर के दो, कुल 21 केस दर्ज है,जिनमें साण्डी में 10, शाहाबाद में 5,बिलग्राम में 3 और माधौगंज, मल्लावां व पाली में एक-एक केस शामिल है। उसके खिलाफ बिलग्राम व शाहाबाद कोतवाली में गैंगस्टर की कार्रवाई की जा चुकी है।

25 हजार के इनामी बदमाश को दबोचा

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। पाली और शाहाबाद पुलिस ने संयुक्त रूप से पच्चीस हजार रूपए के इनामी गैंगस्टर आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। बताते चले कि 20 अगस्त को थाना प्रभारी पाली सोमपाल गंगवार द्वारा शिवम गुप्ता उर्फ मूली पुत्र अनिल कुमार गुप्ता निवासी बाजार शम्भा थाना शाहाबाद सहित कुल नौ लोगों के विरुद्ध आर्थिक एवं भौतिक लाभ के उद्देश्य से संगठित रुप से गिरोह बनाकर चोरीकरने और दहशत फैलाने के आरोप में गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई की थी। शाहाबाद थाना प्रभारी निरीक्षक आनद नारायण त्रिपाठी,पाली थाना प्रभारी सोमपाल गंगवार ने शनिवार को दोपहर 12 बजे बताया संयुक्त रूप से घेराबंदी करके शिवम गुप्ता उर्फ मूली को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। उपरोक्त अभियोग से संबंधित नामजद सात अभियुक्तगणों को पुलिस द्वारा पूर्व में गिरफ्तार कर न्यायालय अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने अभियुक्त शिवम गुप्ता उपरोक्त की गिरफ्तारी हेतु 25 हजार रुपये का ईनाम घोषित किया गया था।

पुलिस की गिरफ्त में गैंगस्टर आरोपी शिवम गुप्ता उर्फ मूली।

आवारा सांड़ के हमले से घायल किसान की इलाज के दौरान मौत

हरपालपुर,हरदोई, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के महितापुर गांव में खेत को जा रहे किसान पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल किसान की लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई। हरपालपुर थाना क्षेत्र के महितापुर गांव निवासी लगभग सर्वाधार पांडेय (68) शुक्रवार की सुबह अपनी खेत की ओर जा रहे थे। तभी एक सांड़ ने उन पर हमला कर दिया। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर किसी तरह सांड़ को भगाया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन उन्हें इलाज के लिए सीएचसी हरपालपुर ले गए जहां पर डॉक्टर ने उनकी हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया था। बेहतर इलाज के लिए परिजन उनको लखनऊ ट्रामा सेंटर ले गए जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। सर्वाधार पांडेय के परिवार में उनकी पत्नी शीला देवी, एक पुत्र और दो पुत्रियां हैं।

कमरा बंद कर युवक ने लगाई फांसी दरवाजा तोड़ कर निकाला गया शव

हरदोई, अमृत विचार। पेशेवर ड्राइवर ने चार बेटे होने के बाद दूसरी शादी की। बच्चों के साथ लुधियाना में रह रहीं दोनों पत्नियों से चल रहे तनाव के चलते युवक गांव में रहने लगा। जहां उसने आधी रात कमरा बंदकर फांसी लगा ली। पुलिस ने दरवाज़ा तोड़कर शव बाहर निकाला। कोतवाली देहात के टुहरुपुरवा निवासी मुकेश (45) कार चलाता था। उसकी पहली पत्नी गीता से चार बेटे हैं, उसके बाद मुकेश ने सुनीता से दूसरी शादी की, सुनीता के एक बेटा है। उसके बड़े भाई संतराम ने बताया कि शुक्रवार की रात मुकेश ने कमरा बंद कर आत्महत्या कर ली। शनिवार की भोर पहर मां जगदेई की आंख खुली तो कमरे में मुकेश का शव लटक रहा था। इसका पता होने पर वहां पहुंची पुलिस ने दरवाज़ा तोड़ कर शव बाहर निकलवाया।

पति की बाइक से गिरी पत्नी को पीछे से आए बेकाबू कंटेनर ने कुचला, मौत

हरदोई, अमृत विचार। नवीन गल्ला मण्डी साण्डी की आढ़तिया अपने पति व बेटे के साथ खाटू श्याम मंदिर के कार्तिक एकादशी कार्यक्रम से वापस लौट रही थी,उसी बीच शहर के अटल चौक पुलिस बूथ के पास अचानक सड़क पर गिर पड़ी,उसी बीच तेज़ रफ्तार कंटेनर उसके ऊपर से निकल गया, जिससे उसकी मौत हो गई। हादसे का शोर होने पर भीड़ ने कंटेनर और उसके ड्राइवर को पकड़ लिया। इस बीच वहां सड़क पर जाम लग गया,जिसे पुलिस ने हटाया। साण्डी कस्बे के मोहल्ला नवाबगंज निवासी रामजी गुप्ता की 45 वर्षीय पत्नी पिंकी गुप्ता उर्फ निधि के नाम से नवीन गल्ला मण्डी साण्डी में आढ़त है। शनिवार को पिंकी गुप्ता, पति रामजी व बेटे उत्कर्ष के साथ खाटू श्याम मंदिर में आयोजित हुए कार्तिक एकादशी कार्यक्रम में शामिल होने आई हुई थी। देर शाम को वापस लौट रही थी। बताते है कि घंटाघर रोड से अटल चौक पुलिस बूथ के पास पहुंचते ही बाइक पर बैठी पिंकी गुप्ता अचानक गिर पड़ी, उसी बीच पीछे से आ रहा कंटेनर उसके ऊपर से निकल गया, जिससे उसकी मौत हो गई। हादसे का शोर होने पर भीड़ दौड़ पड़ी और कुछ ही दूर पर कंटेनर व उसके ड्राइवर को पकड़ लिया। देखते ही देखते अटल चौक पर जाम लग गया,जिसे पुलिस ने हटवाया। पिंकी गुप्ता उर्फ निधि के एक बेटा उत्कर्ष और एक बेटी अनन्या है। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

भागवत कथा में राम व कृष्ण जन्म की कथा सुन मंत्रमुग्ध हुए भक्त

औरास उन्नाव, अमृत विचार। वृंदावन धाम से आए कथाव्यास प्रहलाद त्रिपाठी ने कथा के चौथे दिन रामजन्म व कृष्ण जन्मोत्सव की कथा सुनाई। राम जन्म की कथा में उन्होंने बताया कि जब महाराज दशरथ वृद्धावस्था को पहुंच गए और उन्हें कोई संतान नहीं हुई तो वे गुरु वशिष्ठ की शरण में गए और गुरुदेव के आशीर्वाद से उन्हें चार पुत्रों की प्राप्ति हुई। गुरु वशिष्ठ ने राजा दशरथ को बताया कि हे राजन यह चार पुत्र नहीं बल्कि आपके घर चारों वेद ही प्रकट हुए हैं। वहीं, कृष्ण जन्म की कथा में बताया कि जब-जब पृथ्वी पर अधर्म का बोलबाला होता है तो धर्म की स्थापना करने के लिए भगवान किसी न किसी रूप में प्रकट होते हैं। नंदजू के अंगना में बज रही आज बधाई भजन गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मार्निंग वाक पर निकले होमगार्ड को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत

औरास उन्नाव, अमृत विचार। थानाक्षेत्र के शरीफाबाद गांव निवासी बुद्धिपाल पुत्र बाबू होमगार्ड था और वह अपने मामा के गांव कटरा तरौना में रहकर वहीं से सचिवालय लखनऊ में ड्यूटी करता था। शनिवार सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकला था तभी लखनऊ-संडीला मार्ग पर जालामऊ गांव के सामने अज्ञात वाहन ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। इसमें वह रोड पर गिरकर गंभीर घायल हो गया। लोगों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसकी मौत की सूचना से परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उसकी मौत से चार बेटियों व एक बेटे के अलावा दो पत्नियों आशा व नीलम का रो-रोकर बुरा हाल है।

तेरहवीं एवं बह्मभोज

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरे पिता जी **स्व. श्री लल्लन राम जी** का स्वर्गवास, मंगलवार, दिनांक 21.10.2025 को हो गया है। अत: आपसे निवेदन है कि उनकी दिवतंगत आत्मा की शांति हेतु आयोजित निम्नलिखित कार्यक्रम में सम्मिलित होकर हमें कृतार्थ करें।

तेरहवीं एवं ब्रह्मभोज 04.11.2025 ब्रह्मभोज अपराह्न 2:00 बजे से कार्यक्रम स्थल ग्राम व पोस्ट-ढेलवाँ, थाना - नंदगंज, जिला गाजीपुर से सम्पन्न होगा।

शोकाकुल

फूलमती भारती (पत्नी), भोलाराम (भाई), सत्यप्रकाश भारती, रवि चंद्रा, जशवंत

निवेदक - सुनील कुमार चन्द्रा (पुत्र)

मो.8279588425, 9554076412, 8948282016

पैसों के लेनदेन और प्रेम प्रसंग में अधेड़ की मारपीट कर हुई हत्या

हरपालपुर,हरदोई, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के पलिया गांव में पैसों के लेनदेन तथा प्रेम प्रसंग के चलते दुकानदार की मारपीट कर हत्या कर दी गयी। मृतक के पुत्र की तहरीर पर पुलिस ने अभियोग दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

थाना क्षेत्र के पलिया गांव निवासी इंद्रपाल उर्फ भूरा (55) गांव की बाजार में वर्तन की दुकान है। बीते शुक्रवार की देर शाम वह दुकान बंद कर घर जा रहा था। रास्ते में महात्मा गांधी इंटर कालेज के सामने वह संदिग्ध परिस्थितियों में

खून से लथपथ पड़ा मिला था। परिजन इंद्रपाल को इलाज के लिए सीएचसी हरपालपुर ले गए जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। फिलहाल घटना की पृष्ठभूमि में मृतक के पुत्र सुजीत ने बताया कि उसके पिता का पलिया गांव की बाजार निवासी छंगा के साथ पैसों के लेनदेन को विवाद था। छंगा के परिवार की एक महिला के साथ प्रेम प्रसंग भी चल रहा था। जिसकी वजह से छंगा ने इंद्रपाल की मारपीट कर हत्या कर दी।

सफीपुर सीएचसी में जलाई गईं दवाएं व सिरप

सफीपुर उन्नाव

अमृत विचार। सफीपुर सीएचसी परिसर में शनिवार को बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया। यहां करीब 10 गत्ते एक्सपायरी दवाएं व सिरप जला दिये गए। इसमें वो दवाएं भी शामिल थीं जिनकी एक्सपायरी डेट वर्ष-2026 थी। सीएचसी अधीक्षक ने जांच कराने की बात कही है। वहीं इसकी जानकारी पर सीएमओ के निर्देश पर भी एक टीम सीएचसी भेजी गई।

शनिवार सुबह सीएचसी परिसर से धुआं उठता देख आग लगने की आशंका में लोग पहुंचे तो भारी मात्रा में सिरप, इंजेक्शन व गोलियों के पत्ते जलते दिखे। इसमें विटामिन-डी की दवाएं (एक्सपायरी जुलाई-2026), महिलाओं के उपयोग में आने वाली टेबलेट्स, परिवार नियोजन से जुड़ी सामग्री, बच्चों के बुखार व लीवर संबंधी सिरप, यहां तक अल्प्राजोलम जैसी नियंत्रित दवाएं भी शामिल थीं। बता दें कि सीएचसी के अंतर्गत 3 पीएचसी भी हैं। यहां रोजाना करीब 300 मरीजों की ओपीडी होती है। जिसके अनुसार मुख्यालय के डिपो से दवा की आपूर्ति होती है। प्राथमिक जांच में संभावना जताई गई कि जली हुई दवाओं में विभिन्न स्वास्थ्य अभियानों में प्रयोग होने वाली दवाएं भी शामिल हो सकती हैं। देरशाम सीएमओ के निर्देश पर पहुंची टीम ने अधजली दवाओं को पॉलिथीन बैग में भरकर जांच के लिए ले जाने की बात बताई और निकल गई। सीएचसी अधीक्षक आरके वर्मा ने बताया कि पीछे कूड़े का ढेर लगा था। उसमें दवाएं कैसे पहुंची इसकी जांच कराई जाएगी।

जली हुई दवाएं देखते टीम के सदस्य। ● अमृत विचार

कार्यालय ग्राम पंचायत टिकरिया विकास खण्ड देवा-बाराबंकी

पत्रांक मेमो- ग्रा0 पं0 वि0 कार्य-2025-26 दिनांक- 01/11/2025

अल्पकालीन निविदा टेंडर

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत टिकरिया विकासखंड देवा बाराबंकी में निविदा वर्ष 2025-26 में पंद्रहवां / पंचम वित्त आयोग से उक्त निर्माण कार्य कराया जाना हैं। भट्ठा ईट, इंटरलांकिंग ईट ,सीमेंट पाईप ,सीमेंट ,मौरंग, बालू, लोकल बालू तथा अन्य सामग्री की आपूर्ति करने हेतु बिक्री कर में पंजीकृत सप्लायर से निविदा आमंत्रित की जाती है। टेंडर फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है। निविदा बंद लिफाफे में स्वीकार की जाएगी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार प्रधान /सचिव को निहित होगा जिसके लिए कोई कारण स्व सूचित नहीं किया जायेगा। निविदा समय मात्र 7 दिन का होगा,जो 09/11/2025 को खुलेगा।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	डामर रोड से राम सिंह के घर तक भूमिगत नाली निर्माण कार्य	67 हजार रूपये
2	करीम अली के घर से वकील के घर तक नाली कवर व इंटरलाकिंग निर्माण कार्य	87 हजार रूपये
3	रिजवान के घर से अशर्फी के घर तक भूमिगत नाली निर्माण कार्य	1.26 लाख

नियम व शर्तो का विवरण निम्नवत हैं।
(1) प्रत्येक कार्य के लिए 03 निविदाएं होना आवश्यक है।
(2) सामग्री की मात्रा / गुणवत्ता ठीक न होने पर नियमानुसार कटौती की जाएगी।
(3) सरकारी ग्रांट आने पर भुगतान किया जाएगा
(4) जी.एस.टी. का भुगतान जो दर से सम्मिलित है, आपूर्तिकर्ता को स्वयं जमा करना होगा तथा आयकर हेतु भुगतान से पूर्व आपूर्ति की गयी सामग्री के अनुसार जमा का चालान ग्राम पंचायत कार्यालय में प्रस्तुत करना होगा।

राजेंद्र प्रसाद यादव,ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत टिकरिया विकास खण्ड देवा बाराबंकी

यशवंत सिंह, सचिव ग्राम पंचायत टिकरिया विकास खण्ड देवा बाराबंकी

सर्राफा व्यवसायी के घर में दिनदहाड़े घुसकर पार किए लाखों के जेवरात

सफीपुर उन्नाव, अमृत विचार। कस्बा में शुक्रवार सुबह सर्राफा व्यवसायी के घर घुसे चोरों ने अलमारी का ताला खोलकर लाखों के जेवरात पार कर दिये। मंदिर से वापस लौटने पर पीड़ित को घटना की जानकारी हुई। एक संदिग्ध सीसीटीवी में कैद हो गया। जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

कस्बा के राहतगंज बाजार मोहल्ला निवासी गौरव गुप्ता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके पिता राजेंद्र गुप्ता का सर्राफा का पैतृक व्यवसाय है। माता-पिता और उसका परिवार दूसरी व तीसरी मंजिल पर रहता है। जबकि घर के नीचे ही दुकान है। रोज की तरह वह शुक्रवार सुबह मोटेश्वर मंदिर पूजन करने गया था। घर के अन्य सदस्य तीसरी मंजिल पर दैनिक कार्य में व्यस्त थे। तभी चोरों ने पहली मंजिल पर पहुंचकर पहले तीसरी मंजिल का दरवाजा बंद किया फिर वहां रखी चाभी से अलमारी खोलकर सोने-चांदी के लाखों के जेवरात पार कर ले गए। मंदिर से जब वह घर लौटा तो अलमारी से सामान गायब देख चोरी की जानकारी हुई। एसओ एसएन त्रिपाठी ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है। अलमारी से सोने की ज्वैलरी का डिब्बा मिला है। आरोपी सीसीटीवी में कैद हुआ है। जिसकी तलाश की जा रही है। वहीं घर में काम करने वाले एक मजदूर पर भी संदेह जताया गया है। जिसकी तलाश में पुलिस ने उसके घर में छापेमारी की लेकिन वह हाथ नहीं लगा।

किसान की लटकते विद्युत तार की चपेट में आने से हुई मौत

बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचार। बाग में जुताई के लिए नमी देखने गए किसान की वहीं लटक रहे विद्युत तार से करंट की चपेट में आकर मौत हो गई। बेटे ने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगा तहरीर दी। जिस पर पुलिस ने अज्ञात में विद्युत विभाग के अफसरों पर रिपोर्ट दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराया है। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के गोशा प्रयागपुर गांव के मजरा भारत खेड़ा निवासी तनवीर यादव (38) पुत्र छम्मीलाल गांव के विनोद का बाग बटाई पर लिए था। शनिवार भोरपहर वह बाग की जुताई के लिए नमी देखने की बात कहकर निकला था। बाग में लगे नलकूप में आपूर्ति के लिए गया विद्युत तार काफी समय से लटक रहा था। जिसे दुरुस्त करने की शिकायत कई बार बाग स्वामी ने विद्युत विभाग के कर्मियों से की थी। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। बताते हैं कि भोरपहर अंधेरा होने से तनवीर लटकते तार नहीं देख सका और उसका हांथ उसी तार में छू गया। इससे वह करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। जानकारी होने पर परिजन उसे सीएचसी लाए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार में पत्नी सोमवती, बेटी शुभी, रुचि, शालू, लक्ष्मी व दो बेटे रचित, रिशू हैं। रचित ने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगा तहरीर दी।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY

Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road, Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153

Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in

For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- **Faculty of Medical Sciences** (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- **Faculty of Nursing** M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- **Faculty of Dental Sciences** (All Specilities)
- **Humanities and Journalism** English
- **Faculty of Pharmacy**
- **Faculty of Management**
- **Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences)** (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee

- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India

For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in (https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शपथ कर्ता मूल पते का निवासी है शपथ कर्ता के पासपोर्ट में हरप्रीत कौर सेठी एलियास सिमरन पत्नी अमरजीत सिंह अंकित है जब कि शपथ कर्ता का वर्तमान व सही नाम हरप्रीत कौर अरोरा पत्नी अमरजीत सिंह अरोरा है जो इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। हरप्रीत कौर अरोरा मेन रोड सलोन थाना सलोन रायबरेली

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शपथ कर्ता मूल पते का निवासी है शपथकर्ता के पासपोर्ट में अमर जीत सिंह पुत्र अतम जीत सिंह अंकित है जब कि शपथ कर्ता का वर्तमान व सही नाम अमर जीत सिंह अरोरा पुत्र अतम जीत सिंह है जो इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **अमर जीत सिंह अरोरा मेन रोड सलोन थाना सलोन रायबरेली।**

सूचना

मै **नानबाबू तिवारी पुत्र शीतला प्रमाद तिवारी, निवासी- ग्राम वीरपुर थाना-ललिया जनपद बलरामपुर** मेरा नाम पहले नानबाबू त्रिपाठी था जिसको बदलकर मैं अब अपना नाम नानबाबू तिवारी कर रहा हूँ भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये।

सूचना

मैं राम लाल सैनी निवासी - कस्बा व पोस्ट चिनहट जिला-लखनऊ, अपने पुत्र मनीष कुमार सैनी को उसके गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता है। भविष्य में उसके द्वारा किए गये किसी भी गलत कार्यो से मेरा कोई लेना देना नही है।

सूचना

मैं तोडणकर प्राची प्रदीप (TODANKAR PRACHI PRADEEP) पुत्री प्रदीप श्रीधर तोडणकर (PRADEEP SHRIDHAR TODANKAR) निवासी-बी-404, रोहतास अपार्टमेन्ट नियर पिकनिक स्पाट रोड, विकास नगर लखनऊ उ0प्र0-226022, मेरा सही नाम प्राची अमित वर्मा (PRACHI AMIT VERMA) जो कि आधार कार्ड में अंकित है। जबकि मेरा पूर्व नाम तोडणकर प्राची प्रदीप (TODANKAR PRACHI PRADEEP) व आधार कार्ड के अनुसार सही नाम प्राची अमित वर्मा (PRACHI AMIT VERMA) है जो कि दोनों नाम मेरे ही है। मुझे दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है।

सूचना

मैं **अंकुश चतुर्वेदी पुत्र स्व. कृष्ण नारायण चौबे, निवासी-न्यू हैदराबाद, लखनऊ उ0प्र0**, मेरी बहन के आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में स्तुति चौबे अंकित है। जो कि सत्य एवं सही है। जबकि मेरे पिता स्व0 कृष्ण नारायण चौबे के सर्विस बुक में त्रुटिवश बहन का नाम स्तुति दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि स्तुति चौबे व स्तुति एक ही महिला अर्थात मेरी बहन का नाम है। वह इन दोनों नामों से जानी व पहचानी जाती है।

सूचना

मेरे आधार व पैन कार्ड में मेरा नाम गया प्रसाद अंकित है। जबकि मेरे पुत्र के पासपोर्ट में पिता का नाम गया प्रसाद कनौजिया अंकित है। उक्त दोनो नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरा ही है। भविष्य में मुझे गया प्रसाद कनौजिया के नाम से जाना व पहचाना जाये। गया प्रसाद कनौजिया सुत स्व0-सोमई निवासी-ग्राम व पोस्ट-भाई थाना-धम्मौर जनपद-सुलतानपुर उ0प्र0

सूचना

मैं **अमरेन्द्र सिंह उर्फ पीयूष सिंह पुत्र अनूप कुमार सिंह निवासी ग्रा. बहादुरपुर पो. पूरे पाण्डेय, थाना सरेनी, जिला रायबरेली** का हूं। मुझे उक्त दोनों नामों से जाना और पहचाना जाता है। मेरी भारतीय जीवन बीमा पालिसी संख्या 236884864 में जन्म तिथि 03-08-2007 है।

प्रतियोगिता | सभी उच्च प्राथमिक विद्यालय व कंपोजिट विद्यालयों में हुआ आयोजन

गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

बांगरमऊ उन्नाव

अमृत विचार। निदेशक राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के निर्देश के क्रम में प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के आदेशानुसार शनिवार को जिले के सभी उच्च प्राथमिक विद्यालय व कंपोजिट विद्यालयों में कक्षा 6, 7 व 8 के छात्र-छात्राओं की गणित की गुणवत्ता जांचने के लिए गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता हुई। इसमें हर विद्यालय से दो टॉपर छात्र-छात्रा चयनित होंगे।

चयनित बच्चे 4 नवंबर को होने वाली ब्लॉक स्तरीय गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता में शामिल होंगे। हर ब्लॉक से 10-10 चयनित छात्र-छात्राओं को 11 नवंबर को होने वाली जिला स्तरीय गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता में शामिल होना होगा। कंपोजिट विद्यालय धन्नापुरवा सकरौली में दो छात्रों का चयन किया गया। जिसमें प्रथम स्थान पर कक्षा 8 की पारुल गौतम व द्वितीय स्थान पर कक्षा 8 के रजत रहे। वहीं कंपोजिट विद्यालय परशुरामपुर में भी गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कक्षा 8 के छात्र आयुष शर्मा व द्वितीय स्थान पर कक्षा 8 की छात्रा मोनिका सैनी रहीं।

प्रतियोगिता में शामिल होते छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

देवोत्थानी एकादशी पर लोगों ने घरों में की तुलसी की पूजा

गमले को साड़ी से लपेट कर तुलसी जी को चूड़ी पहनाकर उनका श्रृंगार किया गया

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। दीपावली त्योहार के बाद मनाए जाने वाले देवोत्थानी एकादशी का पर्व नगर व ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने मनाया। शनिवार को देवोत्थानी एकादशी पर्व पर नगर व ग्रामीण क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान करने के बाद घाटों पर स्थित मंदिरों में दर्शन कर पंडों को दान दक्षिणा किया।

कार्तिक शुक्ल एकादशी के दिन ही लोग तुलसी विवाह का आयोजन करते है। घरों में तुलसी के गमले को गेरू से रंग कर गन्ने का मंडप बनाया गया। गमले को साड़ी से लपेट कर तुलसी जी को चूड़ी पहनाकर उनका श्रृंगार किया गया। भगवान शालीग्राम के विग्रह का सिंहासन हाथ में लेकर तुलसी जी की सात बार परिक्रमा की गई। विवाह के समान मंगल गीत भी गाए जाते हैं। इसके साथ ही गंगा स्नान कर अपने ईष्ट देवों की पूजा अर्चना के साथ किया। इस दिन लोग अपने देवी देवाताओं का आवाह्न कर उनकी आराधाना करते हैं। गंगा तट पर पर श्रद्धालुओं की खासी भीड़ रही। दुर्गा मंदिर के पंडित विनोद पांडे ने बताया कि देवोत्थानी एकादशी के दिन से सारे मांगलिक व शुभ कार्य शुरू हो जाते हैं। इस दिन कुल देवाता व देवी देवताओं की विधि विधान से पूजा अर्चना करना चाहिए। देवात्थानी एकादशी के दिन पूजा अर्चना की जाती है। भगवान विष्णु व गणेश जी का आवाहन कर उनकी पूजा करनी चाहिए। पूजन सामग्री में गन्ना, सिंघाड़ा, चावल, गुड़, तिल, फूल माला व प्रसाद आदि चढ़ाकर उन्हें प्रसन्न करना चाहिए ऐसा करने से परिवार में सुख समृद्धि में बढ़ोत्तरी होती है। वहीं कुछ लोगों ने दिन भर उपवास रख कर शाम को विधि विधान से पूजा अर्चना की।

एकादशी पर गंगा स्नान करने के लिये घाट पर पहुंचे श्रद्धालु। अमृत विचार

खाटू श्याम के जन्मदिन पर हुआ छप्पन भोग और भव्य श्रृंगार

शुक्लागंज। हारे के सहारे बाबा खाटू श्याम का जन्मदिन शनिवार को नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में भक्तिमय वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भक्तों ने बाबा को छप्पन भोग अर्पित कर भव्य श्रृंगार किया। जगह-जगह भजन संध्याओं का आयोजन हुआ, जहां भक्तों ने बाबा के जयकारे लगाते हुए भक्ति में लीन होकर नृत्य किया।

देवोत्थानी एकादशी के पावन अवसर पर बाबा खाटू श्याम के जन्मोत्सव को लेकर नगर के श्रीनगर और गोपीनाथपुरम स्थित खाटू श्याम मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की गई। मंदिरों को फूलों और लाइटों से सजाया गया। भक्तों ने बाबा का भव्य श्रृंगार कर छप्पन भोग लगाया। भजन संध्या में भजन गायकों ने श्याम तेरी बंसी पुकारे राधा नाम और श्याम तेरे प्रेम की गली जैसे प्रसिद्ध भजनों की प्रस्तुति दी। पोनी रोड पर वरिष्ठ समाजसेवी राकेश कुमार गुप्ता नन्हा और सपा जिला सचिव शुभ गुप्ता के नेतृत्व में भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें नीलकमल गुप्ता, मानसी गुप्ता, काजोल गुप्ता, सरिता गुप्ता और स्मिता गुप्ता सहित कई श्रद्धालु मौजूद रहे। वहीं कंचन नगर में संतोष, जगदीश, संजय, रोहित वर्मा, पंकज और श्यामू ने गरीब बच्चों को भोजन वितरित कर बाबा का जन्मदिन मनाया।

श्याम बाबा के जन्मदिन पर पोनी रोड पर होता भंडारा। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

पेंशनर अब ऑनलाइन जमा कर सकेंगे जीवित प्रमाण पत्र

उन्नाव। वरिष्ठ कोषाधिकारी कौशलेंद्र सिंह ने कहा कि पेंशन व पेंशन धारकों के कल्याण विभाग द्वारा प्रतिवर्ष की भांति 1 से 30 नवम्बर तक एक राष्ट्रीय स्तर पर डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट अभियान 4.0 संचालित किया गया है। जिसकी सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट https://ipension.nic.in/dlcportal/ पर उपलब्ध है कि डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट कैसे प्रेषित किया जाये। बताया कि पेंशनर/पारिवारिक पेंशनर मोबाइल के माध्यम से घर बैठे निम्न प्रकिया से डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट भेज सकते हैं।

मिशन शक्ति के तहत किया जागरूक

शुक्लागंज। गंगा नगर स्थित गंगा प्रसाद महते सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में शनिवार को पुलिस प्रशासन की ओर से मिशन शक्ति के अंतर्गत नारी सशक्तिकरण एवं नारी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बालूघाट चौकी प्रभारी गजेन्द्र सिंह, ममता दीक्षित सहित पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. बृजेन्द्र मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत किया। तत्पश्चात पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को आत्मरक्षा, कानून की जानकारी एवं समाज में महिलाओं की भूमिका पर जागरूक किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-अधिकारी अशोक त्रिपाठी, प्रदीप द्विवेदी, अजय विश्वकर्मा, ओम बाबू मिश्र सहित समस्त विद्यालय परिवार मौजूद रहा। कार्यक्रम में छात्राओं ने भी सक्रिय भागीदारी दिखाई।

हुक्का बार में पुलिस का छापा, 3 पकड़े गए

उन्नाव। सदर कोतवाली पुलिस ने एक कैफे में छापा मारकर प्रतिबंधित हुक्का बरामद कर तीन लोगों को पकड़ा है। पुलिस ने उनके पास से हुक्का बरामद होने पर रिपोर्ट दर्ज कर कोर्ट में पेश किया है।

बता दें कि शहर में कई रेस्तरां व कैफे की आड़ में प्रतिबंधित हुक्का बार का संचालन जोरों पर है। इनमें नाबालिग बच्चों को भी गैर कानूनी रूप से प्रवेश दिया जाता है। जो जमकर फ्लेवर की आड़ में तंबाकू के सुट्टे लगाते हैं। इसकी शिकायत पुलिस को लंबे समय से मिल रही थी। इससे सदर कोतवाल संजीव कुशवाहा ने फोर्स के साथ कोतवाली क्षेत्र के कल्याणी मोहल्ला स्थित 2.0 कैफे की आड़ में चल रहे हुक्का बार में छापा मारा। वहां से पुलिस ने हुक्का व पाइप सहित तीन लोगों को दबोच लिया। पकड़े गए रमन पुत्र सुरेश निवासी परियारा, रजत पुत्र मनोज निवासी रामसिंह खेड़ा थाना माखी व शुभ पुत्र राममोहन निवासी समोधा भगवंत नगर थाना बिहार के पास से पुलिस ने दो हुक्का व पाइप बरामद होने पर उन्हें कोतवाली लाई। जहां केस दर्ज कर उन्हें कोर्ट में पेश किया गया।

शिक्षिका निलंबित

उन्नाव। पुरवा ब्लाक के एक प्राथमिक विद्यालय का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। इसमें किसी बात पर हुए विवाद के बाद एक शिक्षिका विद्यालय की रसोइया से मारपीट करते दिख रही है। हालांकि, ऐसे किसी भी वीडियो की पुष्टि अमृत विचार नहीं करता है। वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद पहले तो बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी इस विषय में कुछ बोलने को तैयार नहीं है। लेकिन बाद में मामला चर्चा के आने पर बीईओ की रिपोर्ट पर मारपीट करने वाली शिक्षिका को निलंबित किया गया है। बता दें कि शनिवार को पुरवा ब्लाक ऊंचागाव सानी के प्राथमिक विद्यालय-2 का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ। इसमें एक महिला दूसरी महिला को गिराकर मारती दिख रही है। मारपीट कर रही सहायक शिक्षिका प्रियंका श्रीवास्तव से रसोईयां को छुड़ाने का प्रयास करती उसकी सहयोगी दिख रही है।

99 में से13 शिकायतों का किया निस्तारण

उन्नाव। डीएम गौरांग राठी की अध्यक्षता व एसपी जय प्रकाश की उपस्थिति में तहसील पुरवा में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न विभागों की कुल 99 शिकायतें पहुंचीं। जिनमें 13 शिकायतों का निस्तारण मौके पर किया गया। जबकि, शेष को जल्द से जल्द निस्तारित करने के निर्देश डीएम ने अधिकारियों को दिये।

जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि कोई भी शिकायत लंबित न रहने पाए और समय रहते उसका गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण सुनिश्चित हो। कहा कि यह भी सुनिश्चित करें कि किसी भी शिकायत की पुनरावृत्ति न हो। सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व कार्यों से संबंधित मैगजीन का भी डीएम ने विमोचन करने के साथ मैगजीन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व आइजीआरएस डिजिटल क्रॉप सर्वे मतदाता पुनरीक्षण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया। इसके अलावा बांगरमऊ, हसनगंज, सदर व बीघापुर तहसील में भी एडीएम, सीडीओ व संबंधित तहसीलों के एसडीएम ने नेतृत्व में आयोजन हुआ।

डीएम ने छात्रों के उपकरणों का किया अवलोकन

प्रदर्शनी का अवलोकन करते जिलाधिकारी। अमृत विचार

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। डीएसएन पीजी कॉलेज में युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग के तत्वावधान में जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम व विज्ञान मेला प्रदर्शनी आयोजित की गई। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी गौरांग राठी ने दीप प्रज्जवलित कर मां सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया।

जिलाधिकारी ने छात्र-छात्राओं द्वारा बनाये गए वैज्ञानिक उपकरणों के मॉडल/प्रोजेक्ट के स्टालों का एक-एक कर अवलोकन किया और बच्चों के वैज्ञानिक रुचि व वैज्ञानिक सोच को सराहा। इसमें जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं की कहानी लेखन, कविता लेखन, चित्रकला, लोकनृत्य, लोकगीत व भाषण प्रतियोगिता हुई। जिला युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय व विज्ञान के प्रदर्शित मॉडल/प्रोजेक्ट में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत करने के साथ मंडल स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन किया जाएगा। मंडल स्तर पर उत्क्रष्ट प्रदर्शन करने वालों को राज्य के लिए चयन किया जाएगा। डीएसएन कॉलेज की छात्राओं ने मनमोहक प्रस्तुति देकर अतिथियों का मन मोह लिया।

नवीन पुल पर लगे भीषण जाम में फंसी एम्बुलेंस

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। नगर के नवीन पुल पर जाम की समस्या लगातार विकराल रूप लेती जा रही है। शनिवार सुबह पीक ऑवर के दौरान पुल पर करीब डेढ़ घंटे तक भारी जाम लगा रहा, जिससे कानपुर और उन्नाव की ओर जाने वाले वाहन सवारों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी।

सुबह करीब दस बजे बालूघाट मोड़ से नवीन पुल की ओर बढ़ रहे वाहनों की संख्या अचानक बढ़ गई। जल्दबाजी में दोनों ओर से वाहन आड़े-तिरछे खड़े हो गए, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। देखते ही देखते बालूघाट से फोरलेन तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम की सूचना पर यातायात पुलिस और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जाम खुलवाने का प्रयास किया। इस दौरान मरीज को लेकर जा रही एक एम्बुलेंस भी फंस गई, जिसे पुलिसकर्मियों ने बड़ी मशक्कत के बाद निकाला। करीब डेढ़ घंटे बाद यातायात सामान्य हो सका।

कटान के चलते शिव बाबा घाट पर नहीं होगा स्नान

घाटों का निरीक्षण करते एसडीएम सदर क्षितिज द्विवेदी। अमृत विचार

शुक्लागंज, अमृत विचार। आगामी 5 नवम्बर को कार्तिक पूर्णिमा स्नान को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां जोरों पर हैं। इसी क्रम में शनिवार शाम एसडीएम सदर क्षितिज द्विवेदी ने मिश्रा कॉलोनी के शिव बाबा घाट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गंगा कटान की स्थिति का जायजा लिया। घाट के पीछे बहाव के कारण मिट्टी कटने से उत्पन्न खतरे को देखते हुए एसडीएम ने स्पष्ट निर्देश दिये कि इस बार मिश्रा कॉलोनी घाट पर श्रद्धालुओं को स्नान की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने नगर पालिका को घाट के चारों ओर बेरीकेडिंग कर पूरी तरह से क्षेत्र को बंद करने के निर्देश दिये, ताकि कोई भी श्रद्धालु गलती से घाट की ओर न पहुंचे। उनके साथ लेखपाल प्रशांत अवस्थी और नगर पालिका के कर्मचारी भी मौजूद रहे।

2.29 लाख में उठा कार्तिक पूर्णिमा मेले का ठेका

शुक्लागंज। गंगा तट पर लगने वाले कार्तिक पूर्णिमा मेले के ठेके की नीलामी शनिवार को नगर पालिका परिषद गंगाघाट कार्यालय में संपन्न हुई। इस मौके पर तीन ठेकेदारों ने खुली बोली में भाग लिया। सबसे ऊंची बोली 2 लाख 29 हजार 500 रुपये की लगाकर श्रवण कुमार सिंह पुत्र राम स्वरूप सिंह निवासी पश्चिमी गंगाघाट ने ठेका अपने नाम किया।

तत्कालीन पुरवा कोतवाल सहित 3 पर दर्ज होगी रिपोर्ट

उन्नाव। पुरवा कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला पश्चिम टोला निवासी अनुसूचित जाति के रिंकू ने एससी एसटी एक्ट कोर्ट में बीएनएसएस की धारा 173 (4) के तहत प्रार्थना पत्र दाखिल किया था। जिसमें उसने बताया था कि 1 नवंबर - 2024 की दोपहर करीब तीन बजे वह अपने पारिवारिक सदस्य राजेश के साथ पुरवा कोतवाली के गेट के पास बात कर रहा था। तभी कोतवाली में तैनात सिपाही हर्ष व हिमांशु तिवारी उसे कोतवाल के बुलाने की बात कह कर अंदर ले गए। जहां तत्कालीन एसएचओ राकेश कुमार गुप्ता सहित दोनों सिपाहियों ने उन्हें और उनके परिजनों को कंप्यूटर रूम में बंद कर दिया। आरोप है कि तत्कालीन इंस्पेक्टर राकेश गुप्ता ने अनुसूचित शब्दों का प्रयोग करते हुए दोनों सिपाहियों से बेहरमी से पिटवा कर उसकी दोनों बाइक सीज कर उसका शांति भंग की धारा में चालान कर दिया। परिजनों ने उसका मेडिकल करा पुलिस के उच्च अधिकारियों से गुहार लगाई। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस पर उसने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। एससी एसटी एक्ट की न्यायाधीश कविता मिश्रा ने पीड़ित रिंकू की मेडिकल रिपोर्ट व घटनाक्रम का अवलोकन करते हुए अपने आदेश में कहा कि प्रथम दृष्टया पुलिसकर्मियों द्वारा एससी एसटी एक्ट व मारपीट के तहत गंभीर अपराध किए जाने की संभावना प्रतीत होती है।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अंबिका स्कूल ने लहराया परचम

विजयी मुद्रा में प्रमाण पत्र के साथ खड़े अंबिका के छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

शुक्लागंज, अमृत विचार। राजधानी मार्ग स्थित अंबिका प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल में शनिवार को आयोजित नेशनल वर्ली आर्ट प्रतियोगिता 2025 में विद्यालय ने राष्ट्रीय स्तर पर पांचवां स्थान प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता सेंट्रल इंडिया एजुकेटर्स एंड लर्नर्स फोरम, नागपुर के तत्वावधान में हुई। वर्ली आर्ट में विद्यालय के विद्यार्थियों को विशेष सम्मान भी मिला। साथ ही, उन्नाव सहोदया इंटर स्कूल योगा प्रतियोगिता में स्कूल ने तृतीय स्थान हासिल किया। इन उपलब्धियों पर विद्यालय परिसर में आयोजित प्रार्थना सभा में विजेताओं को सम्मानित किया गया। प्रबंधक अजय त्रिवेदी और प्रधानाचार्या मोनिका तिवारी ने विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि यह सफलता उनकी मेहनत और अनुशासन का परिणाम है।

धूमधाम से मनाई गई सरदार पटेल की जयंती

डिवाइन मिशन स्कूल में सरदार पटेल की जयंती कायक्रम में मौजूद लोग। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। शहर के कल्याणी मोहल्ला स्थित डिवाइन मिशन एवं डॉन बॉस्को स्कूल में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती उत्साह, उमंग व जोश के साथ मनाई गई। इसमें विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

विद्यालय संचालिका प्रतिमा सहाय, प्रबंधक शतायु सहाय, प्रधानाचार्या शिवानी ने दीप प्रज्जवलित कर व पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रतिमा सहाय ने पटेल जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनका जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नडियाद में हुआ था। वह पेशे से वकील थे लेकिन, महात्मा गांधी से प्रभावित होकर उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया। स्वतंत्रता के बाद भारत के पहले उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री बने।

शतायु सहाय ने सरदार पटेल के योगदान के कई संस्मरण साझा किया। इस दौरान रंगोली दौड़ आदि विभित्र कार्यक्रम हुए। जिनमें वैष्णवी, आराध्या, अनरव, तपिश दुर्गा, वैभवी आदि प्रथम रहे। प्रधानाचार्या शिवानी ने आभार व्यक्त किया।

सिटी डायरी

यातायात माह का हुआ शुभारंभ दुर्घटनाएं रोकने पर जोर

दीप प्रज्जवलित कर यातायात माह का शुभारंभ करते डीएम गौरांग राठी, मौजूद एसपी जय प्रकाश सिंह व अन्य।

उन्नाव। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए शनिवार को सदर चौकी स्थित यातायात कार्यालय में एक नवंबर को डीएम गौरांग राठी और एसपी जय प्रकाश सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन और पुष्पांजलि देकर यातायात माह का शुभारंभ किया। इस दौरान कम्पोजिट विद्यालय कटरी पीपरखेड़ा के बच्चों ने गणेश वंदना, पैट्रियाट इंटर कालेज के छात्रों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। किंग्सन इंटर कालेज के बच्चों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यातायात नियमों के महत्व को दर्शाया गया। एसपी जयप्रकाश सिंह ने कहा कि यह जागरूकता अभियान केवल नवंबर माह तक सीमित न रहे, बल्कि पूर्ण वर्ष एक अभियान के रूप में चलाया जाना चाहिए। उन्होंने यातायात नियमों का ईमानदारी से पालन करने का आग्रह किया।

दीप जलाकर उन्नाव महोत्सव का शुभारंभ करते सदर विधायक पंकज गुप्ता। अमृत विचार

एक लेन पर वाहन चलने से लगा लंबा जाम।

भक्ति और राष्ट्र प्रेम के गीतों से शुरू हुआ उन्नाव महोत्सव

उन्नाव। लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर शहर के जीआईसी मैदान में आयोजित होने वाले 13 दिवसीय उन्नाव महोत्सव का शुभारंभ सदर विधायक पंकज गुप्ता, एडीएम सुशील कुमार गोंड व सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज ने मां सरस्वती व सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। इसके बाद साईं डांस अकादमी के कलाकारों ने गणपति स्तुति व सरस्वती वंदना की प्रस्तुतियां देकर सबको भावविभोर किया। पूर्व सैनिक भानू प्रकाश शुक्ला ने प्रेम की गंगा बहाते रहो गीत सुना कर सबका मन मोह लिया। वहीं कानपुर से आए गायक गगन शुक्ला ने कर चले हम फ़िदा जानो तन साथियों गीत सुनाया।

हाईवे निर्माण में मानक दरकिनार लगा रहा लंबा जाम

नवाबगंज। कानपुर-लखनऊ राजमार्ग पर इन दिनों दूसरी लेन का काम चल रहा है। जिसमें सड़क निर्माण के मानकों का पालन नहीं हो है। जिससे निर्माण में आसपास के लोगों को परेशानियां हो रही हैं। साथ ही रोज जाम भी लग रहा है। डायवर्जन सोहरामऊ चौराहा से बजेहरा गांव मोड़ तक रहा। जिससे वाहन स्वामी परेशान रहे और करीब 4 घंटे तक वाहन रेंगकर एक साईड में चलते रहे। बता दें कि कानपुर-लखनऊ राजमार्ग पर इन दिनों दूसरी लेयर का काम हो रहा है। जिसमें मानकों को दरकिनार कर कस्बा चौराहा से बजेहरा गांव के मोड़ तक रोड बंद कर दी गई है।

माउंट लिटरा ज़ी स्कूल के श्रेष्ठ छात्र व शिक्षक हुए सम्मानित

उन्नाव। भारत विकास परिषद मुख्य शाखा द्वारा माउंट लिटरा जी स्कूल में गुरु-वंदन छात्र-अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें स्कूल की मेधावी छात्राओं अनुष्का यादव (कक्षा-10) व श्वेता शुक्ला (कक्षा-12) को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं, शिक्षिका सोनिका त्रिपाठी व प्रियंका घई को भी स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में केके श्रीवास्तव ने भारत विकास परिषद द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत चर्चा की। स्कूल की प्रिंसिपल ने छात्र-छात्राओं को और अधिक शिक्षा के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विशाल चंद गुप्ता, डॉ. उदय प्रताप, सुनील यादव, पवन निगम व राजेश भारती आदि उपस्थित रहे।

माउंट लिटरा ज़ी स्कूल में कार्यक्रम को संबोधित करते केके श्रीवास्तव। अमृत विचार

खुशखबरी

जलस्तर घटने के बाद घाटों तक पहुंचा पानी, पश्चिमी क्षेत्र में कटान का खतरा बढ़ा

डेढ़ दशक के बाद शुक्लागंज की ओर लौटी गंगा

अमन सक्सेना, शुक्लागंज

अमृत विचार EXCLUSIVE

अमृत विचार। साक्षात देवी का दर्जा प्राप्त मां गंगा आखिरकार करीब डेढ़ दशक बाद शुक्लागंज के घाटों की ओर लौट आई हैं। कभी नगर की पहचान रहे ये घाट वर्ष 2010 के बाद से वीरान पड़े थे, लेकिन अब एक बार फिर वहां लहरों की गूंज सुनाई दे रही है। गंगा के इस रूप ने लोगों को श्रद्धा और रोमांच से भर दिया है।

कहावत है 'हम तो दरिया हैं, हमें अपना हुनर मालूम है।' यह कहावत इस बार पूरी तरह चरितार्थ हो गई। वर्ष 2010 में जब गंगा की मुख्य धारा कानपुर की ओर मुड़ गई थी, तब से शुक्लागंज के घाटों पर केवल धूल उड़ती थी। हर वर्ष अमावस्या, पूर्णिमा और एकादशी जैसे स्नान पर्वों पर श्रद्धालुओं को रेती पार कर कानपुर की ओर जाना पड़ता था। मगर वर्ष 2025 में जलस्तर के दो बार खतरे के निशान पार करने के बाद गंगा की एक धारा फिर से शुक्लागंज के घाटों की ओर बह निकली है। केन्द्रीय जल आयोग के अनुसार, वर्ष 2010 में आई भयंकर बाढ़ के दौरान राजधानी मार्ग तक गंगा का पानी पहुंच गया था। बाढ़ उतरने के बाद गंगा की मुख्य धारा स्थायी रूप से कानपुर की ओर चली गई थी।

इसके बाद कई बार, विशेषकर वर्ष 2018, 2023 और 2024 में जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर गया, जलस्तर बढ़ने के दौरान घाट पानी से लबालब रहे लेकिन जलस्तर घटने के बाद वहीं सूखे घाट देखने को मिलते थे, और मां गंगा नगर के घाटों तक नहीं आईं। इस बार, वर्ष 2025 में दो बार जलस्तर खतरनाक स्तर तक पहुंचा और घटने के बाद गंगा की धारा ने फिर से शुक्लागंज की राह पकड़ ली। स्थानीय निवासियों के लिए यह नजारा किसी सौभाग्य से कम नहीं है। घाटों पर अब स्नान, पूजा और आरती के दृश्य फिर से जीवंत होने लगे हैं। लोग इसे मां गंगा का आशीर्वाद मान रहे हैं।

शुक्लागंज के घाट के पास से बहती गंगा की धारा। अमृत विचार

इस वर्ष पश्चिमी क्षेत्र में कटान का खतरा

2010 से नगर के घाटों से रूठी रही थीं मां गंगा पंद्रह साल बाद गंगा की मुख्य धारा शुक्लागंज की ओर पहुंचने से अब नगर के पश्चिमी तट पर कटान का खतरा बढ़ गया है। विशेष रूप से मिश्रा कॉलोनी के मकान खतरे की जद में हैं। इसी तरह चंपापुरवा बस्ती के पास भी घुमावदार कटान हो रही है।

2007 में हुई थी भीषण कटान

वर्ष 2007 में भी गंगा की धारा शुक्लागंज की ओर थी। उस समय बालूघाट से लेकर रेलवे पुल के बीच जबरदस्त कटान हुई थी। इसी कटान में श्री सार्वजनिक रामलीला समिति का चबूतरा और लीला स्थल बह गया था। तब से नगर की सबसे पुरानी रामलीला के मंचन पर ग्रहण के बादल छाए रहते हैं।

सालाही सालाहि एती सुरति न पाईआ।
नदीआ अतै वाह पवहि समुंदि न जाणीअहि॥

गुरु नानक देव जी कहते हैं, ईश्वर की कितनी भी प्रशंसा की जाए, इसके बाद भी उसकी संपूर्ण महिमा को समझ पाना संभव नहीं है। जैसे, नदियां हमेशा समुद्र की ओर बहती हैं, लेकिन कभी भी समुद्र की गहराई और उसकी संपूर्णता को पूरी तरह नहीं जान पातीं।

ज्ञान का प्रकाश मिलते ही समाप्त हो जाती है माया

जीवन प्रकृति का उपहार है। कोई जन्म लेता है। जन्मा शिशु हंसता है। हाथ-पैर चलाता है। परिवार छोटे बच्चों को बढ़ता हुआ देखकर प्रसन्न होता है। फिर आती है जीवन की चुनौतियां। दुख आते हैं। सुख आते हैं। वे बारी-बारी से आते-जाते हैं। परिवार बढ़ता है। वह वृहत्तर समाज का अंग हो जाता है। वह जैसा चाहता है, वैसा नहीं होता, तो उसे दुख होता है। दुख और सुख आते-जाते हैं। दुख स्वयं निरपेक्ष नहीं है। दुख-सुख का अभाव है। दुख का मुख्य कारण आसक्ति है। माना जाता है, माया मोह में फंसकर व्यक्ति दुखी रहता है। बुद्ध ने दुख को ही समस्या का जड़ माना है।

> माया संस्कृत का शब्द है। इसका अर्थ है जो नहीं है, अर्थात हमारे इन्द्रियबोध को धोखा देने वाला। अद्वैत दर्शन में माया की धारणा बहुत महत्वपूर्ण है। यह सत्य सुव्यवस्थित है कि परमार्थत : ब्रह्म ही एकमात्र सत् है। ब्रह्म एक निर्गुण निर्विकार भेदरहित सत्ता है। ब्रह्म से अलग कुछ भी नहीं। बाकी सब मिथ्या है, लेकिन सांसारिक जीवन में कुछ जिज्ञासाएं भी चला करती हैं। ब्रह्म की सत्ता पर पूर्ण विश्वास न करने वाले विद्वान कहते हैं कि सांसारिक जीव ऐसा अनुभव नहीं करते।

शब्द 'माया' लोक जीवन में बहुत चलता है। संसार के प्रति आसक्ति के लिए भी 'माया' शब्द का प्रयोग होता है। तब उसे माया मोह कहते हैं। संसार को कागज की पुड़िया बताने वाले संत कबीर भी माया को ठगनी बताते हैं। एक पूरी सभ्यता को ही 'माया सभ्यता' कहा जाता है। माया सभ्यता मध्य अमेरिका के दक्षिणी मेक्सिको से लेकर ग्वाटेमाला बेलीज पश्चिमी होंडुरस और एल साल्वाडोर तक फैली हुई थी। ऋग्वेद में एक शब्द आया है 'ऋभु'। ऋभु कारीगर हैं। एक मंत्र के अनुवाद में ऋभुओं द्वारा बहुत सुंदर स्थापत्य बनाने की प्रशंसा की गई है। माया किसी न किसी रूप में, भारत के मन में बहुत गहराई से बैठी हुई प्रतीत होती है। तुलसीदास भी सांसारिक दुखों का कारण माया बताते हैं। माया प्रभावित जीव दुखी रहते हैं।

माया संस्कृत का शब्द है। इसका अर्थ है जो नहीं है, अर्थात हमारे इन्द्रियबोध को धोखा देने वाला। अद्वैत दर्शन में माया की धारणा बहुत महत्वपूर्ण है। यह सत्य सुव्यवस्थित है कि परमार्थतः ब्रह्म ही एकमात्र सत् है। ब्रह्म एक निर्गुण निर्विकार भेदरहित सत्ता है। ब्रह्म से अलग कुछ भी नहीं। बाकी सब मिथ्या है, लेकिन सांसारिक जीवन में कुछ जिज्ञासाएं भी चला करती हैं। ब्रह्म की सत्ता पर पूर्ण विश्वास न करने वाले विद्वान कहते हैं कि सांसारिक जीव ऐसा अनुभव नहीं करते। उनके अनुसार जगत् में उन्हें जगत् जीव प्रपंच के अनुभव दिखाई पड़ते हैं। वैसे भी विद्वतजनों में मतभेद बने रहना स्वाभाविक है। मूलभूत प्रश्न है कि इस संसार के सारे प्रपंच और ब्रह्म से उनके संबंध क्या हैं? संसार में जैव विविधता है। मत भिन्नता भी है। जीवन के बारे में अनेक दृष्टिकोण हैं। कुछ मानते हैं कि यह जीवन और जगत् किसी सर्वशक्तिशाली परम शक्ति के द्वारा दिया गया है। उसे ईश्वर की संज्ञा दी गई है, कुछ ऐसे चिंतक विचारक भी हैं, जो जीवन जगत् के लिए प्रकृति की शक्तियों पर निर्भर हैं। अद्वैत वेदांत में केवल ब्रह्म को ही माना गया है। उनका ब्रह्म संसार नहीं बनाता।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

शंकराचार्य ने ब्रह्म को मात्र एक पारमार्थिक सत्ता बताया है। फिर प्रत्यक्ष संसार की गतिविधियों का रहस्य क्या है? प्रत्यक्ष भौतिक जगत् को माया रूप देखना तथ्यगत नहीं जान पड़ता। शंकराचार्य के अनुसार माया भावात्मक है। अविद्या अभावात्मक है। सुर नर मुनि भी माया के पाश में बंधे रहते हैं। माया में प्रतिबिंबित ब्रह्म ईश्वर है, किंतु विद्या में प्रतिबिंब ब्रह्म जीव है। माया ईश्वर को भी प्रभावित करती है, जबकि अविद्या जीव को प्रभावित करती है। अविद्या त्रिगुणात्मक है। अज्ञान, अव्यक्त, अनिर्वचनीय, भ्रांति आदि शब्द एक जैसे हैं। इस तरह माया जड़ है और अपनी सत्ता के लिए ब्रह्म पर आश्रित है।

उपनिषदों में विद्या और अविद्या शब्द आए हैं। कुछ विद्वान मानते हैं कि आसक्ति के कारण यह संसार खूबसूरत दिखाई पड़ता है। दुख आने पर यह संसार वैसा नहीं दिखाई पड़ता जैसा हम सोचते हैं। दर्शन में ऐसे प्रश्नों पर गंभीर विचार हुआ है। प्रश्न है कि, यह विश्व किस तरह अस्तित्व में आया? क्या इसे किसी ने बनाया है? क्या यह सदा से है? अगर किसी देव शक्ति ने बनाया है, तो इस रचना के पहले कुछ तो रहा ही होगा? कोई वस्तु पदार्थ अथवा अणु परमाणु शून्य से नहीं पैदा हो सकते।

वैदिक काल से लेकर उपनिषद काल तक यह धारणा रही है कि ईश्वर शासक नहीं है। वह करुणानिधान है। वह सर्वशक्तिमान सत्ता है, जो समस्या भारत में ऋषियों के सामने थी, वही समस्या यूनानी दार्शनिकों के मध्य विचारणीय थी। शंकराचार्य ने स्वयं कहा है कि माया और अविद्या में कोई भेद नहीं है। सांख्य दर्शन द्वैतवादी है। शंकराचार्य ने सांख्य दर्शन के द्वैतवाद का खंडन किया है और सांख्य के पुरुष तत्व को ब्रह्म या आत्मा का आसन दिया। माया अनादि है, लेकिन अनंत नहीं है। माया की शुरुआत कब हुई पता नहीं। अनादि और अनंत में फर्क होते हैं। अनादि वह तत्व है जो सदा से है और अनंत का अर्थ, जिसका अंतिम छोर पता नहीं। शंकराचार्य के अनुसार माया ज्ञान के सामने नहीं बचती। अनादि होकर भी अनंत न होना स्वाभाविक है। वस्तुतः माया ज्ञान प्रकाश मिलते ही समाप्त हो जाती है।

माया अजर-अमर नहीं है। वह ज्ञान से बाधित है। माया ज्ञान के समक्ष नहीं बच पाती। यह अभावात्मक भी नहीं है। यदि यह केवल अभाव रूप होती, तो इससे सृष्टि का उद्भव असंभव होता। संसार भ्रम से भरा-पूरा है। इस तरह माया सत् नहीं है। ब्रह्म से स्वतंत्र उसकी कोई सत्ता नहीं है। माया को सत् या असत् नहीं कहा जा सकता। माया सत् नहीं है। यह यथार्थ ज्ञान से तिरोहित हो जाती है। माया की कोई स्वतंत्र सत्ता नहीं है। वह असत् भी नहीं है। वह जगत् को आरोपित करती है।

इसी तरह का माया जैसा एक आंतरिक अनुभव अध्यास है, जो वस्तु नहीं है। उसका अनुभव करना अध्यास है। माया भी ऐसी है। जिस प्रकार रस्सी को सांप समझने तक सत्य का पता नहीं चलता। वहां सांप वास्तव में नहीं होता, लेकिन अध्यास के कारण वह प्रभावी रहता है। माया का आश्रय ब्रह्म है। माया ब्रह्म में रहती है और संसार के आविर्भाव के लिए ब्रह्म को ही अपना विषय बनाती है। अपने सारे काम करते हुए वह प्रभावित नहीं होती। ब्रह्म भी प्रभावित नहीं होता। माया और अध्यास एक जैसे दिखाई पड़ते हैं, मगर हैं नहीं। माया संसार रचती है। अध्यास के तीन घटक बताए गए हैं। अधिष्ठान, अध्यस्त, अध्यस्त वस्तु और आरोप। यहां अधिष्ठान वह तत्व है जो अध्यास काल में उपस्थित है।

शंकराचार्य के अनुसार अध्यास का कारण अविद्या है। अविद्या का मतलब अज्ञान नहीं होता। विद्या और अविद्या शब्द उपनिषदों से आए हैं। अविद्या का अर्थ है, प्रत्यक्ष संसार की वस्तुओं और आचार विचार की सारी कार्यवाहियों का ज्ञान और विद्या का मतलब है, परम तत्व का ज्ञान। ईशावास्योपनिषद के एक मंत्र में कहते हैं कि जो विद्या के उपासक हैं, वे अंधलोकों में जाएंगे और जो विद्या के उपासक हैं, वे भी अंधलोकों में जाएंगे। सांसारिक ज्ञान अविद्या है। अविद्या और विद्या आध्यात्मिक ज्ञान है। साधक दोनों की जानकारी के लिए उपासना करें। अविद्या से जुड़े होने के कारण अध्यस्त के गुण दोष का कोई प्रभाव अधिष्ठान पर नहीं पड़ता।

पुराना उदाहरण लें, जब कोई अविद्या के कारण रस्सी में सर्प का ज्ञान प्राप्त करता है, तब सर्पत्व का कोई प्रभाव रस्सी पर नहीं पड़ता। अध्यास के प्रभाव में रस्सी सांप नहीं बन जाती। वह सांप जैसी प्रतीत होती है। इससे सर्प ज्ञान बाधित होता है। शंकर के अनुसार अध्यस्त वस्तु अपने मूल रूप में बनी रहती है। इसे असत नहीं कहेंगे। भ्रम काल में भी उसका अनुभव होता है और यह वस्तुतः सही नहीं होता है। हम भारतवासी अध्यात्मबोध को श्रेष्ठ मानते हैं, लेकिन ऐसा बोध माया की सीमा तक जाता है। माया की सीमा है। वह अनंत नहीं है।

स्मार्ट सिटी योजना में पीपीपी मॉडल का प्रयोग

साल 2015 में लॉन्च किए जाते समय 'स्मार्ट सिटीज मिशन' का उद्देश्य 100 शहरी क्षेत्रों का चयन करके उनके बुनियादी ढांचे को चमकदार बनाया जाना और निवासियों को बेहतर प्रशासनिक दक्षता उपलब्ध करवाने में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग प्रस्तावित था। 'शहरी विकास मंत्रालय' ने 20 वर्षों की इसकी लागत सात लाख करोड़ रुपये बताई थी। इस मिशन के लिए चुने गए शहरों में नई दिल्ली से लेकर भोपाल, भागलपुर, इंदौर, इंफाल, सलेम, सतना और अहमदाबाद आदि शामिल थे। केंद्र सरकार ने प्रारंभ में मिशन के लिए 48,000 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। इसमें कुछ राशि उन राज्यों द्वारा भी मिलाई जानी थी, जिनमें परियोजनाएं लागू की जानी थीं। मिशन ने यह सिफारिश की थी कि जलापूर्ति, स्वच्छता, सीवरेज और परिवहन जैसी सार्वजनिक सेवाएं निजी साझेदारों के माध्यम से 'पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप' (पीपीपी) के तहत प्रदान की जाएं। 1990 के दशक की शुरुआत में अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के बाद से भारत का शहरी विकास मॉडल निजी कंपनियों को सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता में शामिल करने और फिर नागरिकों से उनका शुल्क वसूलने की रणनीति पर आधारित रहा है।

गौरव द्विवेदी
एक्टिविस्ट

'स्मार्ट सिटी परियोजनाओं' के प्रमुख सहयोगी बहुराष्ट्रीय कॉर्पोरेशन्स और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान भी रहे हैं। उनमें 'सिस्को', 'आईबीएम', 'जनरल इलेक्ट्रिक', 'हिताची' और 'तोशिबा' आदि शामिल हैं। ऐसी स्मार्ट परियोजनाओं का उत्साहपूर्वक साथ देने वाले अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान भी हैं, जैसे 'वर्ल्डबैंक,' 'एशियन डेवलपमेंट बैंक' और कई 'इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन।' भारत के 'स्मार्ट सिटीज मिशन' को 'वर्ल्डबैंक' के अलावा 'इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन' का सहयोग प्राप्त है जो 'वर्ल्डबैंक' समूह की निजी क्षेत्र की शाखा है।

> एक रिपोर्ट ने निष्कर्ष निकाला है कि 'पीपीपी मॉडल' कई स्तरों पर विफल रहा है, जिससे वित्तीय और मानवीय दोनों तरह के प्रभाव उत्पन्न हुए हैं। इसका कारण यह है कि निजी कंपनियां नागरिकों के प्रति नहीं बल्कि अपने शेयरधारकों के प्रति जिम्मेदार होती हैं।

पिछले दो दशकों में भारत का निजी ऑपरेटरों के माध्यम से परियोजनाओं को लागू करने और सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने का अनुभव उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है। जलापूर्ति में पांच 'पीपीपी' पर वर्ल्डबैंक के अध्ययन ने चेतावनी दी है कि 'सिर्फ ऐसे निवेश ही प्रभावी नहीं होंगे, जिनमें कम जवाबदेही हो। आपूर्ति को ठीक से चलाने और मानकों को पूरा करने की कमी हो। कमजोर वाणिज्यिक रुझान हो। बाहरी संस्थाओं द्वारा संचालन में हस्तक्षेप हो और ग्राहक सेवा, वित्तीय स्थिरता पर केंद्रित नियामक ढांचे की अनुपस्थिति हो। इसी बीच, 'यूरोपियन नेटवर्क ऑन डॅट एंड डेवलपमेंट' की एक रिपोर्ट ने निष्कर्ष निकाला है कि 'पीपीपी' मॉडल 'कई स्तरों पर विफल रहा है,' जिससे वित्तीय और मानवीय दोनों तरह के प्रभाव उत्पन्न हुए हैं। इसी रिपोर्ट रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 'पीपीपी' की मानवीय लागत, विशेष रूप से सार्वजनिक सेवा वितरण में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। इसका कारण यह है कि निजी कंपनियां नागरिकों के प्रति नहीं, बल्कि अपने शेयरधारकों के प्रति जिम्मेदार होती हैं।

कॉफी की बूंदें बनाम मिल्क केक के ढेर

हाल में लंदन में एक महिला पर इसलिए 150 पाउंड जुर्माना लगा, क्योंकि बस पकड़ते समय उसने अपने कप में बची हुई कॉफी की बूंदें सडक के नाले में उंडेल दी थीं। पुलिस अधिकारियों ने तुरंत उसे रोककर बताया कि आपने प्रदूषक पदार्थ सार्वजनिक जल निकासी में डाला है। महिला ने माफी मांगी, पर जुर्माना लगा, क्योंकि वहां नियम भावनाओं से नहीं, व्यवस्था से तय होता है। इसके विपरीत अब जरा राजस्थान में अजमेर की तस्वीर देखिए। अजमेर में खाद्य विभाग ने 2000 किलो मिल्क केक जांच के बाद मिलावटी पाया। अधिकारियों ने वह सारा खराब मिल्क केक कागज के डिब्बों समेत सीधे नदी में बहा दिया। इसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, लेकिन न कोई जुर्माना लगा, न कोई जांच हुई और न किसी अधिकारी की जवाबदेही तय की गई। यह तुलना केवल दो देशों की नहीं है, बल्कि यह दो मानसिकताओं की कहानी है।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

लंदन के उदाहरण से पता चलता है कि वहां कानून व्यक्ति से ऊपर है, जबकि अजमेर के उदाहरण से साफ है, हमारे यहां कानून व्यक्ति के अनुसार चलता है। हम कानून सबके लिए समान होने की बातें कहते हैं, पर ऐसा सिर्फ किताबों में है। हमारे देश में नियमों की कमी नहीं है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से लेकर स्वच्छता अभियान तक हर विभाग के पास नियम-कायदे हैं, लेकिन ये लागू किस पर होते हैं? ज्यादातर आम नागरिक पर। असरदार तो आम तौर पर इससे बच ही जाते हैं।

एक आदमी बिना हेलमेट के निकल जाए तो फौरन चालान हो जाता है, मगर कोई ठेकेदार निर्माण के बाद बचा मलबा खुले नाले में डाल दे तो उसे अनदेखा कर दिया जाता है। लंदन के नाले में कॉफी गिराने वाली महिला की गलती व्यक्तिगत जिम्मेदारी की प्रतीक है, जबकि अजमेर की घटना संस्थागत लापरवाही का उदाहरण है। एक सरकारी विभाग टीम ने मिलकर नदी को प्रदूषित किया, लेकिन दोनों में फर्क देखिए- एक को सजा मिली, जबकि दूसरे को सरकारी संरक्षण हासिल है।

जब भी किसी संस्थागत लापरवाही का मुद्दा उठता है, तो उसे बहाने बनाकर अनदेखा कर दिया जाता है। अजमेर में 2000 किलो मिल्क केक नदी में फेंकते हुए, यह भी नहीं सोचा गया कि इतनी भारी मात्रा में सड़ा हुआ दूध, शक्कर और कागज मिलकर जलचरों के जीवन, ऑक्सीजन स्तर और पानी की गुणवत्ता को किस कदर प्रभावित करेगा? यह सीधे तौर पर पर्यावरण नियमों का उल्लंघन है। ऐसा करने वाला चाहे नागरिक हों या कोई अधिकारी, चूंकि यह उल्लंघन सरकारी विभाग की टीम ने किया है, इसलिए जवाबदेही की बात ही नहीं समझी जा रही है। यानी सरकारी विभाग जवाबदेही से ऊपर हैं। लंदन की महिला की गलती बेशक छोटी थी, पर वहां व्यवस्था ने यह दिखा दिया कि नियम सबके लिए एक हैं, जबकि हमारे यहां अजमेर की घटना यह याद दिलाती है कि जब कानून का पालन करने वाले ही कानून तोड़ते हैं, तब समाज का नैतिक ताना-बाना टूटने लगता है। किसी भी समाज में कानून का अर्थ केवल सजा देना नहीं होता, बल्कि विश्वास बनाना भी होता है।

किसानों की दुर्दशा व सरकारी व्यवस्था

निरंतर बढ़ती जनसंख्या, विकसित भारत के दृष्टिगत सड़कों के जाल और औद्योगिक इकाईयों की स्थापना को कृषि भूमि के अधिग्रहण से हमारे देश-प्रदेश की कृषि भूमि लगातार घट रही है। समय रहते इस दिशा में पहल नहीं की गई तो स्थिति विस्फोटक हो सकती है। कृषि प्रधान देश के नेतृत्वकर्ताओं ने यह तो महसूस किया कि भारत के समग्र विकास का रास्ता गांव और किसान के विकास से होकर ही आगे बढ़ता है। आजादी के बाद से तत्कालीन नेतृत्वकर्ताओं ने कृषि के समुचित विकास को कृषि विकास मंत्रालय के साथ कृषि बीज संवर्धन, कृषि रसायन, कीटनाशन प्रबंधन, रसायनिक खाद उत्पादन एवं वितरण, भूमि संरक्षण, कृषि कार्य के ऋण के लिए खाद व बीज वितरण को सोसाइटीज, गन्ना विकास के लिए अलग समितियां व विभाग, भूमि विकास बैंक, को-ऑपरेटिव बैंक स्थापित किए।

प्रदेश में कांग्रेस, भाजपा, सपा व बसपा की सरकारें रहीं, लेकिन रबी की बुवाई से पूर्व जरूरत के मुताबिक पोटाश खाद व फसल के लिए यूरिया का समय से प्रबंध नहीं कर पाईं और किसान को अपनी जरूरत के मुताबिक खाद मुहैया कराने के लिए जो पापड़ बेलने पड़ते हैं, उसका अंदाज भुक्तभोगी ही लगा सकता है। सत्तारूढ़ दल या विपक्षी दल रसायनिक खाद की जरूरत के समय तक उपलब्धता सुनिश्चित क्यों नहीं करा पाते? और छोटे व साधनविहीन किसानों को इधर-उधर भटकना क्यों पड़ता है?

ओमकार सिंह रघुवंशी
अधिवक्ता

अब किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई के लिए इतनी बिजली मिल पा रही है कि वे हाथ-पैर काले किए डीजल इंजन चलाने को नहीं भटक रहे हैं। यह दीगर बात है कि राजकीय नलकूप पर्याप्त नहीं हैं और जो हैं वे राजकीय नलकूप चालक की इच्छा शक्ति से संचालित हो रहे हैं और किसान खासकर छोटे किसान निजी नलकूप संचालकों के रहमो-करम से अपनी फसल बचा पा रहे हैं।

बढ़ती आबादी व विभिन्न योजनाओं में भूमि अधिग्रहण से अधिसंख्य किसान लघु और अत्याधिक लघु किसान के श्रेणी में आते जा रहे हैं। कृषि कार्य के कुशल संचालन को विकास खंड स्तर पर अपर खंड विकास अधिकारी (कृषि) व अन्य स्टाफ की नियुक्ति है, लेकिन इनके द्वारा राजकाज की व्यस्तता के चलते आम सभाएं करके किसानों को सरकारी योजनाओं की सार्वजनिक जानकारी देने का प्रयास नहीं किया जाता।

रबी में तोरिया, सरसों पर कीट प्रबंधन (माहू कीट) से रोकथाम, आलू की फसल में झुलसा आदि रोगों की रोकथाम को कीट प्रबंधन विभाग समाचार पत्रों को विज्ञप्ति जारी करके अपनी ड्यूटी का निर्वाह करता है। उसमें जो सुझाव दिए जाते हैं, वह प्रति हैक्टेअर दवा की मात्रा का जिक्र किया जाता है। उल्लेखनीय है कि जिस किसान पर बीस वर्ष पूर्व एक हेक्टेयर कृषि थी, आज उसके पौत्रों पर 2-3 बीघा कृषि भूमि रह गई है। अब वह हैक्टेअर की दर से दवा का उपयोग कैसे करे इस पर पंचायत या ग्राम स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित किए जाने की जरूरत है, लेकिन इसके प्रति जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता से नतीजा शून्य है। किसान अपने विवेक से कीट रसायन प्रयोग करके फसल तो बचा पा रहा है, लेकिन उत्पादित सब्जी व अन्न से आम आदमी की सेहत पर दुष्प्रभाव से किसी को कोई सरोकार नहीं है।

> मृदा परीक्षण के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रयोगशालाओं के लिए सरकार धन तो देती है, इसके सापेक्ष उसकी उपयोगिता पर सत्ता व विपक्ष के प्रतिनिधि दृष्टिपात नहीं करते। मृदा परीक्षण के परिणाम समय से न मिलने से पूरा विभाग सफेद हाथी साबित होता है।

आबादी के सापेक्ष खाद्यान्न उत्पादन के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है मृदा परीक्षण। मृदा परीक्षण के लिए नियुक्त अधिकारियों, कर्मचारियों पर प्रयोगशालाओं के रखरखाव पर सरकार द्वारा दिए जाने वाले धन के सापेक्ष उसकी उपयोगिता पर सत्ता व विपक्ष के प्रतिनिधि दृष्टिपात नहीं करते, लेकिन मृदा परीक्षण के परिणाम समय से न मिलने से पूरा विभाग सफेद हाथी साबित होता है। मृदा परीक्षण का परिणाम समय से देने के लिए क्षेत्रवार खेतों की मिट्टी के नमूने प्रयोगशाला तक पहुंचाया जाना, रिपोर्ट व परीक्षित मिट्टी वाले खेत के लिए फसल चयन पर सुझाव कम से कम दो सप्ताह पूर्व प्राप्त होने से तथा सुझाव के अनुरूप बीज व रसायनिक अथवा देसी खाद की उपलब्धता के लिए शासन व प्रशासन स्तर समग्र प्रयास किए जाने चाहिए।

समय की मांग है कि सभी राजनीतिक दलों को अपने कार्यक्षेत्र के किसानों की समस्याओं का आकलन कराकर उनके समाधान का प्रयास करना चाहिए। मात्र स्व महिमा मंडन अथवा अपने प्रतिद्वंद्वी की आलोचना से कुर्सी भले ही मिल जाए लेकिन देश, प्रदेश खुशहाली के लिए कृषि व किसानों के प्रति सकारात्मक सोच आवश्यक है।

कमजोर व ताकतवर के हिसाब से रूप बदलती वादाखिलाफी

किसी को कोई वचन देकर फिर वक्त आने पर मुकर जाना वादाखिलाफी कही जाती है। वादाखिलाफी करने वाला मजबूत रहता है, तो कमजोर पक्ष चुपचाप वादाखिलाफी झेलता है और यदि मजबूत है तो वह वादा निभाने को मजबूर करता है।

महाभारत का युद्ध वादाखिलाफी का परिणाम रहा है। पांडु के असमय मृत्यु हो जाने पर हस्तिनापुर का सम्राट धृतराष्ट्र को इन शर्तों पर बनाया गया कि पांडु पुत्र पांडव जब शासन करने में समर्थ हो जाएंगे, तो उन्हें गद्दी दे दी जाएगी, लेकिन धृतराष्ट्र ने पुत्रमोह के चलते पांडवों को राज्य देना स्वीकार नहीं किया और कृष्ण के समझाने के बावजूद 'सूई की नोक के बराबर भूमि नहीं दूंगा' कहकर पांच गांव देने से भी इनकार कर दिया।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

वादाखिलाफी से संबंधित कथा-सम्राट मुंशी प्रेमचंद की कहानी 'पंच परमेश्वर' भी है। कहानी के एक पात्र जुम्मन शेख ने अपनी बेवा खाला की सारी संपत्ति ले ली और वादा किया कि जुम्मन और उसकी बीबी खाला की भलीभांति देखभाल करेंगे, लेकिन कुछ ही महीनों में जुम्मन ने वादा तोड़ दिया। इस पर मामला पंचायत में गया और जुम्मन के खास दोस्त अलगू ने जुम्मन के खिलाफ फैसला दिया तथा वादा निभाने का आदेश दिया। दोनों में अनबन सी हो गई, लेकिन कुछ दिनों बाद जुम्मन को पंच परमेश्वर बनना पड़ा, क्योंकि अलगू चौधरी द्वारा एक व्यापारी को बेचे गए बैल के मर जाने के कारण व्यापारी ने पैसा देने से इनकार कर दिया था। इस बार जब जुम्मन ने पंच परमेश्वर के पद से अलगू चौधरी के पक्ष में फैसला दिया तथा कहा कि बैल खरीदते समय यदि पूरा पैसा अलगू को मिल गया होता तो पैसे का विवाद न होता।

पहले तो लोगों को उम्मीद थी कि जुम्मन द्वारा अलगू के खिलाफ फैसला दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जुम्मन ने न्याय का साथ दिया तथा वादा खिलाफी करने वाले व्यापारी के खिलाफ फैसला हुआ। समाज में आए दिन वादाखिलाफी को लेकर झगड़े होते हैं। कोर्ट-कचहरी तक लोग चक्कर लगाते हैं। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद फैसला होता है। यदि हर कोई अपनी अंतरात्मा की आवाज सुने, तो मालूम हो जाएगा कि कौन वादाखिलाफी कर रहा है?

स्कूल से पहले ससुराल भेज दी जाती हैं लड़कियां

हमारे देश में कुछ ऐसी सामाजिक बुराईयां आज भी मौजूद हैं, जिनके खिलाफ सख्त कानून तो बने हुए हैं, लेकिन इसके बावजूद वह जारी हैं। इनमें कम उम्र में लड़कियों की शादी प्रमुख है। भारत में प्रत्येक वर्ष 18 साल से कम उम्र की करीब 15 लाख लड़कियों की शादी हो जाती है, जिसके कारण भारत में दुनिया की सबसे अधिक बाल वधुओं की संख्या है, जो विश्व की कुल संख्या का तीसरा भाग है। 15 से 19 साल की उम्र की लगभग 16 प्रतिशत लड़कियां शादीशुदा हैं, हालांकि साल 2005-06 से 2015-16 के दौरान 18 साल से पहले शादी करने वाली लड़कियों की संख्या 47 प्रतिशत से घटकर 27 प्रतिशत हो गई है, परंतु यह अभी भी अधिक है। विशेषकर देश के ग्रामीण क्षेत्रों में इसका प्रतिशत अधिक है।

नजमा बानो
लेखिका

राज्य स्तर पर बात करें, तो राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्र इस बुराई से सबसे अधिक प्रभावित हैं। यहां के कई गांवों में लड़कियों की जल्दी शादी हो जाना आम बात है। हालांकि हाल के दशक में यह प्रथा घटने के संकेत दिखे हैं, पर जमीन पर मौजूद तस्वीर मिश्रित है। कुछ जगहों पर बदलाव तेज हैं, तो कई जगहों पर ये बुराई अभी भी जिंदा है। राष्ट्रीय सर्वेक्षणों के आंकड़ों से साफ होता है कि 2005–06 से लेकर 2019–21 तक इसमें स्पष्ट कमी आई है। राजस्थान में 20–24 आयु की महिलाओं में जो 18 साल से पहले शादी कर चुकी थीं, उनकी दर 2005–06 में बहुत ऊंची थी और 2015–16 में यह 35.4% तक आ गई; फिर 2019–21 में और घटकर लगभग 25.4% दर्ज हुई। यानी एक दशक में गिरावट तो हुई है, पर मामला अभी भी व्यापक है।

इन संख्याओं के पीछे हर एक आंकड़ा किसी परिवार की सुबह और किसी छात्रा की किताबों में छूटा हुआ अध्याय बनकर बैठा है। 2005 के बाद से जो गिरावट आई है, वह अक्सर स्कूलों में बढ़ते दाखिलों, स्थानीय जागरूकता अभियानों और कुछ इलाकों में जीवन शैली के बदलने की वजह से है। अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टें भी बताती हैं कि पूरे देश में बाल विवाह घट रहा है, पर कुछ राज्यों और उनके ग्रामीण हिस्सों में यह अभी भी बड़े पैमाने पर मौजूद है। राजस्थान की बदलती दर राष्ट्रीय औसत से भिन्न पैटर्न दिखाती है। कुछ जगहों पर तीक्ष्ण गिरावट हुई है और कुछ जगहों पर धीमी लेकिन लगातार कमी है।

इसी समय, यह भी ठीक है कि हाल के सालों में कुछ रिपोर्टों ने और ताजा स्थानीय पहलों का जिक्र किया है, जिनसे कुछ जिलों में हालिया वर्षों (2022–24) के बीच रोकथाम के अस्थायी या स्थायी नतीजे सामने आए हैं। पर यह जरूरी है कि इन छोटी-छोटी विजयों को व्यापक और गहरे स्तर पर मापा जाए। कुछ मीडिया रिपोर्टों और क्षेत्रीय सर्वेक्षणों ने तेज गिरावट के प्रमाण दिए हैं, फिर भी राष्ट्रीय सर्वेक्षणों का बड़ा फ्रेम (NFHS जैसी) समय-समय पर तुलनात्मक संकेत देता है।

लड़कियों की पढ़ाई पर इसका असर बहुत सीधा और गहरा होता है। जल्दी शादी से स्कूल छोड़ने की प्रवृत्ति बढ़ती है। 12वीं तक पहुंचने की संभावना कम हो जाती है और कई बार लड़कियां अपनी पढ़ाई अधूरी छोड़कर घरेलू जिम्मेदारियों या मां बनने की चुनौती में फंस जाती हैं। इससे आत्मनिर्भर बनने की संभावनाएं सीमित हो जाती हैं। नेशनल सर्वेक्षणों ने यह भी दिखाया है कि जिन इलाकों में बाल विवाह की दर अधिक है, वहां साक्षरता और शैक्षिक उपलब्धियां तुलनात्मक रूप से कम होती हैं। स्वास्थ्य के स्तर पर भी इसका असर होता है। किशोरावस्था में गर्भधारण से मां और शिशु दोनों के जोखिम बढ़ जाते हैं। प्रसव संबंधी जटिलताएं, न्यूट्रिशनल कमी और उच्च बाल-मृत्यु दर जैसी समस्याएं अधिक देखने को मिलती हैं। राष्ट्रीय आंकड़े बताते हैं कि किशोर मातृत्व की दर और किशोरों में गर्भधारण पर प्रभाव उस समुदाय की शादी की प्रथाओं से जुड़ा होता है, जहां शुरुआती शादी सामान्य है वहां ये स्वास्थ्य संकेतक नकारात्मक रहते हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

देश की तमाम शख्सियतों को लेकर मिमिक्री होना आम बात है। यह बरसों-बरस से हो रही है, बल्कि तमाम हस्तियां इसे एंज्वाय भी करती हैं। जैसे शाहरुख खान की हकलाने वाली मिमिक्री पर वह बुरा नहीं मानते या फिर नाना पाटेकर की खब्ती भरी गुस्से वाली मिमिक्री पर वह खूब हंसते हैं, लेकिन बात इससे कहीं ज्यादा बढ़ गई है। डीपफेक से अब उनकी इमेज को खराब करने की कोशिश की जा रही है। हूबहू उनकी ही शक्ल बनाकर ऊल-जलूल हरकतें या बातें कहलाई जा रही हैं। उनके चेहरे और आवाज का इस्तेमाल फर्जी विज्ञापनों में किया जा रहा है। इसकी वजह से यह सभी हस्तियां चिंता में हैं। कई मशहूर सेलिब्रिटी- अमिताभ बच्चन, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त, अनिल कपूर, आशा भोसले आदि पर्सनाल्टी राइट्स को लेकर अदालत पहुंचे हैं।

पर्सनाल्टी राइट्स को लेकर परेशान सेलिब्रिटी

आलोक तिवारी
लेखक, लखनऊ

■ भारत में एक नया कानूनी युद्ध शुरू हो चुका है, जो न सीमाओं पर है, न संसद में, बल्कि अदालतों और सोशल मीडिया के बीच लड़ा जा रहा है। यह लड़ाई है "व्यक्तित्व अधिकारों" यानी पर्सनाल्टी राइट्स की। हाल ही में देश के कई मशहूर हस्तियों, अमिताभ बच्चन, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त, अनिल कपूर, आशा भोसले सद्गुरु और श्री श्री रविशंकर ने अदालत का दरवाजा खटखटाया है और किसी व्यक्ति ने इनको मजबूर नहीं किया है, बल्कि एआई ने आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस ने इन लोगों के चेहरे आवाज और हाव भाव की इतनी अच्छी नकल कर के दिखाई है कि एक सामान्य नागरिक को भी असली और नकली का अंतर नहीं मालूम पड़ सकता और इसी बात ने इन्हें मजबूर किया है।

■ एआई के आने बाद प्रश्न खड़े हो रहे है कि क्या अब किसी व्यक्ति का नाम, चेहरा और आवाज भी उसकी संपत्ति मानी जाएगी, जिसे वह चाहे तो बेच सके, लाइसेंस दे सके या उसके उपयोग से रॉयल्टी कमा सके?

भारतीय न्यायालयों में यह विवाद

अब यही विवाद भारतीय न्यायालयों तक पहुंच गया है। कानूनी दृष्टि से भारतीय अदालतें अब तक इन मामलों में अनुच्छेद 21 यानी जीवन और निजता के अधिकार का सहारा लेती रही हैं। परंतु यहां एक गहरी दुविधा है। क्या यह अधिकार "निजता" का है या "संपत्ति" का? अमेरिका, जापान और जर्मनी जैसे देशों ने इसे संपत्ति के अधिकार के रूप में स्वीकार किया है। वहां मर्लिन मुनरो और एलवीश प्रेसले जैसे कलाकारों की मृत्यु के बाद भी उनकी पहचान से जुड़े अधिकार उनके परिवार या ट्रस्ट को मिलते हैं, जबकि भारत में ऐसा कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। उदाहरण के तौर पर, सुशांत सिंह राजपूत के पिता ने उनके जीवन पर आधारित एक फिल्म रोकने की कोशिश की थी, लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी कि "व्यक्तिगत पहचान मृत्यु के बाद स्वतः परिवार को ट्रांसफर नहीं होती।" यानी भारत में व्यक्तित्व अधिकार अभी विरासत योग्य नहीं हैं। हर बार जब कोई नया डीपफेक या बिना अनुमति विज्ञापन सामने आता है, तो अदालतों को "John Doe Orders" जारी करने पड़ते हैं। ऐसे आदेश, जो "अज्ञात व्यक्तियों" के खिलाफ होते हैं, लेकिन यह समाधान अस्थायी है। यह केवल तत्काल राहत देता है, न कि स्थायी कानूनी सुरक्षा। कई बार ये आदेश इतने व्यापक होते हैं कि वैध आलोचना, व्यंग्य और पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर भी अंकुश लगने लगता है। परिणामस्वरूप, यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर एक नकारात्मक प्रभाव डाल देता है।

■ सच्चाई यह है कि भारत में अब तक एआई और डीपफेक के लिए कोई ठोस कानून नहीं बना है। अदालतें केस-दर-केस फैसले दे सकती हैं, पर संपूर्ण नीति नहीं बना सकतीं। इसलिए अब समय आ गया है कि संसद इस विषय पर एक स्पष्ट और संतुलित Personality Rights Law बनाए, जो व्यक्ति की पहचान की रक्षा करे, लेकिन साथ ही कला, व्यंग्य, पत्रकारिता और जनहित की स्वतंत्रता को भी सुरक्षित रखे।

निजता के अधिकार का उल्लंघन

■ दरअसल अब यह बहस सिर्फ गोपनीयता तक सीमित नहीं रही। मामला यह है कि किसी की पहचान- जैसे चेहरा, आवाज या नाम का बिना अनुमति इस्तेमाल अगर किसी के आर्थिक लाभ के लिए किया जाता है, तो यह संपत्ति के अधिकार का उल्लंघन बन जाता है। अगर इसका इस्तेमाल किसी की बदनामी या अपमान के लिए किया जाए, तो यह निजता के अधिकार का उल्लंघन कहलाएगा। यानी Privacy Violation और Property Violation दोनों में बारीक, लेकिन बहुत अहम फर्क है। सोचिए, आपके मोहल्ले की नाई की दुकान के बाहर अमिताभ बच्चन की तस्वीर लगी हो और नीचे लिखा हो- "Amitabh Style Haircut Available Here!" या कोई आइसक्रीम बेचने वाला जैकी श्रॉफ का डायलॉग बोलता दिखे-"भिडू, सबसे झकास फ्लेवर यही मिलेगा।" तो यह भले ही मजाक लगे, लेकिन कानून की नजर में यह Personality Rights Violation है। क्योंकि इन छवियों या वाक्यों का इस्तेमाल बिना अनुमति किया गया है।

■ पहले यह सब इतना गंभीर नहीं माना जाता था। स्टेज शो में कलाकार, फिल्मी अभिनेताओं की नकल करते, आवाजें निकालते और मनोरंजन करते थे। परंतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डीपफेक टेक्नोलॉजी के आने के बाद तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। आज कोई भी व्यक्ति कुछ ही सेकंड में किसी भी सेलिब्रिटी की आवाज और चेहरा हूबहू बना सकता है। इतने सटीक वीडियो बनाए जा रहे हैं कि आम दर्शक के लिए असली और नकली में फर्क करना लगभग असंभव हो गया है।

यही कारण है कि अब अदालतों में एक नई किस्म की याचिकाएं बढ़ने लगी हैं। जैकी श्राफ कह रहे हैं- "भिड़ू" शब्द उनकी पहचान है, अनिल कपूर "झकास" पर अपना अधिकार बता रहे हैं, संजय दत्त "बाबा" शब्द पर दावा कर रहे हैं, तो कोई अपनी तस्वीर या वीडियो के गलत इस्तेमाल से परेशान है। आशा भोसले जैसी दिग्गज गायिका भी कह चुकी हैं कि लोग बिना अनुमति उनके गीतों पर उनकी तस्वीर चिपकाकर वीडियो बना देते हैं। यहां तक की श्री श्री रविशंकर और सद्गुरु भी कोर्ट से गुहार लगा रहे है कि उनके आध्यात्मिक प्रवचनों का प्रयोग उनकी एआई फोटो और आवाज के साथ किया जा रहा है और जो बात हम लोगों ने कहा भी नहीं है वो भी जनता को बताई जा रही है, जो हमारा ही नहीं संस्कृति और अध्यात्म का भी गलत प्रस्तुतिकरण है, जो हमारे धर्म को ही नष्ट कर देगा।

मॉडल आफ द वीक

नाम: स्वाति यादव
टाउन: कानपुर
एजूकेशन: बी कॉम
अचीवमेंट: इंडियन नेशनल अवार्ड 2020
ड्रीम: प्रोफेशनल मॉडलिंग, एक्टर

जोकर के खौफ की कहानी 'इट'

स्टीफन किंग के हॉरर उपन्यास 'इट' ने पाठकों और दर्शकों के मन में ऐसा भय पैदा किया, जो दशकों बाद भी कम नहीं हुआ। इस उपन्यास का मुख्य खलनायक 'पेनीवाइज' हॉरर दुनिया का सबसे डरावना चेहरा बन चुका है। हालांकि 'पेनीवाइज' पूरी तरह काल्पनिक पात्र है, लेकिन इसकी जड़ें उन वास्तविक अपराधों और सामाजिक भय से जुड़ी दिखाई देती हैं, जिन्होंने अमेरिका को हिला दिया था।

ऐसे बनी 'इट' की पृष्ठभूमि

स्टीफन किंग ने कभी सीधा यह स्वीकार नहीं किया कि 'पेनीवाइज' किसी असल व्यक्ति पर आधारित है, लेकिन उन्होंने यह जरूर कहा कि वे बच्चों के "सबसे गहरे और अनकहे डर" को कहानी में रूप देना चाहते थे। 1980 के दशक में अमेरिका में बच्चों के अपहरण और हत्या की घटनाओं में वृद्धि ने माता-पिता और समाज दोनों के मन में असुरक्षा की भावना भर दी थी। यही सामाजिक भय 'इट' की पृष्ठभूमि बना।

किंग का मानना था कि बच्चों की दुनिया में जोकर एक ऐसा चरित्र है, जिसके चेहरे पर मुस्कान होती है, पर असल भावनाएं छिपी रहती हैं। यह विरोधाभास ही डर पैदा करता है। इसी आधार पर जन्म हुआ पेनीवाइज जैसा राक्षसी जोकर, जो मासूमियत का मुखौटा पहने भय का खेल खेलता है।

एक मनोवैज्ञानिक सच

जोकरों से डर को 'कूलरोफोबिया' कहा जाता है। चमकीला मेकअप, अतिरंजित मुस्कान और छिपा हुआ चेहरा लोगों के लिए जोकर का असली स्वभाव समझना मुश्किल हो जाता है। यही अनिश्चितता डर की वजह बनती है।

'पेनीवाइज' इसी मनोवैज्ञानिक कमजोरी का फायदा उठाता है और बच्चों को उनके ही डर में फंसाता है।

जॉन वेन गेसी: वास्तविक दुनिया का 'किलर क्लाउन'

'पेनीवाइज' की कल्पना भले ही काल्पनिक हो, पर 'किलर क्लाउन' की वास्तविक कहानी जॉन वेन गेसी से मिलती-जुलती है। गेसी पार्टियों में 'पोगो द क्लाउन' बनकर बच्चों का मनोरंजन करता था, लेकिन बाद में वह 33 किशोरों और युवाओं का कुख्यात हत्यारा निकला। उसके अपराध उजागर होने के बाद समाज में जोकरों को लेकर नया भय पैदा हुआ, जिसने हॉरर कहानियों को एक नया आयाम दिया।

पेनीवाइज : रूप बदलने वाला आतंक

'पेनीवाइज' असल में इंटरडाइमेंशनल ईविल एंटिटी "इट" का रूप है, जो बच्चों के डर को खाना अपनी ताकत मानता है। यह हर 27 साल में लौटकर बच्चों को उनके सबसे बड़े भय से रूबरू कराता है। यही वजह है कि यह पात्र केवल एक जोकर नहीं, बल्कि डर का प्रतीक बन चुका है।

जिंदगी का सफर

सुबह सी नूतन

नूतन अपने दौर की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक थीं। उनका चेहरा इतना सौम्य था कि देखने पर हमेशा उस पर सुबह सी ताजगी नजर आती थी। उन्होंने अपनी सादगी, सशक्त अभिनय और बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी। नूतन समर्थ का जन्म चार जून 1936 को बंबई (अब मुंबई) में हुआ था। वह एक फिल्मी पृष्ठभूमि वाले परिवार से थीं। उनके पिता कुमारसेन समर्थ एक फिल्म निर्देशक और कवि थे। उनकी मां शोभना समर्थ एक प्रसिद्ध अभिनेत्री थीं। अभिनेत्री तनुजा उनकी छोटी बहन हैं और लोकप्रिय अभिनेत्री काजोल उनकी भतीजी हैं।

नूतन ने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 1950 में की थी। तब वह स्कूल की छात्रा थीं। बतौर बाल कलाकार फिल्म 'नल दमयंती' में उन्होंने काम किया था। इसी साल नूतन ने अपनी मां द्वारा निर्मित और निर्देशित फिल्म 'हमारी बेटी' (1950) में भी अभिनय किया। 1951 में 'मिस इंडिया' का खिताब जीतने के बाद, उन्होंने कई फिल्मों में काम किया। उन्हें फिल्म 'सीमा' (1955) से बड़ी सफलता मिली, जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पहला फिल्मफेयर पुरस्कार मिला।

नूतन को महिला केंद्रित भूमिकाओं को पर्दे पर उतारने के लिए जाना जाता है, जो उस समय काफी दुर्लभ था। उनकी अभिनय शैली सहज और यथार्थवादी थी। उनकी कुछ सबसे यादगार फिल्मों में शामिल हैं, 'सीमा' (1955), 'सुजाता' (1959), 'बंदिनी' (1963)। इस फिल्म में एक जेल कैदी की भूमिका को उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ भूमिकाओं में से एक माना जाता है। जिस वक्त उन्होंने यह फिल्म की, वह गर्भवती थीं। इसके अलावा 'मिलन' (1967), 'सरस्वतीचंद्र' (1968), 'मैं तुलसी तेरे आंगन की' (1978) और 'मेरी जंग' (1985) जैसी फिल्में शामिल हैं। नूतन ने अपने करियर में कुल छह फिल्मफेयर पुरस्कार जीते, जिनमें से पांच सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए थे। सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए सबसे अधिक फिल्मफेयर पुरस्कार जीतने का उनका रिकॉर्ड कई दशकों तक कायम रहा। भारतीय सिनेमा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें 1974 में भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पद्म श्री' से सम्मानित किया गया था।

11 अक्टूबर 1959 को नूतन ने भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट कमांडर रजनीश बहल से शादी की। उनका एक बेटा है, अभिनेता मोहनीश बहल। नूतन का 21 फरवरी 1991 को कैंसर के कारण 54 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। भारतीय सिनेमा में उनके योगदान और बेहतरीन अभिनय को आज भी याद किया जाता है।

टाटा केमिकल्स का मुनाफा सितंबर तिमाही में 60.30% घटा

मुंबई। टाटा केमिकल्स ने शनिवार को बताया कि सितंबर तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 60% से अधिक घटकर 77 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले उसका शुद्ध लाभ 194 करोड़ था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान टाटा केमिकल्स का परिचालन राजस्व 3 .05% घटकर 3,877 करोड़ रुपये रह गया, जबकि गत वित्त वर्ष इसी अवधि में यह 3,999 करोड़ रुपये था। प्रबंध निदेशक और सीईओ आर मुकुंदन ने दूसरी तिमाही के दौरान कीमतें कमजोर बनी रहीं।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 2 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

शैडोफैक्स ने सेबी में दाखिल किए दस्तावेज

नई दिल्ली। लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 2,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास अद्यतन दस्तावेज दाखिल किए हैं। अद्यतन दस्तावेजों के मसौदे (यूडीआरएचपी) के अनुसार, आईपीओ में 1,000 करोड़ के नए शेयर जारी किए जाएंगे और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 1,000 करोड़ की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की जाएगी। ओएफएस के तहत फ्लिपकार्ट इंटरनेट, एट रोड्स इन्वेस्टमेंट्स, न्यूक्वेस्ट एशिया फंड, नोकिया ग्रोथ पार्टनर्स, आईएफसी, मिरे एसेट, क्वालकॉम एशिया पैसिफिक, और स्नैपडील के संस्थापक कुनाल बहल व रोहित बंसल अपने कुछ शेयर बेचेंगे। फ्लिपकार्ट, टीपीजी, एट रोड्स वेंचर्स, मिराए एसेट वेंचर्स और नोकिया ग्रोथ फंड्स शैडोफैक्स के प्रमुख निवेशक हैं।

अक्टूबर में बिजली की खपत 6% घटी

नई दिल्ली। देश में बिजली की खपत अक्टूबर में 6% घटकर 132 अरब यूनिट रह गई, जो पिछले साल इसी महीने 140 .47 अरब यूनिट थी। इसकी मुख्य वजह शीतलन उपकरणों का कम इस्तेमाल है। अक्टूबर में देश के कई हिस्सों में बारिश भी हुई। विशेषज्ञों के अनुसार बिजली की खपत में गिरावट का कारण देश के कुछ हिस्सों में इस महीने हुई बेमौसम बारिश और सर्दियों के मौसम की शुरुआत है। इस वजह से तापमान नियंत्रण में रहा। अक्टूबर में यह 210 .71 गीगावाट रही ।

पाकिस्तान का कपड़ा निर्यात सबसे अधिक

कराची। पाकिस्तान का कपड़ा निर्यात सितंबर में तीन साल के उच्चतम स्तर 1.6 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने शनिवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। कपड़ा निर्यात को मूल्यवर्धित श्रेणियों की मजबूत मांग और नए वैश्विक ऑर्डरों से मजबूती मिली। बुने हुए परिधानों का निर्यात 48 .5 करोड़ डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो पाकिस्तान के मूल्य-वर्धित क्षेत्र की मजबूती को रेखांकित करता है।

जीएसटी संग्रह हुआ 1.96 लाख करोड़

अक्टूबर का आंकड़ा त्योहारी सत्र की बिक्री व दबी हुई मांग के प्रभाव को दर्शाता है

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी दरों में कटौती के बावजूद त्योहारी खरीदारी के कारण अक्टूबर में सकल जीएसटी संग्रह 4.6 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.96 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह चालू वित्त वर्ष में अब तक की सबसे धीमी दर है।

रसोई के सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल सहित 375 वस्तुओं पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नयी दरें 22 सितंबर से प्रभावी हुईं थीं। यह नवरात्रि का पहला दिन था और यह समय नए सामान खरीदने के लिए शुभ माना जाता है। अक्टूबर के जीएसटी संग्रह के आंकड़े त्योहारी सत्र की बिक्री और दबी हुई मांग के प्रभाव को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में दिवाली से पहले जीएसटी दरों में कटौती की घोषणा की थी। इसके बाद उपभोक्ताओं ने जीएसटी दरों में कटौती का इंतजार करते हुए अपनी खरीदारी का फैसला टाल दिया था।

● अगस्त-सितंबर में कर संग्रह क्रमश : 1.86 लाख करोड़ और 1.89 लाख करोड़ से थोड़ा कम

शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर में सकल जीएसटी संग्रह 1.96 लाख करोड़ रहा, जो अक्टूबर 2024 के 1.87 लाख करोड़ रुपये के संग्रह से 4.6% अधिक है। इस साल अगस्त और सितंबर में कर संग्रह क्रमशः 1.86 लाख करोड़ रुपये और 1.89 लाख करोड़ रुपये से थोड़ा कम रहा। हालांकि अक्टूबर में जीएसटी संग्रह में सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत की वृद्धि पिछले महीनों में देखी गई लगभग नौ प्रतिशत की औसत वृद्धि से कम है। सकल घरेलू राजस्व, जो स्थानीय बिक्री का एक संकेतक है, अक्टूबर में दो प्रतिशत बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपये हो गया। आयात कर लगभग 13 प्रतिशत बढ़कर 50,884 करोड़ रुपये रहा। जीएसटी रिफंड भी सालाना आधार पर 39.6 प्रतिशत बढ़कर 26,934 करोड़ रुपये हो गया। रिफंड समायोजित करने के बाद अक्टूबर 2025 में शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.69 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.2% अधिक है।

बढ़ रही है लगातार मांग : जैन

प्राइस वाटरहाउस एंड कंपनी एलएलपी के पार्टनर प्रतीक जैन ने कहा कि 22 सितंबर से प्रभावी दरों में भारी कटौती के बावजूद घरेलू जीएसटी संग्रह में मामूली वृद्धि दर्शाती है कि मांग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जीएसटी रिफंड (घरेलू और निर्यात दोनों) में लगातार वृद्धि से कर प्रशासन के इस भरोसे का पता चलता है कि भविष्य में भी जीएसटी संग्रह सकारात्मक रहेगा।

आंकड़े दर्शाते है अर्थव्यवस्था की मजबूती

ईवाई इंडिया के टैक्स पार्टनर सौरभ अग्रवाल ने कहा कि जीएसटी संग्रह बढ़ने की धीमी गति मुख्य रूप से दरों को युक्तिसंगत बनाने और त्योहारी सत्र से पहले उपभोक्ता खर्च में देरी के कारण थी। डेलॉयट इंडिया के पार्टनर और अप्रत्यक्ष कर प्रमुख महेश जयसिंह ने कहा कि जीएसटी संग्रह के आंकड़े त्योहारी उत्साह और बेहतर अनुपालन के बीच अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाते हैं।

मालवाहक गलियारे का रेल परिचालन 48% बढ़ा : रेलवे बोर्ड सीईओ

नई दिल्ली। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 में मालगाड़ियों के परिचालन में 48% की वृद्धि दर्ज की। रेलवे बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और चेयरमैन सतीश कुमार ने भारत मंडपम में डीएफसीसीआईएल के 20वें स्थापना दिवस में यह बात कही।

डीएफसीसीआईएल 2,750 किमी लंबे पूर्वी और पश्चिमी गलियारों का प्रबंधन करती है। निगम ने बताया कि गत वित्त वर्ष में उसने प्रतिदिन औसतन 381 से अधिक मालगाड़ियों का परिचालन किया। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि भारत की लॉजिस्टिक लागत 24 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है और निगम के परिवर्तनकारी प्रभाव ने लॉजिस्टिक लागत को सकल घरेलू उत्पाद के 14 प्रतिशत से घटाकर लगभग 8-9 प्रतिशत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत को और अधिक विकेंद्रीकरण की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

● ईएसी-पीएम के चेयरमैन बोले- चीन और अमेरिका में विकेंद्रीकरण का स्तर कहीं अधिक

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन महेंद्र देव ने कहा कि भारत को और अधिक विकेंद्रीकरण की जरूरत है, लेकिन कई राज्यों में परिषदों को शक्तियां सौंपने का विरोध हो रहा है।

ग्रामीण विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए चौथे रोहिणी नैयर पुरस्कार समारोह में देव ने कहा कि चीन और अमेरिका में विकेंद्रीकरण का स्तर कहीं अधिक है। भारत को और अधिक विकेंद्रीकरण की जरूरत है, जिसमें पंचायतों और स्थानीय निकायों को अधिक शक्तियां देना, साथ ही ग्रामीण मजदूरी में सुधार के लिए कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का अधिक उपयोग शामिल होना चाहिए... कई राज्यों में स्थानीय परिषदों को शक्तियां सौंपने का विरोध हो रहा है।

देव ने कहा कि पंचायतों के माध्यम से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के कार्यान्वयन से न केवल मजदूरी में सुधार हुआ, बल्कि जमीनी स्तर पर लोकतंत्र में भरोसा भी बढ़ा है। उन्होंने पुणे की सामाजिक उद्यमी विद्या परशुरामकर को पोषण को अधिक सुलभ, टिकाऊ और समुदाय-संचालित बनाने में उनके योगदान के लिए रोहिणी नैयर पुरस्कार प्रदान किया। परशुरामकर एग्रोजी ऑर्गेनिक्स और इसकी प्रमुख पहल 'मिलेट्स नाउ' का नेतृत्व करती हैं।

चावल, गेहूं, दालें, चीनी नरम खाद्य तेलों में उतार चढ़ाव

नई दिल्ली, एजेंसी

घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल का औसत भाव गिर गया। गेहूं, दालों और चीनी के भाव भी टूट गये। वहीं, खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत 33 रुपये घटकर 3,826 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। गेहूं चार रुपये कमजोर हुआ और 2,859.91 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत 3,318.60 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रही। खाद्य तेलों में मूंगफली तेल की कीमत 221 रुपये प्रति क्विंटल लुढ़क गई। वनस्पति में सात रुपये और सूरजमुखी तेल में 35 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। सरसों तेल 35 रुपये और सोया तेल छह रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ।

● चावल की कीमत 33 रुपये घटी गेहूं चार रुपये हुआ कमजोर

पाम ऑयल सात रुपये प्रति क्विंटल की बढ़त में रहा। दाल-दलहनों में नरमी रही। चना दाल 38 और तुअर दाल 85 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। उड़द दाल 45 और मूंग दाल 42 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। मसूर दाल में 68 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी दर्ज की गयी। गुड़-चीनीः मीठे के बाजार में आज गुड़ की औसत कीमत 14 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। हालांकि चीनी तीन रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई।

कोल इंडिया के उत्पादन में 9.8% की आई गिरावट

कोलकाता। देश की प्रमुख कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड का अक्टूबर 2025 में उत्पादन सालाना आधार पर 9.8% की गिरावट के साथ 5.64 करोड़ टन रह गया।

कंपनी की ओर से शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर माह के दौरान कोयले का वितरण भी 5.9 प्रतिशत घटकर 5.83 करोड़ टन रह गया। अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान कंपनी का संचयी उत्पादन 38.53 करोड़ टन रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 4.5 प्रतिशत कम है। इस बीच, कोल इंडिया ने सनोज कुमार झा को अंतरिम चेयरमैन-सह-प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। यह नियुक्ति एक नवंबर से प्रभावी हो गई।

त्योहारी सीजन व जीएसटी में राहत से यात्री वाहनों की बंपर बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी

मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स व किआ इंडिया ने मासिक बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया

स्कोडा-निशान ने भी की सर्वाधिक बिक्री

स्कोडा इंडिया की बिक्री 8,252 इकाई रही जो उसकी सबसे अधिक मासिक बिक्री है। इस वृद्धि के पीछे सबसे बड़ी भूमिका स्कोडा इंडिया की पहली सब-4 मीटर एसयूवी 'काइलैक' की रही, जिसकी बिक्री बढ़ रही है। निसान मोटर इंडिया ने बताया कि इस साल सितंबर की तुलना में अक्टूबर में उसकी बिक्री 45 प्रतिशत बढ़कर 2,402 इकाई पर पहुंच गयी।

त्योहारी सीजन और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में राहत से अक्टूबर में देश में यात्री वाहनों की बिक्री में जबरदस्त वृद्धि हुई और मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स तथा किआ इंडिया ने मासिक बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया।

देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन कंपनी मारुति सुजुकी की घरेलू बिक्री 1,80,675 इकाई पर पहुंच गई। यह मासिक बिक्री का कंपनी का नया रिकॉर्ड है। वहीं, निर्यात 31,304 इकाई और मारुति के डीलर नेटवर्क से दूसरे विनिर्माता के वाहनों की 8,915 इकाई रही। उसने अक्टूबर में 85,210 कारें, 77,571 उपयोगी वाहन और 13,537 वैन बेचे। महिंद्रा ऑटो के उपयोगी वाहनों की घरेलू बिक्री अक्टूबर में 31% बढ़कर 71,624 इकाई हो गयी। वहीं, वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 18 प्रतिशत बढ़कर 44,503 इकाई पर पहुंच गयी। निर्यात का आंकड़ा 15 फीसदी की वृद्धि के साथ 4,015 पर रहा। हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड ने अक्टूबर में घरेलू बाजार में 53,792 वाहन बेचे। उसका निर्यात सालाना आधार पर 11% बढ़कर 16,102 इकाई पर पहुंच गया। कुल बिक्री 69,894 इकाई रही। उसके क्रेटा और वेन्यू मॉडलों की संयुक्त बिक्री 30,119 इकाई रही जो दूसरी सबसे बड़ी मासिक बिक्री है। टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की बिक्री अक्टूबर में 27% बढ़कर 61,295 इकाई रही। इसमें घरेलू बाजार में बिक्री 61,134 इकाई दर्ज की गई। दूसरे महीने उसने रिकॉर्ड बिक्री की। इसमें इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 73% बढ़कर उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। नवरात्र और दिवाली के बीच कंपनी ने एक लाख से अधिक वाहनों की डिलीवरी की जो पिछले साल के मुकाबले 33% की वृद्धि दर्शाता है। टाटा मोटर्स के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 10% बढ़कर 37,530 इकाई पर पहुंच गई। घरेलू बिक्री में सात प्रतिशत और निर्यात में 56% की सालाना वृद्धि रही। घरेलू बिक्री 35,108 इकाई और निर्यात 2,422 इकाई रही। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की बिक्री 39% बढ़कर 42,892 इकाई रही।

राष्ट्रीय

बिहार चुनाव विकास बनाम जंगलराज

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने गोपालगंज और समस्तीपुर की रैलियों को वर्चुअल किया संबोधित

पटना/गोपालगंज/समस्तीपुर, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि बिहार चुनाव राज्य की जनता के लिए प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में विकास का रास्ता चुनने और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेतृत्व वाले विपक्ष के 'जंगलराज' को वापस लाने के बीच का चुनाव है। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह बात गोपालगंज और समस्तीपुर जिलों में आयोजित रैलियों को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए कही। खराब मौसम से वह इन स्थानों पर नहीं पहुंच सके।

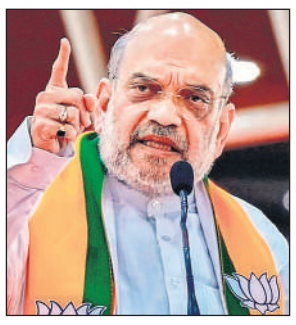

राजद प्रमुख लालू प्रसाद के गृह जिले गोपालगंज का उल्लेख करते हुए शाह ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के भाई और पूर्व विधायक साधू यादव के अत्याचारों का जिक्र किया और लोगों को चेताया कि अगर विपक्ष सत्ता में आया तो फिर से जंगलराज लौट आएगा। यह चुनाव ये तय करने का अवसर है कि बिहार का भविष्य किसे सौंपना चाहिए। एक ओर वे लोग हैं जिन्होंने राज्य में जंगलराज लाया था और दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश की जोड़ी है, जिन्होंने विकास का रास्ता दिखाया है।

उन्होंने कहा कि मुझे भरोसा है कि वे इस परंपरा को बनाए रखेंगे... गोपालगंज के लोगों से बेहतर कोई साधू यादव को नहीं जानता। साधू यादव, जो गोपालगंज से विधायक और सांसद दोनों रह चुके हैं। शाह ने उन घटनाओं का उल्लेख किया जिनमें यादव का नाम सामने आया था, जैसे 1999 में राबड़ी देवी की बड़ी बेटी मीसा भारती की शादी के दौरान शो-रूम से जबरन कारें उठवा लेने का मामला, जिसका जिक्र प्रधानमंत्री मोदी ने भी किया था। 90 के दशक के शिल्पी गौतम हत्याकांड में भी यादव का नाम आया था। हाल में यह मामला तब सुर्खियों में आया जब जनसुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी (जो उस वक्त राजद में थे) पर इस मामले में संलिप्तता का आरोप लगाया।

समस्तीपुर में शाह ने राहुल गांधी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उन्होंने वोटर अधिकार यात्रा निकालकर घुसपैठियों को बचाने की कोशिश की थी। राहुल जितनी यात्राएं निकाल लें, हर घुसपैठिए को देश से बाहर किया जाएगा।

बिहार में नहीं है डबल इंजन सरकार, सब कुछ दिल्ली से नियंत्रित होता है : प्रियंका गांधी

बेगूसराय। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने शनिवार को बिहार में बेरोजगारी और पलायन के मुद्दे पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर हमला करते हुए कहा कि राज्य में डबल इंजन की सरकार नहीं है, क्योंकि सब कुछ दिल्ली से नियंत्रित किया जाता है। बेगूसराय में पहली चुनावी सभा में प्रियंका ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य, दोनों जगह राजग की सरकारें विभाजनकारी राजनीति और झूठे राष्ट्रवाद का सहारा लेकर लोगों का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने का प्रयास कर रही हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि मतदान का अधिकार भारतीय संविधान का सबसे बड़ा वरदान है, लेकिन राजग सरकार ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए लोगों के वोट का अधिकार कमजोर कर दिया, जिसमें 65 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। बिहार में कोई डबल इंजन सरकार नहीं है, बल्कि एक ही इंजन है... सब कुछ दिल्ली से नियंत्रित किया जाता है। न तो आपकी सुनी जाती है और न ही आपके मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का सम्मान होता है। प्रियंका ने मतदाता सूची की समीक्षा प्रक्रिया को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मतदाताओं के नाम हटाना लोगों के अधिकारों का हनन है। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि पहले उन्होंने लोगों को बांटा, फिर लड़ाई करवाई, लेकिन जब जनता का ध्यान असली मुद्दों से नहीं हटा सके, तो अब वोट चुराने की कोशिश कर रहे हैं।

शहाबुद्दीन के बेटे को टिकट देना जंगलराज का सबूत : नड्डा

पटना/सीवान। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अगर सत्ता में आया तो वह बिहार में एक बार फिर जंगलराज लेकर आएगा। राजद द्वारा दिवंगत बाहुबली नेता मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे को उम्मीदवार बनाना इसका स्पष्ट संकेत है। खराब मौसम से सीवान नहीं पहुंच पाने पर नड्डा ने वर्चुअल सभा को संबोधित किया। राजद शासनकाल में बिहार ने जंगलराज देखा था। उस समय राज्य में अराजकता फैली हुई थी। कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी थी और अपहरण एक उद्योग बन गया था, जिसका सौदा तत्कालीन मुख्यमंत्री के आवास पर तय होता था। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि सीवान ने शहाबुद्दीन का आतंक झेला है और अब राजद ने विधानसभा चुनाव में उसके बेटे को टिकट देकर एक बार फिर वही भयावह दौर लौटाने का संकेत दिया है। लालू प्रसाद की पार्टी बिहार में जंगलराज वापस लाना चाहती है। राजद ने सीवान की रघुनाथपुर सीट से शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को उम्मीदवार बनाया है।

अलीनगर में राजनीतिक अनुभव की कमी को दूर करेंगी मैथिली ठाकुर

अलीनगर (दरभंगा)। एक दशक पहले जब बिहार की किशोरी ने मधुर आवाज़ से संगीत जगत में पहचान बनानी शुरू की थी, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि वही संकोची लड़की राजनीति में उतर जाएगी। अब बिहार चुनाव के सबसे चर्चित उम्मीदवारों में शामिल 25 वर्षीय मैथिली ठाकुर ने कहा कि मैं अलीनगर में घर बनाना चाहती हूं और इसे ही स्थायी ठिकाना बनाऊंगी। मेरे ननिहाल की जड़ें यहीं हैं। मैं कहीं और नहीं रहना चाहती। दरभंगा जिले के अलीनगर विस क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार ठाकुर को बाहरी होने के आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। वह मैथिली भाषा में निपुण हैं और उनकी पारिवारिक जड़ें मधुबनी में हैं। वह अपने माता-पिता और भाइयों के साथ दिल्ली में रह रही थीं। ठाकुर ने 14 अक्टूबर को भाजपा की सदस्यता ली, लेकिन इसके पहले से ही उनके राजनीति में आने की अटकलें तेज थीं। पांच अक्टूबर को, जब चुनाव की घोषणा से एक दिन पहले भाजपा महासचिव विनोद तावड़े और केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय के साथ उनकी तस्वीर वायरल हुई, तय ये माना जा रहा था कि वह चुनाव में उतरेंगी।

कन्नड़ की उपेक्षा कर हिंदी थोप रही केंद्र सरकार : सिद्धरमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शनिवार को केंद्र सरकार पर कन्नड़ भाषा की उपेक्षा और हिंदी थोपने का आरोप लगाया। उन्होंने लोगों से कन्नड़-विरोधी ताकतों का विरोध करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने राज्य स्थापना दिवस (राज्योत्सव दिवस) पर कहा कि केंद्र सरकार कर्नाटक के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य केंद्र को 4.5 लाख करोड़ का राजस्व देता है, लेकिन उसे उसका उचित हिस्सा नहीं मिलता और बदले में मामूली राशि दी जाती है। कन्नड़ भाषा के साथ अन्याय होने का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदी थोपने के प्रयास हो रहे हैं। हिंदी-संस्कृत के विकास के लिए अनुदान दिए जाते हैं, जबकि देश की अन्य भाषाओं की उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक को राज्य के विकास के लिए आवश्यक धन से वंचित किया जा रहा है। कन्नड़ जैसी शास्त्रीय भाषा के विकास के लिए पर्याप्त धनराशि नहीं दी जा रही, जिससे उसके साथ अन्याय हो रहा है। हमें उन सभी का विरोध करना चाहिए जो कन्नड़-विरोधी हैं।

भारत-रूस संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाले आदेश पारित नहीं करना चाहते : सुप्रीम कोर्ट

बाल संरक्षण विवाद

दुर्लभ मामले में पॉक्सो की कार्यवाही हुई निरस्त

सुप्रीम कोर्ट ने दुर्लभ मामले में संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत पूर्ण शक्तियों का इस्तेमाल कर उस व्यक्ति के खिलाफ पॉक्सो की कार्यवाही निरस्त कर दी है, जिसने नाबालिग लड़की के साथ यौन संबंध बनाए और बाद में उससे शादी कर ली थी। न्यायालय ने कहा कि यह अपराध वासना का नहीं, बल्कि प्रेम का परिणाम था। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और एजी मसीह की पीठ ने कहा कि पीड़िता (अब पत्नी) ने कहा है कि उसकी शादी उस व्यक्ति (दोषी) से हुई थी और उन दोनों का एक साल का बेटा भी है। वे अब खुशहाल जीवन जी रहे हैं। लड़की के पिता भी चाहते हैं कि उनकी बेटी के पति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही समाप्त हो। पीठ ने कहा कि अपराध एक व्यक्ति के विरुद्ध नहीं, बल्कि समग्र समाज के विरुद्ध है।

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह रूसी महिला का अपने भारतीय पति के साथ बच्चे को संरक्षण को लेकर जारी विवाद में ऐसा कोई आदेश पारित नहीं करना चाहता, जिससे भारत-रूस संबंधों को नुकसान पहुंचे। न्यायालय ने रूसी महिला का पता लगाने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चिंता व्यक्त की। रूसी महिला जारी विवाद के बीच बच्चे को लेकर मॉस्को चली गई है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत व जे बागची की पीठ ने समुचित समन्वय की जरूरत पर बल दिया। अदालत ने रेखांकित किया कि इस मुद्दे का समाधान ढूंढने और बच्चे को सुप्रीम कोर्ट की अभिरक्षा में वापस लाने के लिए विदेश मंत्रालय (एमईए), मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास और नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास के सामने एक कूटनीतिक चुनौती खड़ी हो गई है। विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट में बताया गया कि दूतावास ने पारस्परिक और सौहार्द के सिद्धांतों के आधार पर सहायता और सहयोग के लिए पहले ही अभियोजक जनरल के कार्यालय से संपर्क किया था और पारस्परिक कानूनी सहायता संधि (एमएलएटी) के तहत नए अनुरोध 17 अक्टूबर को मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास के माध्यम से रूस के अभियोजक जनरल के कार्यालय को भेजे गये थे।

केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि विदेश मंत्रालय नेपाल के साथ एमएलएटी के माध्यम से नेपाली नागरिकों समेत अन्य संलिप्त व्यक्तियों की जांच के लिए दिल्ली पुलिस के साथ समन्वय कर रहा है। पीठ ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने रूसी अधिकारियों को नोटिस भेजकर विस्तृत जानकारी मांगी, लेकिन इसका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। बच्चे की मां रूसी नागरिक है, जो 2019 से भारत में रह रही है।

साहित्यकार रामदरश मिश्र के अंतिम संस्कार में उमड़े लेखक व प्रकाशक

नई दिल्ली। प्रसिद्ध साहित्यकार रामदरश मिश्र का शनिवार को मंगलापुरी श्मशानघाट पर अंतिम संस्कार हुआ, जिसमें साहित्यकार, पत्रकार, लेखक व प्रकाशक शामिल हुए। प्रसिद्ध कवि और आलोचक ओम निश्चल ने बताया कि मिश्र का निधन शुक्रवार को उनके द्वारका स्थित आवास पर हुआ। वह 101 वर्ष के थे। डॉ मिश्र 99 साल में घर पर गिरने से चोटिल हो गए थे।

मिश्र के अंतिम संस्कार में प्रोफेसर नित्यानंद तिवारी, कथाकार भगवान दास मोरवाल, आलोचक जसवीर त्यागी, कवि ओम निश्चल, डॉ. प्रकाश मनु, श्रीहरि शंकर राही, उपेंद्र मिश्र, डॉ.वेदमित्र शुक्ल, भारतीय शिक्षा बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. सोनी पांडे, मशहूर नाटककार प्रताप सहगल, डॉ. पवन माथुर, लक्ष्मीशंकर वाजपेयी पूर्व महानिदेशक आकाशवाणी, डॉ. रेनू यादव, मशहूर ग़ज़लकार नरेश शांडिल्य, केंद्रीय हिंदी संस्थान के पूर्व निदेशक अनिल जोशी, साहित्य अकादमी के उपसचिव देवेंद्र कुमार देवेश, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन के अशोक शर्मा आदि शामिल हुए।

रांची से स्वच्छता और एकता का संदेश

रांची, अमृत विचारः केंद्रीय संचार ब्यूरो, रांची द्वारा जेएन कॉलेज, धुर्वा में राष्ट्रीय एकता दिवस, सतर्कता जागरूकता सप्ताह और विशेष स्वच्छता अभियान 5.0 के तहत दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी और सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी रहा।

कार्यक्रम में शाहिद रहमान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेश का उल्लेख करते हुए राष्ट्रीय एकता और अखंड भारत की भावना पर बल दिया। रेल मंडल की वरिष्ठ वाणिज्यिक प्रबंधक शुचि सिंह ने सतर्कता शपथ दिलाई और रेलवे की स्वच्छता पहलों 'रेल मदद' ऐप, सीसीटीवी निगरानी और वेस्ट टू आर्ट जैसी परियोजनाओं की जानकारी दी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक शुचि सिंह, सीसीएल रणधीर सिंह, सहायक आयुक्त अमोद कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता चम्पा तिग्गा, सीआईएसएफ के अरविंद पाठक, बॉटनी विभागाध्यक्ष सत्यनारायण उरांव ने सभी को संबोधित किया। जया नलिनी एक्का ने धन्यवाद ज्ञापन किया। प्राचार्य डॉ. शमशुन नेहार सहित विद्यार्थी, शिक्षक और केंद्रीय संचार ब्यूरो के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। प्रतियोगिता में कंचन प्रिया, रूपा कुमारी, राज स्मिता सिन्हा, हेरम्बी होरो और दीप्ति मिंज ने क्रमशः प्रथम से पंचम स्थान पाया।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिकी रिफाइनरी में विस्फोट से फैला धुआं

आर्टेसिया। न्यू मेक्सिको में एक तेल रिफाइनरी में हुए विस्फोट के बाद संयंत्र से घना धुआं निकला जो आर्टेसिया शहर के कई हिस्सों में फैल गया। नवाजो रिफाइनरी के संचालक एच एफ सिंक्लेयर ने बताया कि आग बुझा दी गई है और तीन लोगों को चिकित्सा के लिए घटनास्थल से बाहर ले जाया गया है। किसी और के घायल होने की सूचना नहीं है। एच एफ सिंक्लेयर के प्रवक्ता कोरिन स्मिथ ने बताया कि रिफाइनरी और आस-पास के इलाके में वायु गुणवत्ता की समीक्षा से पता चलता है कि इससे लोगों को कोई खतरा नहीं है।

काठमांडू जा रहे विमान की आपात लैंडिंग

काठमांडू। नेपाल के लुम्बिनी प्रांत में गौतम बुद्ध अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को एक निजी एयरलाइन के विमान को तकनीकी खराबी आने के कारण आपात स्थिति में उतारना पड़ा। विमान में 82 लोग सवार थे। हवाई अड्डे के अधिकारियों के अनुसार, सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित बताए जा रहे हैं। काठमांडू जाने वाली श्री एयरलाइंस की उड़ान संख्या 222 ने सुदूर पश्चिम प्रांत के धनगढ़ी से सुबह लगभग 10 बजे उड़ान भरी थी। विमान की हाइड्रोलिक प्रणाली में खराबी आने पर उसे भैरहवा ले जाया गया, जहां गौतम बुद्ध हवाई अड्डे पर उतारा गया।

श्रीलंका के विपक्षी सांसदों ने मांगी सुरक्षा

कोलंबो। श्रीलंका के विपक्षी सांसदों ने देश के पुलिस प्रमुख से विभिन्न निर्वाचित निकायों में जनता के सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को व्यक्तिगत सुरक्षा प्रदान करने का अनुरोध किया है। विपक्षी सांसदों ने अध्यक्ष से अनुरोध किया कि वे इस मुद्दे पर चर्चा के लिए शुक्रवार को पुलिस प्रमुख प्रियंता वीरासूर्या को सदन में बुलाएं। मुख्य विपक्षी दल एसजेबी के सांसद रंजीत मद्दुमा बंडारा ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा करना सरकार का कर्तव्य है। वीरासूर्या ने सांसदों से कहा कि व्यक्तिगत सुरक्षा हटाने का फैसला सरकार का एक राजनीतिक फैसला है।

चीन ने अंटार्कटिका में भेजा अपना दल

बीजिंग। चीन ने अंटार्कटिका में ड्रिलिंग संबंधी प्रयोग करने के मिशन के तहत अपने 42वें दल को सबसे ठंडे महाद्वीप के लिए रवाना किया ताकि इसकी विकास प्रक्रिया और प्राकृतिक संसाधनों का पता लगाया जा सके। चीन अंटार्कटिका में समय-समय पर अपने दल भेजता रहा है। संसाधन-संपन्न महाद्वीप में अन्वेषण करने के लिए उसके पांच अनुसंधान केंद्र हैं लेकिन यह पहली बार होगा जब उसका दल महाद्वीप के तल में ड्रिलिंग पर ध्यान केंद्रित करेगा।

भारत से आज सबसे भारी संचार उपग्रह का प्रक्षेपण करेगा इसरो

- एलवीएम3-एम5 के जरिए प्रक्षेपित करने की तैयारी

श्रीहरिकोटा, एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का 4,000 किलोग्राम से अधिक वजनी संचार उपग्रह सीएमएस-03 रविवार को इस अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किए जाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि लगभग 4,410 किलोग्राम वजन वाला यह उपग्रह भारत की धरती से भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में प्रक्षेपित किया जाने वाला सबसे भारी उपग्रह होगा। यह उपग्रह एलवीएम3-एम5 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित किया जाएगा, जिसे इसकी भारी भारोत्तोलन क्षमता के लिए 'बाहुबली' नाम दिया गया है। बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी ने शनिवार को बताया कि प्रक्षेपण यान को पूरी तरह से तैयार कर लिया गया है और अंतरिक्ष यान के साथ एकीकृत कर दिया गया है तथा इसे प्रक्षेपण-पूर्व कार्यों के लिए यहां दूसरे प्रक्षेपण स्थल पर ले जाया गया है। इसरो ने बताया कि 4,000 किलोग्राम तक भारी पेलोड ले जाने की क्षमता के कारण 'बाहुबली' नाम से जाना जाने वाला 43.5 मीटर लंबा यह यान दो नवंबर यानी रविवार को शाम पांच बजकर 26 मिनट पर प्रक्षेपित होगा। उसने बताया कि एलवीएम3 (प्रक्षेपण यान मार्क-3) इसरो का भारी वजन वहन करने वाला प्रक्षेपण यान है।

इंटरनेट ब्राउजिंग का नया दौर लेकिन खतरे भी बढ़े

चैटजीपीटी एटलस

ओपनएआई ने हाल ही में चैटजीपीटी एटलस नामक एक नए ब्राउज़र को लॉन्च किया है, जो एआई तकनीक पर आधारित है और इंटरनेट ब्राउज़िंग के तरीके को बदलने का वादा करता है। चैटजीपीटी एटलस एक पूर्ण-विशेषता वाला वेब ब्राउज़र है जिसमें चैटजीपीटी असिस्टेंट बनाया गया है, जो उपयोगकर्ताओं को वेब पेजों को समझने, प्रश्नों का उत्तर देने और कार्यों को स्वचालित करने में मदद करता है।

एटलस को इस तरह से तैयार किया गया है कि यह उपयोगकर्ता के साथ हर वेबसाइट पर सक्रिय रहे, उनकी पसंद याद रखे, लेखों का सारांश दे और फ्लाइट बुक करने या किराने का सामान ऑर्डर करने जैसे कार्य तक स्वचालित रूप से पूरा करे। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि इस अत्याधुनिक तकनीक के पीछे गंभीर सुरक्षा और गोपनीयता संबंधी खतरे छिपे हैं, जिनसे आम उपयोगकर्ता अनभिज्ञ हैं।

नई तरह के साइबर खतरे : सुरक्षा विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि एटलस की डिजाइन पारंपरिक ब्राउज़र सुरक्षा सीमाओं से आगे बढ़ जाती है। उदाहरण के तौर पर 'प्रॉम्प्ट इंजेक्शन अटैक' के ज़रिए दुर्भावनापूर्ण वेबसाइटें छिपे हुए आदेशों के माध्यम से एआई के व्यवहार को नियंत्रित कर सकती हैं। ऐसी स्थिति में कोई वेबसाइट चैटजीपीटी को निर्देश दे सकती है कि वह खुले टैब जैसे बैंकिंग पोर्टल या ईमेल ड्राफ्ट आदि से निजी जानकारी निकाल ले, वह भी बिना किसी पासवर्ड एक्सेस के। एक वेबसाइट पर मौजूद दुर्भावनापूर्ण कोड दूसरे टैब में भी एआई की गतिविधियों को प्रभावित कर सकता है।

एजेंट मोड : जोखिम भी

एटलस की सबसे बड़ी खासियत इसका एजेंट मोड है, जो चैटजीपीटी को उपयोगकर्ता की ओर से वेब पर अर्ध-स्वायत्त रूप से कार्य करने की अनुमति देता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई उपयोगकर्ता कहे कि मेरे पास के किसी कॉकटेल बार में टेबल बुक करो तो यह सुविधा स्वत: बुकिंग करने का प्रयास भी करेगी।

डेटा चोरी के साथ अनधिकृत पहुंच

- प्रॉम्प्ट इंजेक्शन हमले : चैटजीपीटी एटलस पर प्रॉम्प्ट इंजेक्शन हमले हो सकते हैं, जिसमें हमलावर उपयोगकर्ता की निजी जानकारी चोरी कर सकते हैं।
- डेटा चोरी : चैटजीपीटी एटलस उपयोगकर्ताओं की ब्राउज़िंग इतिहास और संदर्भ को याद रखता है, जो डेटा चोरी के खतरे को बढ़ाता है।
- अनधिकृत पहुंच : चैटजीपीटी एटलस पर अनधिकृत पहुंच का खतरा हो सकता है, जिससे हमलावर उपयोगकर्ता के खाते और डेटा तक पहुंच सकते हैं।

उपयोगकर्ता को मिलती हैं कई सुविधाएं

- एआई असिस्टेंट : चैटजीपीटी एटलस में एक एआई असिस्टेंट है जो उपयोगकर्ताओं को वेब पेजों को समझने और प्रश्नों का उत्तर देने में मदद करता है।
- व्यक्तिगत ब्राउज़िंग मेमोरी : चैटजीपीटी एटलस में एक व्यक्तिगत ब्राउज़िंग मेमोरी है जो उपयोगकर्ताओं की ब्राउज़िंग इतिहास और संदर्भ को याद रखती है।
- स्वचालित कार्य : चैटजीपीटी एटलस उपयोगकर्ताओं के लिए कार्यों को स्वचालित कर सकता है, जैसे कि ऑनलाइन शॉपिंग या बुकिंग।
- एक्सटेंशन समर्थन : चैटजीपीटी एटलस क्रोमियम पर आधारित है, जो इसे विभिन्न एक्सटेंशनों के साथ संगत बनाता है।

एशिया प्रशांत क्षेत्र के विकास के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण

आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के वादे के साथ एपेक सम्मेलन का समापन

ग्योंगजू (दक्षिण कोरिया), एजेंसी

व्यापार युद्ध पर अस्थायी विराम लगाने को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच सहमति बनने के कुछ दिन बाद, एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं ने क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग पर जोर देने वाले एक बयान के साथ शनिवार को अपने वार्षिक आर्थिक शिखर सम्मेलन का समापन किया। दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दो दिनों के बाद एपेक नेताओं ने एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि एपेक नेता स्वीकार करते हैं कि वैश्विक व्यापार प्रणाली अब भी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है।

हम अपनी इस साझा मान्यता की पुष्टि करते हैं कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विकास और समृद्धि के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण हैं। संयुक्त बयान में दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं, अमेरिका और चीन के बीच व्यापार तनाव से बुरी तरह प्रभावित वैश्विक अर्थव्यवस्था की साझा चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक सहयोग करने का वादा किया गया। एशियाई और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं ने आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने और साझा चुनौतियों से निपटने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को अपना वार्षिक शिखर सम्मेलन शुरू किया था। इससे एक दिन पहले ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने व्यापार के मामले में बढ़ते तनाव को कम करने के लिए कदम उठाने पर सहमति जताई थी। इस वर्ष दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में आयोजित दो-दिवसीय एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन पर ट्रंप-शी बैठक का काफी प्रभाव पड़ा है। ट्रंप ने गुरुवार को जिनपिंग के साथ हुई आमने-सामने की मुलाकात को बेहद सफल बताते हुए कहा था कि वह चीन पर लगाए गए शुल्क में कटौती करेंगे, जबकि बीजिंग ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात की अनुमति देने और अमेरिका से सोयाबीन क्रय पर सहमति दी।

एपेक शिखर सम्मेलन के समापन के दौरान सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष और प्रतिनिधि • एजेंसी

घोषणा पत्र में कहा- वैश्विक व्यापार प्रणाली के समक्ष गंभीर चुनौतियां

एपेक के संयुक्त वक्तव्य में घोषणा की गई कि एपेक नेता स्वीकार करते हैं कि वैश्विक व्यापार प्रणाली अब भी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। इसमें कहा गया है कि हम अपनी इस साझा मान्यता की पुष्टि करते हैं कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विकास और समृद्धि के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण हैं। संयुक्त घोषणापत्र में यह भी कहा गया कि एपेक सदस्य पुत्रजया विजन 2040 को लेकर प्रतिबद्ध हैं, जो 2020 में अपनाया गया एक नया 20-वर्षीय विकास विजन है। यह व्यापार के लिए एक ऐसे वातावरण का आह्वान करता है जो मुक्त, खुला, निष्पक्ष, भेदभाव रहित एवं पारदर्शी हो। शी ने शुक्रवार को एपेक शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान कहा कि चीन वैश्विक मुक्त व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला स्थिरता का समर्थन करेगा। यह उनके देश को ट्रंप की संरक्षणवादी नीतियों के विकल्प के रूप में स्थापित करने का एक स्पष्ट प्रयास है। एपेक के साथ आयोजित सीईओ शिखर सम्मेलन में भेजी गई लिखित टिप्पणी में शी ने कहा कि चीन में निवेश करना भविष्य में निवेश करना है। जिनपिंग ने शुक्रवार को एपेक शिखर सम्मेलन से इतर जापान, कनाडा और थाईलैंड के अपने समकक्षों से द्विपक्षीय मुलाकात की।

सामूहिक सुरक्षा दुनिया के हर देश की संप्रभुता की कुंजी : राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामक सैन्य गतिविधियों को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच शनिवार को कहा कि भारत का मानना है कि यह क्षेत्र खुला, समावेशी और किसी भी प्रकार के दबाव से मुक्त रहना चाहिए। कुआलालंपुर में आसियान सदस्य देशों और समूह के वार्ता साझेदारों के रक्षा मंत्रियों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने क्षेत्र के प्रत्येक राष्ट्र की संप्रभुता सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक सुरक्षा के दृष्टिकोण पर जोर दिया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत का संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) के पालन पर जोर और नौवहन तथा उड़ान की स्वतंत्रता का समर्थन किसी देश के खिलाफ नहीं, बल्कि सभी क्षेत्रीय हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए है। उन्होंने ऐसे समय में यह टिप्पणी की है जब आसियान के कई सदस्य और लोकतांत्रिक देश विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के बीच संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि के निरंतर पालन की मांग कर रहे हैं।

आसियान रक्षामंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते रक्षामंत्री राजनाथ सिंह • एजेंसी

भविष्य की सुरक्षा सैन्य क्षमताओं पर ही निर्भर नहीं

रक्षा मंत्री ने कहा कि भविष्य की सुरक्षा केवल सैन्य क्षमताओं पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि साझा संसाधनों के प्रबंधन, डिजिटल और भौतिक बुनियादी ढांचे की सुरक्षा, और मानवीय संकटों के प्रति सामूहिक प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगी। सिंह ने कहा कि एडीएमएम-प्लस रणनीतिक संवाद को व्यावहारिक परिणामों से जोड़ने और क्षेत्र को शांति एवं साझा समृद्धि की ओर ले जाने वाला सेतु बन सकता है। उन्होंने कहा कि भारत इस ढांचे में अपनी भूमिका को साझेदारी और सहयोग की भावना के नजरिए से देखता है। हमारा दृष्टिकोण लेन-देन वाला नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और सिद्धांत-आधारित है।

गाजा से सौंपे गए अवशेष इजराइली बंधकों के नहीं

यरुशलम। हमास द्वारा इस सप्ताह रेड क्रॉस को सौंपे गए तीन लोगों के अवशेष इजराइली बंधकों के नहीं हैं। इजराइल ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह नवीनतम घटनाक्रम इजराइल-हमास के बीच युद्धविराम के लिए अमेरिका की मध्यस्थता वाले समझौते को कमजोर कर सकता है। इजराइल द्वारा 30 फलस्तीनियों के शव शुक्रवार को गाजा को लौटाने के बाद ये अवशेष रेड क्रॉस को सौंपे गए थे। इससे पहले इसी सप्ताह चरमपंथियों द्वारा दो बंधकों के अवशेष सौंपे गए थे, जो इस बात का संकेत था कि इजराइल-हमास के बीच युद्धविराम समझौते की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

तीन अज्ञात लोगों के अवशेष शुक्रवार देर रात इजराइल भेजे गए, जहां रात भर उनकी पड़ताल की गई। एक अन्य इजराइली सैन्य अधिकारी ने चेतावनी दी थी कि इजराइली खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिया था कि ये अवशेष सात अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजराइल पर हुए हमले के दौरान हमास द्वारा बंधक बनाए गए किसी भी व्यक्ति के नहीं थे।

मिस्र में विश्व के सबसे बड़े म्यूजियम का उद्घाटन

- ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम में 50 हजार से ज्यादा कलाकृतियां

काहिरा, एजेंसी

मिस्र की सभ्यता को प्रदर्शित करने वाले दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालय 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' का शनिवार को उद्घाटन किया गया। लगभग दो दशक में निर्मित इस संग्रहालय का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा पर्यटकों को आकर्षित कर देश के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देना है। राजधानी काहिरा के बाहरी इलाके में गीजा पठार पर स्थित 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' में प्राचीन मिस्र के जीवन की झलक देने वाली 50,000 से ज्यादा कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी। यह गीजा पठार पर तीन पिरामिड और 'ग्रेट स्फिंक्स ऑफ गीजा' के साथ एक प्रमुख पर्यटन केंद्र बनेगा।

मिस्र के राष्ट्रपति भवन ने 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' के निर्माण को मानव संस्कृति और सभ्यता के इतिहास में एक असाधारण घटनाक्रम करार दिया। उसने बताया कि इस संग्रहालय के भव्य उद्घाटन समारोह में विश्व के कई नेता, राष्ट्राध्यक्ष, शासनाध्यक्ष और शाही परिवारों के सदस्य शामिल होंगे। यह संग्रहालय मिस्र में राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सिसी के 2014 में पदभार ग्रहण करने के बाद संचालित सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक है। अल-सिसी ने दशकों की आर्थिक सुस्ती और 2011 की अरब क्रांति के बाद उपजी राजनीतिक अस्थिरता से कमजोर हुई अर्थव्यवस्था में नयी जान फूंकने के मकसद से बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश शुरू किया है। 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' के उद्घाटन समारोह से जुड़ी जानकारियां गुप्त रखी जा रही हैं। इस संग्रहालय को हाल के वर्षों में सीमित आगंतुकों के लिए खोला गया था, लेकिन पिछले दो हफ्तों से यह सभी के लिए बंद है। सरकार ने 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' और निकटवर्ती गीजा के तीन पिरामिड के आसपास के क्षेत्रों का पुनरुद्धार किया है। संग्रहालय तक पक्की सड़कें, एक मेट्रो स्टेशन भी निर्माण किया जा रहा है। संग्रहालय से 40 मिनट की दूरी पर, काहिरा के पश्चिम में स्फिंक्स अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा भी स्थापित किया गया है।

अमेरिका ने सीमित किया बच्चों के लिए फ्लोराइड का इस्तेमाल

वाशिंगटन। अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने बच्चों के दांतों को मजबूत बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले 'फ्लोराइड सप्लीमेंट' के इस्तेमाल को सीमित करने का निर्णय लिया है। यह अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. केनेडी जूनियर और उनके सहयोगियों की ओर से दंत चिकित्सा में व्यापक रूप से उपयोग होने वाले इस रसायन के खिलाफ उठाया गया एक और कदम है। एफडीए ने शुक्रवार को कहा कि अब तीन वर्ष से कम उम्र के बच्चों और उन बच्चों को यह इस्तेमाल करने की सलाह नहीं दी जाएगी जिनके दांतों में सड़न (कैविटी) का गंभीर खतरा नहीं है।

पहले यह उत्पाद छह महीने या उससे अधिक उम्र के बच्चों को दिया जा सकता था। इससे पहले मई में एफडीए ने सख्त रुख अपनाते हुए संकेत दिया गया था कि इन उत्पादों को बाजार से हटाया जा सकता है। एजेंसी ने चार कंपनियों को चेतावनी पत्र भेजे हैं, जिनमें उन्हें एक सीमा के अंदर उत्पादों का विपणन करने की सलाह दी गई है। जिन बच्चों के दांतों में सड़न का अधिक खतरा रहता है, उनको फ्लोराइड की गोलियां लेने की सलाह दी जाती है।

हिंदू धर्म से भी जुड़ें अमेरिकी उपराष्ट्रपति

- अमेरिका के एक हिंदू संगठन ने जेडी वेंस से किया अनुरोध

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के एक हिंदू संगठन ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से हिंदू धर्म से भी जुड़ने का अनुरोध किया है। संगठन का यह अनुरोध वेंस की इस टिप्पणी के बाद आया है कि उनकी पत्नी उषा ने कुछ साल पहले उन्हें उनके धर्म से फिर से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया था।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति मिसिसिपी विश्वविद्यालय में बुधवार को आयोजित टर्निंग प्वाइंट यूएसए कार्यक्रम में अपने अंतरधार्मिक विवाह के बारे में की गई टिप्पणियों के लिए आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। कार्यक्रम में एक दक्षिण एशियाई महिला ने वेंस से उनके धर्म और उषा के साथ उनके अंतर-धार्मिक विवाह के बारे में सवाल पूछे थे, जिनके जवाब में उपराष्ट्रपति ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि उषा, जो एक हिंदू परिवार में पली-बढ़ी हैं, कुछ हद तक उसी चीज से प्रभावित हैं, जिसके चलते वह चर्च से प्रभावित हुए थे। अपने आलोचकों पर पलटवार करते हुए वेंस ने शुक्रवार को कहा कि यह उनकी पत्नी ही थीं, जिन्होंने उन्हें ईसाई धर्म से फिर से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया था।

रूसी सेना की ईंधन आपूर्ति की पाइप लाइन पर यूक्रेन का हमला

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की सेना ने मॉस्को क्षेत्र में स्थित एक महत्वपूर्ण ईंधन पाइपलाइन पर हमला किया है। यह ईंधन पाइपलाइन रूसी सेना को ईंधन की आपूर्ति करती है। यूक्रेन की सेना के खुफिया विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। यूक्रेन ने यह दावा ऐसे समय में किया है जब रूस की ओर से ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए जा रहे हैं। टेलीग्राम मैसेजिंग चैनल पर दिए गए एक बयान के अनुसार यह हमला शुक्रवार देर रात को किया गया। समाचार एजेंसी एचयूआर के मुताबिक यह हमला रूसी सेना के लिए एक गंभीर झटका है।

एचयूआर ने कहा कि उसकी सेनाओं ने कोल्टसेवॉय पाइपलाइन पर हमला किया, जो 400 किलोमीटर (250 मील) तक फैली है और रूसी सेना को रियाजान, निजनी नोवगोरोड और मॉस्को की रिफाइनरियों से गैसोलीन, डीजल और जेट ईंधन की आपूर्ति करती है। एचयूआर ने बताया कि इस अभियान में रामेन्स्की जिले के निकट अवसंरचना को निशाना बनाया गया तथा तीनों ईंधन लाइनें नष्ट कर दी गईं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 2 नवंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, एकादशी 07 .31 तक तत्पश्चात द्वादशी 3 नवंबर 05 .07 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

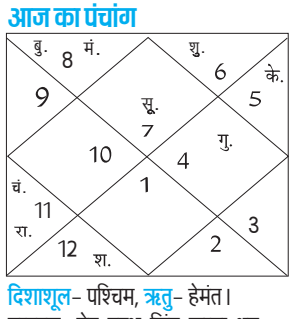

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पूर्व भाद्रपद 17 .03 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद।

मेष — आज कारोबार की जटिल समस्या भी हल हो सकती है। आपको बड़ा निवेश करने से लाभ मिल सकता है। आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। आपकी जीवनशैली में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।

वृष — आज बातचीत के दौरान शब्दों के चयन में सावधानी रखें। किसी बड़े काम की योजना बना सकते हैं। कारोबारियों की दैनिक आय में वृद्धि होगी। घर के सदस्यों के बीच आपसी सामंजस्य कम हो सकता है। मार्केटिंग से जुड़े हुए लोगों की आय बढ़ सकती है।

मिथुन — आज विवादों से दूर रहने का प्रयास करें। यदि आप शॉपिंग करने के मूड में हैं, तो बजट का ध्यान जरूर रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बारिश में भीगने से बचें। लोग आपकी बातों से आहत हो सकते हैं। सबके प्रति सौम्य और सहज व्यवहार रखें।

कर्क — आज सेहत की दृष्टि से दिन काफी अच्छा है। बुद्धिमान लोगों की संगत से आपको लाभ प्राप्त होगा। भविष्य को लेकर आशान्वित रहेंगे। आपका आत्मविश्वास और मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। अपनी उपलब्धियों पर गर्व की अनुभूति होगी।

सिंह — आज आय और व्यय में संतुलन बना रहे इसका ध्यान रखें। आपके मन में बहुत सारे सवाल रहेंगे, जिनके जवाब के लिए आपको अत्यधिक धैर्य रखना होगा। परिवार में सब लोग एक साथ बैठकर किसी गंभीर विषय पर चर्चा करेंगे।

कन्या — आज कारोबार में आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। लोग आपसे सहायता की मांग कर सकते हैं। अधिकारी आपके प्रति नकारात्मक भाव रख सकता है। सहकर्मियों से भिड़ने के बजाय उन्हें प्रेम से कोई बात समझाएं।

तुला — आज अधीनस्थ कर्मचारियों पर नियंत्रण बनाए रखें। नई तकनीक और गैजेट्स आदि में आप अत्यधिक रुचि ले सकते हैं। यात्रा आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। व्यावसायिक गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहेंगी।

वृश्चिक — आज अपने ज्ञान को बढ़ाने का प्रयास करें। आप जिस कार्य के लिए काफी समय से प्रयास कर रहे थे, उसे पूर्ण कर सकते हैं। धैर्य और संयम के साथ आपको काम करना चाहिए। इसका आपको काफी अच्छा परिणाम प्राप्त होगा।

धनु — आज आपको लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। आकस्मिक धन हानि होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपका दिन सामान्य रहेगा। दवाइयों और स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। आपकी सलाह लोगों के लिए अत्यंत सहायक रहने वाली है।

मकर — आज आपके आत्मबल में वृद्धि होगी। शत्रु आपके सामने काफी कमजोर हो जाएंगे। अपने लक्ष्यों को लेकर अत्यंत सावधान रहेंगे। ऑफिस में आपका पूर्ण प्रभाव रहेगा। संतान के प्रति आपका स्नेह और बढ़ेगा। करियर को लेकर सावधान रहें।

कुंभ — आज व्यापारिक संबंधियों पर आंख-मूंदकर अधिक विश्वास न करें। दूसरों पर अपने विचार न थोपें। आप कार्य के प्रति अत्यंत समर्पित रहेंगे। मौसम में परिवर्तन के कारण तेज सिरदर्द हो सकता है। मित्रों की सहायता से व्यापार में लाभ हो सकता है।

मीन — आज का दिन अधिकांश मामलों के लिए अत्यंत शुभ रहने वाला है। दांपत्य जीवन में प्रेम भावना बढ़ेगी। आपको सरकार से सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हो सकता है। लोग आपकी बातों को अत्यंत गंभीरता से लेंगे।

सुडोकू -148

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1					2	3		
	4		3	5				
	6		7					
7				8				
2								4
5				1				
		8			5			
		5		2	3			
		9	4					

सुडोकू - 147 का हल

1	9	4	2	5	3	7	6	8
7	8	2	9	1	6	4	5	3
5	3	6	7	8	4	1	2	9
3	5	7	6	9	1	8	4	2
4	2	8	5	3	7	6	9	1
9	6	1	4	2	8	5	3	7
6	1	5	3	7	9	2	8	4
8	4	3	1	6	2	9	7	5
2	7	9	8	4	5	3	1	6

महिला विश्व कप फाइनल में परफॉर्म करना मेरे लिए सम्मान की बात है। भारत फाइनल में है, स्टेडियम भरा होगा और ऐसे में माहौल जबरदस्त होगा। यह दिन हमेशा याद रहेगा। इस पल को यादगार बनाने की पूरी जान लगा लेंगे। उनके साथ 60 नर्तकों का एक समूह भी होगा।
– सुनिधि चौहान

स्टेडियम

लखनऊ, रविवार 2 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

चैंपियन टीम को मिलेंगे लगभग 40 करोड़ रुपये

नवी मंबई : दिलचस्प यह है कि सर्वजेता टीम को पुरस्कार के रूप में रिकॉर्डतोड़ राशि प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता के 13वें संस्करण की विजेता टीम को 4 .48 मिलियन डॉलर (लगभग 40 करोड़ रुपये) मिलेंगे। यह राशि 2022 में ऑस्ट्रेलिया को मिली ईनामी रकम (1.32 मिलियन डॉलर) से 239 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं उपजेता टीम को 2 .24 मिलियन डॉलर (लगभग 20 करोड़ रुपये) मिलेंगे। यह राशि 2022 में इंग्लैंड को मिली 600000 डॉलर से 273 प्रतिशत ज्यादा है। सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमों (ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड) को एक समान 1.12 मिलियन डॉलर (लगभग 9 .3 करोड़ रुपये) की रकम मिली है। पिछले संस्करण में ये राशि 300000 डॉलर थी।

सुनिधि आवाज से करेंगी मंत्रमुग्ध

नवी मुम्बई : बॉलीवुड की मशहूर गायिका सुनिधि चौहान रविवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले महिला क्रिकेट विश्वकप 2025 के फाइनल में अपने हिट गानों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगी। डीवाई पाटिल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित इस समारोह में सर्वाधिक लोकप्रिय गायिका उनके साथ 60 नर्तकों का समूह प्रस्तुति देगा। वह मैच से पहले राष्ट्रगान भी गाएंगी।

ICC WOMEN'S CRICKET WORLD CUP INDIA 2025

समय
3:00
बजे दोपहर से

जेमिमा रॉड्रिग्स।

इतिहास रचने को तैयार भारत

महिला विश्व कप : भारतीय टीम अपने तीसरे फाइनल में खिताबी सूखा खत्म करने के इरादे से उतरेगी

नवी मुंबई, एजेंसी

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड ने महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में अपने तीसरे प्रयास में खिताबी सूखे को खत्म किया था और कुछ ऐसी ही स्थिति भारतीय महिला टीम की है जो रविवार को यहां अपने तीसरे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की चुनौती का सामना करेगी। दक्षिण अफ्रीका का यह महिला विश्व कप का पहला फाइनल है। भारतीय टीम इससे पहले मिताली राज की अगुवाई में 2005 और 2017 में विश्व कप के फाइनल में पहुंच चुकी है। साल 2005 में दक्षिण अफ्रीका में खेले गए विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 98 रन से हराया था जबकि 2017 में इंग्लैंड ने घरेलू सरजमीं पर रोमांचक फाइनल में भारत पर नौ रन से जीत दर्ज की की। महिला विश्व कप के शुरुआती दो आयोजनों में विजेता का फैसला लीग चरण के अंकों के आधार पर हुआ था। जिसमें 1973 में इंग्लैंड और 1978 में ऑस्ट्रेलिया चैंपियन बना था।

विश्व कप में फाइनल मैच की प्रथा 1982 से शुरू हुई। इंग्लैंड को 1982 और 1988 में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से शिकस्त का सामना करना पड़ा लेकिन टीम ने 1993 में न्यूजीलैंड को हराकर पहली बार विश्व कप फाइनल जीता। न्यूजीलैंड इसके बाद 1997 में भारत में खेले गये विश्व कप के फाइनल में पहुंचा लेकिन इस बार उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। टीम ने हालांकि घरेलू सरजमीं पर साल 2000 में खेले गये विश्व कप के फाइनल में चिर-प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया को हराकर इंग्लैंड की तरह ही अपने तीसरे प्रयास में सफलता हासिल की। भारत विश्व कप में अपना तीसरा फाइनल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने को तैयार है। दोनों देशों के बीच 33 वनडे मैचों 20 जीत के साथ भारत का पलड़ा भारी है लेकिन विश्व कप में मुकाबला बराबरी का है। वनडे विश्व कप के छह मैचों में भारत के नाम तीन जीत हैं लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने पिछले तीनों मैच में भारत को शिकस्त दी है। दक्षिण अफ्रीका इकलौती ऐसी टीम है जिसे भारत ने 2017 से इस वैश्विक आयोजन में नहीं हराया है। विश्व कप के इतिहास में इससे ज्यादा बार लगातार मैचों में ऑस्ट्रेलिया (आठ) और न्यूजीलैंड (पांच) ने भारत को हराया है। भारतीय टीम ऐसे में फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से विश्व कप में मिली लगातार तीन हार का बदला भी चुकता करना चाहेगी। दक्षिण अफ्रीका ने 2017 विश्व कप में भारत को 115 जबकि 2022 विश्व कप में तीन विकेट से हराया था। इस टीम ने मौजूदा विश्व कप में विशाखापत्तनम में भारत को तीन विकेट से शिकस्त देकर विश्व कप के मैचों में जीत की हैट्रिक पूरी की थी। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय महिला टीम के खिलाफ लगातार पांच वनडे मैचों की हार का सिलसिला तोड़ा था।

भारत ने फाइनल की मेजबानी कर रहे डीवाई पाटिल स्टेडियम में अपने दो मैचों जीत दर्ज की है जबकि बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार इस मैदान पर खेलेगी। महिला विश्व कप के फाइनल में यह पहला मौका है जब खिताबी मुकाबला ऐसी दो टीमों के बीच होगा जो कभी चैंपियन नहीं रही है।

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, उमा छेत्री, ऋचा घोष (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, श्री चरणी, राधा यादव।

दक्षिण अफ्रीका : लॉरा वोल्वार्ड (कप्तान), एनेके बॉश, तजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसन, सिनालो जाफ्ता, मारिजान काप, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, कराबो मेसो, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, नोंडुमिसो टंगारियोन।

कप्तान हरमनप्रीत कौर (मध्य), स्मृति मंधाना और मुख्य कोच अमोल मजूमदार।

भारतीय टीम के लिए एक समय मंडरा रहा था लीग चरण से बाहर होने का खतरा

नवी मुंबई : भारत पर एक समय लीग चरण से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था, लेकिन बल्लेबाजों ने अहम समय पर लय हासिल कर टीम को खिताबी मुकाबले में पहुंचाया तो वहीं दक्षिण अफ्रीका को अपने अभियान के दौरान लीग चरण के शुरुआती मैच में इंग्लैंड और आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। इन दोनों मैचों के अलावा उसने हर मुकाबले में दबदबे वाला प्रदर्शन किया। मेजबान भारत ने सेमीफाइनल में सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया पर ऐतिहासिक जीत के साथ फाइनल में प्रवेश किया है। टीम ने जीत के लिए मिले 339 रन के विशाल लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर अपने बढ़ते मनोबल और बल्लेबाजी में असाधारण प्रतिभा का नमूना पेश किया। टीम के ज्यादातर बल्लेबाज लय में है और डीवाई पाटिल स्टेडियम की बल्लेबाजों की मुफीद पिच पर किसी भी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाने का माद्दा रखते हैं। टीम ने लीग चरण के अहम मैच में न्यूजीलैंड और फिर सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रमश तीन विकेट पर 340 और पांच विकेट पर 341 रन बनाकर इसे साबित भी किया है। सेमीफाइनल में भारतीय जीत की नायिका रहीं, जेमिमा रोड्रिग्स (नाबाद 127 रन) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (89 रन) से टीम इस तरह की एक और पारी की उम्मीद करेगी तो वहीं शीर्ष क्रम में स्मृति मंधाना भी शानदार लय में है। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों बल्लेबाजों की सूची में दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वुलवार्ड्ट (470 रन) के बाद 389 रन के साथ दूसरे स्थान पर है। मंधाना को हालांकि शीर्ष क्रम पर प्रतिका रावल (308 रन) की कमी खलेगी जो चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। उनकी जगह टीम में शामिल हुई युवा शेफाली वर्मा सेमीफाइनल में बल्ले से उपयोगी योगदान देने में नाकाम रही, लेकिन वह किसी भी गेंदबाजी के खिलाफ तेजी से रन बना सकती है। शेफाली विश्व कप के लिए रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में भी नहीं थी, ऐसे में वह इस चयन को सही साबित करने की पूरी कोशिश करेंगी। हरफनमौला दीप्ति शर्मा, विकेटकीपर रिचा घोष और अमनजोत कौर ने टूर्नामेंट में कई मौकों पर तेजी से रन जुटाये हैं और फाइनल में भी उन्हें इसे जारी रखना होगा। भारत की असल चिंता गेंदबाजी है।

दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी से रहना होगा सावधान, इंग्लैंड को कर चुकी चित

नवी मुंबई, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका को ऑस्ट्रेलिया की स्पिनरों ने परेशान किया था ऐसे भारतीय टीम को उनकी इस कमजोरी का फायदा उठाने का तरीका ढूंढना होगा। भारत को घरेलू मैदान का फायदा मिलेगा और दर्शकों का शोर टीम के लिए बारहवें खिलाड़ी का काम करेगा।

दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड की मजबूत टीम को 125 रनों के बड़े अंतर से हराकर अपनी क्षमता साबित की है। उनकी यह जीत बताती है कि वे किसी भी टीम को पछाड़ने की ताकत रखते हैं। प्रोटियाज टीम की कप्तान और सलामी बल्लेबाज वोल्वार्ड्ट इस समय विश्व की सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ 169 रन बनाने वाली वोल्वार्ड्ट फाइनल में भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होंगी। अनुभवी हरफनमौला मरिजान काप का प्रदर्शन शानदार रहा है और उन्होंने

इंग्लैंड की बल्लेबाजी ध्वस्त करने वाली गेंदबाज मारिजान काप।

सेमीफाइनल में पांच विकेट लेकर इंग्लैंड की बल्लेबाजी को ध्वस्त किया था। उनकी तेज गेंदबाजी और मध्यक्रम की बल्लेबाजी टीम को संतुलन प्रदान करती है। दक्षिण अफ्रीका ने पूरे टूर्नामेंट में एक अनुशासित गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण इकाई के रूप में प्रदर्शन किया है। नादिन डी क्लार्क और क्लो ट्रायोन जैसी खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण मौकों पर टीम को मुश्किलों से निकाला है। टीम लीग चरण में भारत पर मिली जीत से आत्मविश्वास हासिल करना चाहेगी। भारत के खिलाफ डी क्लार्क और ट्रायोन ने आक्रामक साझेदारी कर मैच का रुख मोड़ा था। डी क्लार्क ने इस मुकाबले में 54 गेंद में नाबाद 84 रन की यादगार पारी खेली थी। यह विश्व कप के पिछले तीन मैच में दक्षिण अफ्रीका की भारत के खिलाफ तीसरी जीत थी।

भारत ने नवी मुंबई में बड़े लक्ष्य का पीछा करने का रिकॉर्ड बनाया है ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी का विकल्प चुन सकती है। लेकिन फाइनल का दबाव लक्ष्य का पीछा करने को कठिन बना सकता है। मैच पर बारिश का खतरा मंडरा रहा है और तीन नवंबर को इसके लिए रिजर्व-डे रखा गया है। रिजर्व-डे को भी अगर मैच नहीं हो पाता है दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया जाएगा। इसकी संभावना हालांकि कम है।

भारतीय टीम ने किया हल्का अभ्यास, दक्षिण अफ्रीका ने बहाया पसीना

नवी मुंबई, एजेंसी

भारतीय महिला टीम ने शनिवार को हल्के अभ्यास के साथ थकान से उबरने पर ध्यान दिया तो वहीं दूसरी तरफ दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण अभ्यास में जमकर पसीना बहाया।

भारतीय टीम का अभ्यास सत्र दोपहर में फुटबॉल के साथ वार्म अप से शुरू हुआ, लेकिन इसके बाद खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में वापस चले गए और लगभग एक घंटे के अंतराल के बाद फिर से मैदान पर लौटे। भारतीय के अभ्यास सत्र में सबसे ज्यादा बल्लेबाजी अभ्यास शेफाली वर्मा ने किया जबकि स्मृति मंधाना, जेमिमा रॉड्रिग्स और हरलीन देओल भी नेट सत्र के दौरान बल्लेबाजी में हाथ आजमाते दिखी। चोटिल सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल की जगह टीम में आयी शेफाली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रही थी ऐसे में फाइनल से पहले वह कोई कोताही नहीं बरतना चाहती है। उन्होंने थ्रो-डाउन पर बल्लेबाजी अभ्यास करने के बाद आयु वर्ग के क्रिकेट के स्थानीय गेंदबाजों के खिलाफ रक्षात्मक और आक्रामक शॉट के अभ्यास किये। मंधाना ने भी इस दौरान बड़े शॉट खेलने का अभ्यास किया तो वही सेमीफाइनल में नाबाद 127 रन की पारी खेलने वाली जेमिमा स्पिनरों के खिलाफ कदमों का इस्तेमाल करते दिखी। राधा यादव और दीप्ति शर्मा ने गेंद से हाथ आजमाये जबकि ज्यादा गेंदबाजों ने मैदान पर सिर्फ 'वार्मअप' किया। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम का मैच काफी थकान भरा था इसलिए खिलाड़ियों का ज्यादा ध्यान इससे उबरने पर था।

उन्होंने मैच से पहले संवाददाता सम्मेलन में कहाकल (फाइनल) का मैच काफी रोमांचक होने की संभावना है हम लोग अपने आप को मानसिक और शारीरिक तौर पर तैयार कर रहे हैं। उम्मीद है कि कल सब अच्छा होगा।

रेणुका सिंह ठाकुर। एजेंसी

शेफाली वर्मा। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीकी कप्तान लॉरा वोल्वार्ड।

भावुक पल | दो बार के पूर्व ग्रैंडस्लैम चैंपियन डबल युगल विशेषज्ञ के दो दशक के करियर पर लगा विराम

रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस से लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी और दो बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना ने शनिवार को पेशेवर टेनिस को अलविदा कह दिया जिससे एटीपी टूर पर उनके दो दशक से अधिक के कैरियर पर विराम लग गया। 45 वर्ष के बोपन्ना ने आखिरी बार इस सप्ताह पेरिस मास्टर्स में खेला जिसमे वह कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुबलिक के साथ पहले दौर में हार गए। कर्नाटक के कूर्ग के रहने वाले बोपन्ना ने अलविदा ..लेकिन अंत नहीं शीर्षक से अपने भावुक बयान में लिखा आधिकारिक रूप से खेल से विदा ले रहा हूं।

उन्होंने आगे लिखा आप उस चीज से विदा कैसे ले सकते हैं जिसने आपकी जिंदगी को मायने दिए। टूर पर बीस यादगार वर्ष बिताने के बाद अब विदा लेने का समय है। उन्होंने लिखा भारत के छोटे से शहर कूर्ग से सफर की शुरुआत करने से लेकर, सर्विस दमदार बनाने के लिए लकड़ी के टुकड़े कांटने, स्टेमिना बढ़ाने के लिए कॉफी के बागानों के बीच से जॉगिंग करने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े कोर्ट पर दूधिया रोशनी में अपने सपनों को पूरा करने तक। सब सपने जैसा लगता है। बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक के बाद अंतरराष्ट्रीय कैरियर से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 2023 में डेविस कप से विदा ली थी और आखिरी बार लखनऊ में मोरक्को के खिलाफ खेला था। युगल विशेषज्ञ बोपन्ना ने 22 साल तक खेलने के बाद टेनिस को खेल से अधिक करार देते हुए कहा कि चुनौतीपूर्ण क्षणों में यह उनके लिए शक्ति, विश्वास और ध्येय का स्रोत रहा।

ऐसा रहा करियर

उन्होंने कई डेविस कप मुकाबलों, ग्रैंड स्लैम और ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोवस्की के साथ 2017 में फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल खिताब जीता जो उनका पहला ग्रैंडस्लैम था। इसके बाद 2024 आस्ट्रेलियाई ओपन में मैथ्यू एबडेन के साथ पुरूष युगल खिताब जीता। उन्होंने 2023 में एबडेन के साथ इंडियन वेल्स खिताब जीता तो 43 वर्ष की उम्र में सबसे उम्रदराज एटीपी मास्टर्स चैम्पियन बने। वह 2024 में सबसे उम्रदराज युगल नंबर एक खिलाड़ी भी बने।

प्रोत्साहन के लिए दिया परिवार को धन्यवाद

बोपन्ना ने अपने माता-पिता को उनके बलिदानों के लिए, बहन रश्मि को लगातार हौसलाअफजाई के लिए और पत्नी सुप्रिया को कोर्ट के बाहर सबसे अच्छी जोड़ीदार साबित होने के लिए धन्यवाद कहा। उन्होंने अपनी बेटी त्रिधा के लिये लिखा कि उसने उन्हें नया मकसद और ताकत दी है। उन्होंने कहा पिछले कुछ साल में मैने जितने भी मैच खेले, सब तुम्हारे लिये थे। तुम्हें दिखाने के लिए कि सपने सच करने के लिए लड़ना चाहिए और जीत से ज्यादा विनम्रता और साहस मायने रखता है। बोपन्ना 2000 के दशक की शुरुआत में पेशेवर खिलाड़ी बने और भारत के सबसे सफल युगल खिलाड़ियों में से एक बन गए। वह अपनी दमदार सर्व के लिए जाने जाते थे।

टी-20 सीरीज में बराबरी का मौका

होबार्ट (ऑस्ट्रेलिया) : भारत को टी-20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले तीसरे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीतकर बराबरी करने का मौका होगा। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में भारतीय बल्लेबाजों को थोड़ी राहत मिलेगी। सही लंबाई पर गेंद डालने में हेजलवुड की सटीकता और उछाल, भारतीय बल्लेबाजों के लिए दुःस्वप्न बन गई।

ऑस्ट्रेलिया को इस महीने के आखिर में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की सीरीज खेलनी है और उसे देखते हुए हेजलवुड को विश्राम दिया गया है।

स्टार सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने मेलबर्न में खेले गए दूसरे मैच के बाद कहा था यह निश्चित रूप से राहत की बात होगी। मैंने ऐसी गेंदबाजी का सामना पहले कभी नहीं किया।

इंडिया ए को जीत के लिए 154 रनों की दरकार, पंत का नाबाद अर्धशतक

बेंगलुरु, एजेंसी

कप्तान ऋषभ पंत की संयम से खेली गई नाबाद 64 रन की अर्धशतकीय पारी से भारत ए ने संभलकर खेलते हुए शनिवार को यहां चार दिवसीय मैच के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका ए द्वारा मिले 275 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्टंप तक चार विकेट गंवाकर 119 रन बना लिए।

दक्षिण अफ्रीका ने सुबह बिना विकेट गंवाए 30 रन से खेलना शुरू किया लेकिन पूरी टीम 199 रन पर सिमट गई जिससे भारत को जीत के लिए 275 रन का लक्ष्य मिला। भारत ए को जीत के लिए अभी 166 रन की दरकार है।

स्टंप तक पंत (81 गेंद, आठ चौके, दो छक्के) के साथ आयुष बडोनी मौजूद थे जिन्होंने अभी खाता नहीं खोला है। अब टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने की जिम्मेदारी पंत के

कप्तान ऋषभ पंत।

कंधों पर होगी। दक्षिण अफ्रीका ए के गेंदबाज अपनी रफ्तार और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान कर रहे थे। विकेटकीपर-बल्लेबाज पंत इसी समय रजत पाटीदार (28) का साथ निभाने क्रीज पर उतरे। भारत ए ने एक समय 32 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे जिसमें आयुष म्हात्रे, साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल पवेलियन लौट चुके थे। पंत ने अपने अंदाज में गेंदबाजों का सामना करते हुए चौथे विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी निभाई। वह क्रीज पर सिर्फ टिके रहने की कोशिश नहीं कर रहे थे बल्कि अपनी टीम को मैच में वापसी कराने के लिए दबदबा बनाना चाहते थे। पंत को 46 रन पर जीवनदान मिला जब तेज गेंदबाज टियान वैन वुरेन की गेंद पर ओकुहले सेले ने फाइन लेग पर उनका आसान कैच छोड़ दिया। जल्द ही उन्होंने प्रेनेलान सुब्रायन की गेंद पर कवर पर चौका लगाकर 65 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया।

- दक्षिण अफ्रीका ए से मिले 275 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार विकेट पर बना लिए 119 रन